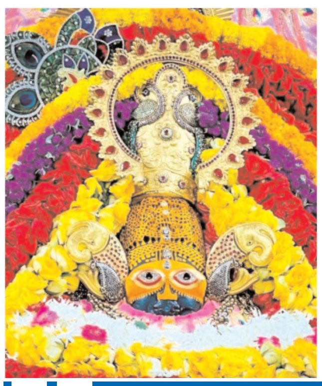

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

वर्ष :15 । अंक:316। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 07 जुलाई 2026 (मंगलवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें

सरबजीत माकन

+91-9638877700

mahanagarmetro7@gmail.com

देश के कई राज्यों में आफत बनी बारिश

महाराष्ट्र में 3 दिन से बारिश, रेलवे ट्रैक, एक्सप्रेस-वे बंद:लोगों को घर में रहने की सलाह

एजेंसी

मुंबई। देश के कई राज्यों में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। महाराष्ट्र में तीन दिन से लगातार बारिश हो रही है। मुंबई-पुणे रेल रूट पर करजत-लोनावला के भोर घाट सेक्शन में दो जगह लैंडस्लाइड हो गई। तीनों रेलवे लाइनें प्रभावित हो गईं। 20 ट्रेनों को कैंसिल करना पड़ा। उधर, मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर भी लैंडस्लाइड होने से रास्ता बंद हो गया। मुंबई में कल से 75kmph की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं, 142 पेड़ उखड़ गए।

मुंबई में बारिश के कारण महाराष्ट्र विधानसभा की कार्यवाही स्थगित

मुंबई और आसपास के इलाकों में भारी बारिश के रेड अलर्ट को देखते हुए महाराष्ट्र विधानसभा की सोमवार की कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। मुख्यमंत्री देवेंद्र

फडणवीस ने कहा कि प्रशासन अलर्ट पर है। उन्होंने लोगों से बेवजह यात्रा नहीं करने की अपील की। वहीं, रविवार को तेज हवाओं के बीच 350 पेड़ गिरने की घटनाएं दर्ज की गईं।

मुंबई में प्राइवेट ऑफिस को वर्क फ्रॉम होम का निर्देश

मुंबई में लगातार हो रही भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित हो गया है। मुंबई में बारिश के चलते निजी कंपनियों से कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम (घर से काम) करने को कहा गया है। वहीं, गैर-जरूरी और सेमी-गर्वनमेंट ऑफिस में आधे दिन की छुट्टी घोषित की गई है। बीएमसी ने आज सरकारी, प्राइवेट और नगर निगम के सभी स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी है।

उत्तराखंड में लगातार बारिश से भूस्खलन

बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग सहित कई प्रमुख मार्ग ठप

देहरादून । उत्तराखंड में सोमवार रात भर हुई लगातार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह से बाधित कर दिया, जिससे भूस्खलन हुआ, बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग सहित कई प्रमुख मार्ग अवरुद्ध हो गए और कई ग्रामीण क्षेत्रों का संपर्क टूट गया। मौजूदा मौसम की स्थिति को देखते हुए अधिकारियों ने प्रभावित जिलों में स्कूलों को बंद करने का भी आदेश दिया। मलबा और लगातार पत्थर गिरने के कारण भानारपानी, गुलाबकोटी और बिरही-निजमूला सहित कई स्थानों पर बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध हो गया है। अधिकारियों ने बताया कि मरम्मत का काम जारी है जबकि जनसुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एहतियाती उपाय के तौर पर इन हिस्सों पर वाहनों की आवाजाही निलंबित कर दी गई है। रुद्रप्रयाग में, गढ़वाल क्षेत्र के ऊपरी इलाकों में लगातार भारी बारिश के बाद अलकनंदा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने के कारण नमामी घाट पूरी तरह से जलमग्न हो गया। जिला प्रशासन के अनुसार, ऊपरी हिमालयी क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के कारण अलकनंदा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है।

तीनों सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मिले थलसेना प्रमुख

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने भारत की राष्ट्रपति एवं तीनों सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर द्रौपदी मुर्मु से शिष्टाचार भेंट की है। जनरल धीरज सेठ अपनी पत्नी कोमल सेठ के साथ राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति से मुलाकात करने पहुंचे थे। यह मुलाकात भारतीय सैन्य नेतृत्व और राष्ट्र के सर्वोच्च संवैधानिक पद के बीच परंपरागत संवाद एवं विश्वास का महत्वपूर्ण प्रतीक मानी जाती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने दलाई लामा को जन्मदिन की बधाई दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके शांति, सद्भाव और वैश्विक कल्याण के संदेश की सराहना की। प्रधानमंत्री ने उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करते हुए कहा कि उनका नैतिक एवं आध्यात्मिक नेतृत्व दुनिया भर के लोगों के लिए प्रेरणास्त्रोत रहा है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने संदेश में कहा, 'परम पावन दलाई लामा को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। शांति और सद्भाव का उनका संदेश दुनिया भर के लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहा है। उनकी नैतिक और आध्यात्मिक शक्ति तथा वैश्विक कल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता प्रशंसनीय है। मैं उनके लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। '

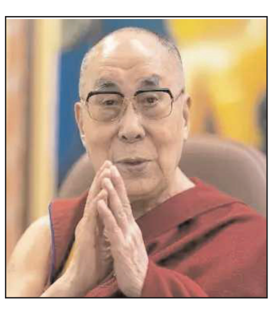

देश की एकता से समझौता करने वालों को इतिहास ने नकारा : सीएम योगी

'देश की अखंडता के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले राष्ट्रनायक थे। '

एजेंसी

लखनऊ । यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर उन्हें भारत माता का महान सपूत, प्रखर स्वतंत्रता सेनानी और दूरदर्शी राष्ट्रवादी बताते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने देश की एकता और अखंडता के लिए 'एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे' का उद्घोष किया था, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 का निरसन हटाकर साकार किया। लखनऊ में आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी केवल एक शिक्षाविद या राजनेता नहीं थे, बल्कि देश की अखंडता के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले राष्ट्रनायक थे। उन्होंने कहा कि मात्र 33 वर्ष की आयु में कोलकाता विश्वविद्यालय के कुलपति बने मुखर्जी ने शिक्षा और सार्वजनिक जीवन में उल्लेखनीय योगदान दिया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश के विभाजन के समय जब पूरे बंगाल को पाकिस्तान में मिलाने की कोशिश हो रही थी, तब डॉ. मुखर्जी उसके खिलाफ मजबूती से खड़े हुए। उन्होंने कहा कि आज पश्चिम बंगाल भारत का हिस्सा है तो उसमें डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की भूमिका को कभी भुलाया नहीं जा सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्र भारत के पहले खाद्य

एवं उद्योग मंत्री के रूप में भी डॉ. मुखर्जी ने महत्वपूर्ण योगदान दिया लेकिन देशहित के मुद्दों पर समझौता न करते हुए उन्होंने मंत्रिमंडल छोड़ दिया और बाद में भारतीय जनसंघ की स्थापना की।उन्होंने कहा कि कश्मीर की परमिट व्यवस्था और विशेष दर्जे के खिलाफ डॉ. मुखर्जी का आंदोलन देश की एकता का प्रतीक था। योगी ने कहा कि वर्ष 2019 में अनुच्छेद 370 हटाकर केंद्र सरकार ने बाबा साहब के संविधान को जम्मू-कश्मीर में पूरी तरह लागू किया।

पश्चिम बंगाल की तीन राज्यसभा सीटों पर उपचुनाव का एलान

इन सीटों पर 24 जुलाई 2026 को सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक मतदान होगा

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल की तीन राज्यसभा

सीटों पर उपचुनाव की घोषणा कर दी है। आयोग के अनुसार, इन सीटों पर 24 जुलाई 2026 को सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक मतदान होगा और उसी दिन शाम पांच बजे मतगणना भी कराई जाएगी। निर्वाचन कार्यक्रम के तहत 7 जुलाई को अधिसूचना जारी होगी, जबकि नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 14 जुलाई तय की गई है। 15 जुलाई को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 17 जुलाई तक उम्मीदवार अपना नाम वापस ले सकेंगे। चुनाव प्रक्रिया 27 जुलाई तक पूरी कर ली जाएगी।

गुजरात के मंझलपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव की घोषणा

चुनाव आयोग ने सोमवार को गुजरात की मंझलपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी। इसके साथ ही चुनावी प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो गई है। यह सीट भाजपा के आठ बार के विधायक योगेश पटेल के निधन के बाद 2 जून को खाली हुई थी। अधिसूचना के अनुसार, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 13 जुलाई निर्धारित की गई है। नामांकन पत्रों की जांच 14 जुलाई को होगी, जबकि उम्मीदवार 16 जुलाई तक अपना नाम वापस ले सकेंगे। यदि आवश्यक हुआ तो 30 जुलाई को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान कराया जाएगा। मतगणना और पूरी चुनाव प्रक्रिया 4 अगस्त तक पूरी कर ली जाएगी।

राहुल गांधी ने राजस्थान के बस-ट्रक बॉडी बिल्डर्स से की मुलाकात

समस्याएं सुनी

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने राजस्थान के स्थानीय बस और ट्रक बॉडी बिल्डर्स से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने समस्याएं सुनीं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की एमएसएमई विरोधी नीतियां छोटे उद्योगों का गला घोंट रही हैं और इसी कारण यह उद्योग संकट में हैं। राहुल गांधी ने इस मुलाकात की जानकारी एक्स पर सोमवार को दी। उन्होंने कहा कि इन कारीगरों की विश्वस्तरीय कारीगरी फेरारी और रोल्स रॉयस जैसी कंपनियों के स्तर की है, लेकिन उन्हें सम्मान और सहयोग देने के बजाय नियमों के बोझ तले दबाया जा रहा है। छोटे उद्योगों के बंद होने से केवल फैक्ट्रियां ही नहीं बंद होतीं, बल्कि भारत का हुनर हारता है और मेहनतकश कारीगर बेरोजगार होता है। राहुल गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी ऐसे कारीगरों का हक उनसे नहीं छिनने देगी।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा

● कांगपोकपी में हमले में महिला और बच्चा घायल

एनएच-37 पर 24 घंटे का बंद

एजेंसी

नई दिल्ली। मणिपुर में लंबे समय से जारी जातीय तनाव के बीच एक बार फिर हिंसा भड़क उठी। कांगपोकपी जिले के थिंगखोंगजांग (थिंगखोजांग) कुकी गांव पर हुए कथित सशस्त्र हमले में एक महिला और एक बच्चा घायल हो गए। घटना के बाद कुकी संगठनों ने सोमवार से राष्ट्रीय राजमार्ग-37 (एनएच-37) पर 24 घंटे के बंद का एलान कर दिया है। साथ ही स्वतंत्र न्यायिक जांच, दोषियों की गिरफ्तारी और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग उठाई है। हालांकि, सरकार की ओर से इस पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, रविवार शाम गांव के लोग चर्च में प्रार्थना कर रहे थे, तभी हथियारबंद हमलावरों ने गांव पर गोलीबारी की और विस्फोटक फेंके। हमले के दौरान कई घरों में आग लगाए जाने का भी दावा किया गया है। इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। घटना में घायल महिला के पैर में गोली लगने की बात कही जा रही है, जबकि एक बच्चा भी घायल हुआ। दोनों को पहले असम राइफल्स के न्यू कैथेलमणबी शिविर में प्राथमिक उपचार दिया गया और बाद में इम्फाल स्थित रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आरआईएमएस) भेजा गया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि हमले के पीछे एनएससीएन (आईएम) और जेडयूएफ-के के उग्रवादी शामिल थे, हालांकि सुरक्षा एजेंसियों की ओर से अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की गई है।घटना के बाद कुकी समुदाय के शीर्ष संगठन 'कुकी इनपी मणिपुर' (केआईएम) ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे आम नागरिकों पर सुनियोजित हमला बताया। संगठन का आरोप है कि भारी हथियारों से लैस हमलावरों ने गांव में घुसकर गोलीबारी की, घरों में आग लगाई और महिलाओं व बच्चों को निशाना बनाया, जबकि निकट ही केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का शिविर मौजूद था।

नेम्मेली परियोजना की शिलान्यास पट्टिका हटाने पर द्रमुक ने लगाया राजनीतिक दुर्भावना का आरोप

अधिकारियों ने दी सफाई

एजेंसी

चेन्नई। चेन्नई के नेम्मेली स्थित समुद्री जल को पेयजल में बदलने वाली महत्वाकांक्षी परियोजना की शिलान्यास पट्टिका हटाए जाने को लेकर तमिलनाडु की राजनीति में नया विवाद खड़ा हो गया है। पूर्व मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के नाम वाली शिलान्यास पट्टिका हटाए जाने पर द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) ने सरकार पर राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित कार्रवाई का आरोप लगाया है। वहीं, संबंधित विभाग के अधिकारियों ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि पट्टिका को केवल मरम्मत और संरक्षण के उद्देश्य से अस्थायी रूप से हटाया गया है।दरअसल, चेन्नई में लगातार बढ़ती पेयजल की मांग को पूरा करने के लिए वर्ष 2006 में तत्कालीन द्रमुक सरकार के कार्यकाल में नेम्मेली समुद्री जल शोधन परियोजना की शुरुआत की गई थी। उस समय स्थानीय प्रशासन मंत्री रहे एम.के. स्टालिन ने इस परियोजना के क्रियान्वयन में अहम भूमिका निभाई थी। बाद में मुख्यमंत्री बनने पर उन्होंने शहर की बढ़ती आबादी और जल आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए 24 फरवरी 2024 को नेम्मेली में दूसरी बड़ी समुद्री जल शोधन परियोजना की आधारशिला रखी। वर्तमान में इस परियोजना का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। विवाद तब शुरू हुआ, जब वर्तमान मुख्यमंत्री विजय के प्रस्तावित दौरे से पहले परियोजना परिसर से एम.के. स्टालिन के नाम वाली शिलान्यास पट्टिका हटाए जाने की जानकारी सामने आई। इसके बाद द्रमुक ने इसे राजनीतिक प्रतिशोध का मामला बताते हुए सरकार पर तीखा हमला बोला। द्रमुक ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया मंचों पर जारी बयान में आरोप लगाया कि सत्ता में आए 50 दिनों से अधिक समय बीत जाने के बावजूद सरकार जनता के लिए कोई नई और प्रभावी योजना नहीं ला सकी है। पार्टी का कहना है कि पिछली द्रविड़ मॉडल सरकार के दौरान शुरू की गई ।

स्वदेशी स्टेल्थ फ्रिगेट महेन्द्रगिरी समुद्री बेड़े में शामिल होने को तैयार

●भारतीय नौसेना की ताकत बढ़ेगी

●हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की निगरानी क्षमता और ऑपरेशनल पहुंच में होगी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के समुद्री बेड़े में एक और एडवांस्ड स्टेल्थ फ्रिगेट महेन्द्रगिरी शामिल होने के लिए तैयार है। विशाखापत्तनम में 11 जुलाई को महेन्द्रगिरी को ऐसे समय में शामिल किया जाएगा, जब भारत के पूर्वी समुद्री तट का रणनीतिक और समुद्री महत्व लगातार बढ़ रहा है। महेन्द्रगिरी के नौसेना में शामिल होने से हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की निगरानी क्षमता और ऑपरेशनल पहुंच में काफी बढ़ोतरी होगी। नौसेना के कैप्टन विवेक मधवाल ने कहा कि प्रोजेक्ट 17ए वर्ग का छठा स्टेल्थ फ्रिगेट 'महेन्द्रगिरी' केवल एक जहाज नहीं है, बल्कि यह 'मेक इन इंडिया' की भावना और हमारे स्वदेशी शिपयार्ड की इंजीनियरिंग क्षमताओं का 6,670 टन का अवतार है। भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो में इन-हाउस डिजाइन और मुंबई के मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड में निर्मित यह फ्रिगेट पहले के डिजाइनों की तुलना में एक पीढ़ी की छलांग है। 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री के साथ यह जहाज घरेलू औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र की परिपक्वता को उजागर करता है, जो अब 200 से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों में फैला हुआ है।संयुक्त डीजल या गैस प्रणोदन संयंत्र से संचालित महेन्द्रगिरी को 'उच्च गति-उच्च धीरज' बहुमुखी प्रतिभा और बहुआयामी समुद्री संचालन के लिए डिजाइन किया गया है। जहाज का हथियार सूट विश्वस्तरीय है, जिसमें सुपरसोनिक सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलें, मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें और एक विशेष पनडुब्बी रोधी युद्धक सूट है। इन प्रणालियों को अत्याधुनिक कॉम्बैट मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से मूल रूप से एकीकृत किया गया है, जिससे चालक दल सटीकता के साथ खतरों का जवाब दे सकता है। स्टेल्थ फ्रिगेट का लचीला मिशन प्रोफाइल इसे उच्च-तीव्रता वाले मुकाबले से लेकर मानवीय सहायता और आपदा राहत तक के लिए आदर्श बनाता है। कैप्टन मधवाल ने कहा कि हमारी नौसेना चाहे फारस की खाड़ी हो या मलक्का स्ट्रेट, हिंद महासागर में लगातार अपनी मौजूदगी बनाए रखती है। जब भी कोई संकट आता है, चाहे वह निकासी ऑपरेशन हो या मानवीय सहायता देना हो, हमारी नेवी हमेशा सबसे आगे रहती है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (मंगलवार)
07 जुलाई 2026

हेडलाइन: डभोई की यह सड़क 14 साल से 'मौत का कुआं' बनी हुई है: प्रशासन की भारी लापरवाही या नेताओं की लापरवाही?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। एक तरफ जहां डभोई तालुका के ग्रामीण इलाकों में शानदार और पक्की सड़कों के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, वहीं दूसरी तरफ प्रशासन की ऐसी भारी लापरवाही सामने आई है जिसे देखकर किसी भी संवेदनशील व्यक्ति का खून खौल उठे। तालुका में मंडला गांव को संधा गांव से जोड़ने वाली लगभग 1.5 किलोमीटर लंबी मुख्य सड़क पिछले 14 सालों यानी डेढ़ दशक से बेहद खस्ताहाल स्थिति में है। स्थानीय ग्रामीणों द्वारा सालों से गुहार लगाने के बावजूद प्रशासन पर कोई असर नहीं हुआ है, जिससे स्थानीय लोगों में भारी गुस्सा है। मिली जानकारी के अनुसार, इस डेढ़ किलोमीटर लंबी सड़क से तारकोल गायब हो चुका है। जगह-जगह बड़े-बड़े गड्डें बन गए हैं और पूरी सड़क पर अनगिनत छोटे-बड़े गड्डें हो गए हैं। सड़क की हालत पूरी तरह ऊबड़-खाबड़ और खराब हो गई है। इस सड़क से गुजरना ऐसा है जैसे अपनी जान हथेली पर रखकर 'मौत के कुएं' से गुजरना। हालिया बारिश के कारण इस खस्ताहाल सड़क की स्थिति और भी दयनीय और खतरनाक हो गई है। सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्डें में बारिश का पानी भर जाने के कारण वाहन चालकों को गड्डें की गहराई का पता नहीं चलता। नतीजतन, यहां हर दिन छोटे-बड़े हादसे हो रहे हैं। ग्रामीण डर के साये में जी रहे हैं

डभोई नगरपालिका की भारी लापरवाही शिनोर चौकड़ी पर गंदगी ने 'स्वच्छ भारत अभियान'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। एक तरफ, 'स्वच्छ भारत, स्वच्छ गुजरात' मिशन के तहत देश और राज्य भर में करोड़ों रुपये खर्च करके सफाई के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं और विज्ञापन के होर्डिंग लगाए जा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ डभोई के ऐतिहासिक शहर में इसी अभियान की धज्जियां उड़ती दिख रही हैं। डभोई की सबसे व्यस्त मानी जाने वाली शिनोर चौकड़ी के पास रखे कूड़ेदान के अंदर और बाहर कूड़े के बड़े-बड़े ढेर लगे हुए हैं, जो नगरपालिका प्रशासन के बेकार और सुस्त कामकाज पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। शिनोर चौकड़ी कोई आम या सुनसान सड़क नहीं है, बल्कि यह राजपीपला और चनोद, करनाली व पोइचा जैसे पवित्र तीर्थ स्थलों तक जाने का मुख्य रास्ता है। हर दिन हजारों यात्री इस चौराहे से गुजरते हैं और स.ज्ञ. बसों या अन्य वाहनों के इंतजार में यहां खड़े होते हैं। फिलहाल, सड़ते हुए कूड़े के ढेर के कारण यहां असहनीय और सिर चकरा देने वाली बदबू फैल रही है, जिससे लोगों का वहां खड़ा होना या सांस लेना भी मुश्किल हो गया है। यात्री और स्थानीय पैदल चलने वाले लोग इस गंदगी से बहुत परेशान हैं और पूरे इलाके में किसी जानलेवा महामारी के फैलने का डर बना हुआ है। सबसे हैरानी और गुस्से वाली बात यह है कि डभोई नगरपालिका का मुख्य कार्यालय उस जगह से सिर्फ 200 मीटर दूर है

म्युनिसिपल कमिश्नर एक्शन मोड में: ईस्ट ज़ोन में पानी से जुड़ी परियोजनाओं का अचानक निरीक्षण,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत (गुजरात)। शहर में पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को और मज़बूत करने के मकसद से, म्युनिसिपल कमिश्नर श्री बंछानिधि पानी ने आज ईस्ट ज़ोन में ज़मीनी स्तर पर जाकर निरीक्षण किया। कमिश्नर ने वॉटर रिसोर्स मैनेजमेंट डिपार्टमेंट के तहत चल रही अलग-अलग डेवलपमेंट और पानी से जुड़ी परियोजनाओं के काम का खुद निरीक्षण किया। सिस्टम की यह सक्रियता दिखाती है कि नागरिकों को जल्द से जल्द बुनियादी सुविधाएँ देने के लिए अब बड़े अधिकारी सीधे फील्ड में उतर आए हैं। दौरे के दौरान, म्युनिसिपल कमिश्नर श्री बंछानिधि पानी ने सिर्फ़ ऊपरी तौर पर दौरा नहीं किया, बल्कि प्रोजेक्ट साइट पर संबंधित विभाग के अधिकारियों और इंजीनियरों के साथ बैठक भी की। उन्होंने चल रहे काम की विस्तार से समीक्षा की। कमिश्नर ने काम में आने वाली तकनीकी दिक्कतों को दूर करने और यह पक्का करने के लिए कि जनता को जल्द से जल्द इस सुविधा का लाभ मिले, मौके पर ही ज़रूरी और अहम मार्गदर्शन दिया। इस अचानक दौरे के दौरान, कमिश्नर ने अधिकारियों से साफ और सख्ती से कहा कि जनता के काम से जुड़े सभी प्रोजेक्ट्स पूरी क्वालिटी स्टैंडर्ड्स को बनाए रखते हुए किए जाएँ। सबसे ज़रूरी शर्त यह है कि सरकारी पैसे का सही इस्तेमाल हो और टिकाऊ काम हो। इसके साथ ही, संबंधित अधिकारियों और ठेकेदारों को सभी प्रोजेक्ट्स तय समय सीमा के भीतर पूरा करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं, ताकि आम जनता को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। वॉटर रिसोर्स पर फोकस: ईस्ट ज़ोन में पानी के स्रोत और मैनेजमेंट सुविधाओं के बेहतर होने से हज़ारों परिवारों को पीने के पानी और दूसरी सुविधाओं का सीधा लाभ मिलेगा।

कुप्पा जलापूर्ति योजना में लापरवाही से दो मासूम बच्चों की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटाउदेपुर। क्वांट तालुका के मोटिजदुली गांव से एक बेहद दुखद, दिल दहला देने वाली और शर्मनाक घटना सामने आई है। कुप्पा जलापूर्ति योजना के जिम्मेदार अधिकारियों और इंजीनियरों की भारी लापरवाही के कारण दो मासूम बच्चों की जान चली गई। पानी की पाइपलाइन में लंबे समय से हो रहे रिसाव (लीकेज) के कारण हुई इस त्रासदी में दो मासूम बच्चों की मौत से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है और स्थानीय लोगों में प्रशासन के खिलाफ भारी आक्रोश है। मिली जानकारी के अनुसार, गांव से गुजरने वाली कुप्पा जलापूर्ति योजना की मुख्य पाइपलाइन में भारी रिसाव हो रहा था। इस रिसाव के कारण आसपास का इलाका जलमग्न हो गया और गड्डें जैसी खतरनाक स्थिति बन गई। गांव के दो मासूम बच्चे खेलते-खेलते रिसाव वाली जगह पर पहुंच गए और पानी से भरे गड्डें में गिरने से दोनों की दुखद मौत हो गई। घटना की खबर मिलते ही परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा और पूरा गांव सदमे में आ गया। इस गंभीर और संवेदनशील घटना की सूचना मिलते ही छोटाउदेपुर के जिला कलेक्टर तुरंत हरकत में आ गए। कलेक्टर ने इस पूरे मामले को बहुत गंभीरता से लिया है और घटना की निष्पक्ष जांच के आदेश दिए हैं। जलापूर्ति विभाग के जिस भी अधिकारी या ठेकेदार की लापरवाही और कोताही के कारण यह घटना हुई है, उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया गया है। लेकिन सवाल यह है कि क्या सिस्टम की यह सक्रियता उन दो मासूमों की जान वापस ला पाएगी .

खाकी की आड़ में मौत का कारोबार: जेल रिटर्न कांस्टेबल 'हनु कामड़िया' बना करजन का अघोषित डॉन!

PI पटेल का वरदहस्त और बड़ौदा LCB की मेहरबानी, चल रहा करोड़ों का हफ्ता वसूली नेटवर्क: क्या जांबाज SP अग्रवाल और गांधीनगर की SMC इस दागी तिकड़ी का सफाया करेगी या जनता लट्ठाकांड (जहरीली शराब) का शिकार बनेगी?

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

वडोदरा / करजन। गुजरात सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति की सरेआम धज्जियां उड़ाता एक बेहद गंभीर और शर्मनाक मामला वडोदरा जिले के करजन तालुका से सामने आया है। कागजों पर शराबबंदी के बड़े-बडे दावों के बीच, आज करजन के गांव-गांव में पुलिस के आशीर्वाद से इंग्लिश वाइन, केमिकल युक्त देसी शराब, जुआ और चरस-गांजे का साम्राज्य बेखौफ होकर फल-फूल रहा है। इस काले कारोबार के तार करजन पुलिस स्टेशन के डी-स्टाफ के एक ऐसे 'वहीवटदार' (बिचौलिए/कलेक्टर) से जुड़े हैं, जो कानून को अपनी जेब में समझकर पूरा नेटवर्क ऑपरेट कर रहा है!

मौत का सामान और वडोदरा से आने वाले जुआरी: करजन के 4 डेंजर जोन!

कुराली (पानी की टंकी के पास): यहाँ नई नगरी में सरेआम वरली मटका का जुआ खिलवाकर युवा पीढ़ी को बर्बाद किया जा रहा है।

सापा गांव (नई वसाहत): यह गांव वडोदरा शहर के जुआरियों के लिए 'सेफ हेवन' (सुरक्षित ठिकाना) बन गया है। खास बाहर से जुआरी यहाँ किस्मत आजमाने आते हैं और स्थानीय पुलिस मूकदर्शक बनकर तमाशा देखती है।

कंडारी गांव: गांव के कोने-कोने में देसी शराब के बिक्री केंद्र खुल गए हैं, मानो असामाजिक तत्वों को कानून का कोई खौफ ही न हो!

करमडी गांव: यह गांव 24 घंटे जहर उगलने वाली देसी शराब की भट्टियों का गढ़ बन चुका है। केमिकल युक्त जहरीली शराब का यहाँ धड़ल्ले से उत्पादन हो रहा है। सवाल यह उठता है कि क्या यह भ्रष्ट तंत्र करजन की धरती पर एक और 'लट्ठाकांड' और बेकसूरों की लाशें गिरने का इंतजार कर रहा है?

जेल की हवा खाकर आया दागी कांस्टेबल फिर 'कमाऊ पूत' कैसे बना?

इस पूरे अवैध नेटवर्क का असली मास्टरमाइंड करजन पुलिस का दागी कांस्टेबल हनुभा उर्फ हनु कामड़िया बताया जा रहा है। इससे पहले 23 लाख रुपये की विदेशी शराब के बहुत बड़े घोटाले में बुटलेगरों (शराब तस्करों) के साथ सीधे गठजोड़ के आरोप में यह हनु कामड़िया जेल की हवा खा चुका है! उसे सस्पेंड कर जिले से बाहर खदेड़ दिया गया था। लेकिन सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि जेल से छूटते ही, किस राजनीतिक आका के इशारे पर इस बेखौफ कांस्टेबल को दोबारा करजन पुलिस स्टेशन में ही मलाईदार पोस्टिंग मिल गई? करजन के पी.आई. पटेल के लिए यह हनुभा सोने का अंडा देने वाली मुर्गी यानी 'कमाऊ पूत' साबित हो रहा है। पी.आई. पटेल की छत्रछाया में हनुभा इस समय फिर से बुटलेगरों के साथ सीधा तालमेल बिठाकर विदेशी शराब की खेप उतरवा (कटिंग करवा) रहा है। चर्चा है कि इस काले कारोबार की बदौलत उसने करोड़ों रुपये की बेनामी संपत्ति और अपना साम्राज्य खड़ा कर लिया है। LCB तक लाखों का नजराना? गृहमंत्री के आदेश करजन की सीमा पर फेल! चौंकाने वाली जानकारियों के मुताबिक, करजन में सिर्फ शराब और जुआ ही नहीं, बल्कि गांजा और चरस जैसे नशे का नेटवर्क भी एक्टिव है। जिले की लोकल क्राइम ब्रांच भी इन अड्डों के खिलाफ आंखें मूंदे बैठी है, क्योंकि सूत्रों के अनुसार, वहीवटदार हनुभा हर महीने लाखों रुपये का हफ्ता ऊपर तक पहुंचाता है! इस वहीवटदार की दादागीरी इस कदर बढ़ गई है कि वह राज्य के गृहमंत्री और उपमुख्यमंत्री के सख्त आदेशों को भी ठेंगे पर रख रहा है और सरकार की छवि को धूमिल कर रहा है। इस मामले में गांधीनगर SMC (स्टेट मॉनिटरिंग सेल) में भी लिखित शिकायतें दर्ज होने की बात सामने आई है।

हनुभा कामड़िया
पुलिस कांस्टेबल,कथित वहीवटदार

'महानगर मेट्रो न्यूज़' के सीधे और तीखे सवाल:

1. वडोदरा जिले के पुलिस कप्तान (SP) अग्रवाल साहब इस जेल रिटर्न भ्रष्ट वहीवटदार हनु कामड़िया और उसे शह देने वाले PI पटेल की करोड़ों की अनुपातहीन संपत्ति की जांच कराकर उन्हें सस्पेंड करेंगे, या हफ्तेबाजी का यह खेल ऐसे ही चलता रहेगा?

2. गांधीनगर की स्टेट मॉनिटरिंग सेल (SMC) करजन के कुराली, सापा, कंडारी और करमडी गांव के अड्डों पर कब गुप्त छापेमारी कर इस खाकी-बुटलेगर नेक्सस पर बुलडोजर चलाएगी?

3. राजनीतिक आकाओं के दम पर कूदने वाले बुटलेगरों और हफ्ताखोर खाकी के भ्रष्ट चेहरों के खिलाफ गांधीनगर से कब कड़ा एक्शन लिया जाएगा?

महानगर मेट्रो न्यूज़ की खुली चुनौती

करजन की जनता अब इस नरक जैसे माहौल से त्राहि-त्राहि कर उठी है। अगर नशे के ये अड्डे और करोड़ों का भ्रष्टाचार तुरंत बंद नहीं हुआ, तो 'महानगर मेट्रो न्यूज़' इस भ्रष्ट तिकड़ी के ऑडियो-वीडियो सबूतों और करोड़ों की बेनामी संपत्तियों के दस्तावेजों के साथ अगले अंक में महाविस्फोट करेगा! तैयार रहिएगा!

अमरेली ज़िले में भारी बारिश ने तबाही मचाई, प्रशासन के मॉनसून-पूर्व के काम धुल गए: सावरकुंडला-अमरेली नेशनल हाईवे का एक बड़ा हिस्सा ढह गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अमरेली। सौराष्ट्र में भारी बारिश ने तबाही मचाई है, लेकिन इस मूसलाधार बारिश के साथ ही सरकारी ठेकेदारों और हाईवे अथॉरिटी के भ्रष्टाचार की पोल भी खुल गई है। अमरेली ज़िले को जोड़ने वाले बेहद अहम सावरकुंडला-अमरेली नेशनल हाईवे का एक बड़ा हिस्सा अचानक ताश के पत्तों की तरह ढह गया। पूरे नेशनल हाईवे के पानी में डूबने से वाहन चालकों की जान खतरे में पड़ गई और प्रशासन के बड़े-बड़े दावे धुल गए। मिली जानकारी के अनुसार, अमरेली और सावरकुंडला ज़िलों में पिछले 24 घंटों से बेमौसम बारिश हो रही है। बारिश के पानी के तेज़ बहाव के कारण हाईवे के नीचे से मिट्टी और पत्थर बह गए। नतीजतन, लाखों-करोड़ों की लागत से बने इस नेशनल हाईवे का एक बड़ा हिस्सा, जिसमें सड़क भी शामिल थी, नदी के किनारे की तरह धंस गया। गनीमत रही कि जब यह सड़क ढही, तो उस हिस्से से कोई बड़ा वाहन नहीं गुज़र रहा था, वरना पूरा हाईवे ढह सकता था और बड़ा हादसा हो सकता था।

ट्रैफिक जाम और यात्री फंसे: वैकल्पिक इंतज़ाम कहाँ है?

सावरकुंडला-अमरेली नेशनल हाईवे इस इलाके की मुख्य आर्थिक और सामाजिक जीवनरेखा है, जिससे रोज़ाना हज़ारों छोटे-बड़े वाहन, स्ज्ञ बसें और मालवाहक ट्रक गुज़रते हैं। हाईवे का एक बड़ा हिस्सा ढहने से सड़क पर ट्रैफिक जाम लग गया और वाहन चालक घंटों तक फंसे रहे। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुँचीं और सड़क को वन-वे करके या डायवर्जन देकर धीरे-धीरे वाहनों को निकाला जा रहा है।क्या यह नेशनल हाईवे है या कागज़ी सड़क?: जिस हाईवे से हज़ारों टन वज़न वाले ट्रक गुज़रते हैं, वह सामान्य मॉनसून की बारिश में पूरी तरह कैसे बह जाता है? ठेकेदार ने किस घटिया क्वालिटी के मटीरियल का इस्तेमाल किया था? क्या मॉनसून से पहले की तैयारी सिर्फ़ कागज़ों पर ही है?: मॉनसून से पहले करोड़ों रुपये की लागत से जिस सर्वे और सुरक्षा दीवार की बात की जा रही थी, उसका पैसा कहाँ खर्च हुआ या क्या हाईवे पूरी तरह से बर्बाद हो गया? जनता से भारी टोल टैक्स वसूला जाता है, लेकिन बदले में उन्हें जानलेवा गड्डें और टूटे-फूटे हाईवे मिलते हैं। इस भ्रष्टाचार के लिए किसे सज़ा मिलेगी? फिलहाल, इस हाईवे के टूटने की वजह से सावरकुंडला और अमरेली के बीच ट्रैफिक खतरनाक हो गया है। 'पक्को गुजरात न्यूज़' मांग करता है कि नेशनल हाईवे अथॉरिटी अपनी नींद से जागे और सिर्फ़ बैरिकेड्स लगाकर संतुष्ट होने के बजाय, युद्ध स्तर पर इस सड़क की मज़बूत मरम्मत शुरू करे। साथ ही, जनता के टैक्स का पैसा बर्बाद करने वाले भ्रष्ट ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट किया जाना चाहिए।

गुप्त सूचना के आधार पर एक व्यक्ति को अवैध पिस्तौल के साथ पकड़ा गया; कड़ी सुरक्षा के बीच बड़ी कामयाबी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भावनगर। आगामी पवित्र रथ यात्रा उत्सव को देखते हुए पूरे राज्य में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पुलिस प्रशासन अलर्ट पर है। ऐसे में भावनगर जिला लोकल क्राइम ब्रांच को बड़ी सफलता मिली है। रथ यात्रा से पहले किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए शहर में की गई सघन चेकिंग के दौरान, पुलिस ने एक खास सूचना के आधार पर 10,000 रुपये कीमत की अवैध पिस्तौल के साथ एक व्यक्ति को पकड़ा। रथ यात्रा से ठीक पहले इस तरह हथियार के साथ व्यक्ति का पकड़ा जाना पुलिस की सतर्कता को दर्शाता है। मिली जानकारी के अनुसार, भावनगर रेंज IGP और जिला पुलिस प्रमुख के निर्देश पर रथ यात्रा से पहले पूरे जिले में कड़ी सुरक्षा बरती जा रही है और संदिग्ध लोगों पर नजर रखी जा रही है। इसी बीच, भावनगर लोकल क्राइम ब्रांच की टीम को गुप्त सूचना मिली कि एक व्यक्ति अवैध हथियारों की तस्करी कर रहा है। LCB टीम ने तुरंत निगरानी शुरू की और उस संदिग्ध व्यक्ति को रोका। तलाशी लेने पर उसके पास से 10,000 रुपये कीमत की देसी अवैध पिस्तौल मिली, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। भावनगर LCB ने अवैध पिस्तौल के साथ पकड़े गए व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। अब पुलिस इस मामले में गहन पूछताछ कर रही है .

नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट (चेक रिटर्न) मामले में दोषी ठहराए गए और फरार चल रहे आरोपी को पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आनंद। कानून-व्यवस्था को मजबूत करने और अदालत द्वारा दोषी ठहराए गए अपराधियों को पकड़ने के लिए पुलिस एक्शन मोड में है। इसी के तहत, आनंद जिला पुलिस प्रमुख के निर्देशों और मार्गदर्शन में पेटलाद ग्रामीण पुलिस स्टेशन की टीम को बड़ी सफलता मिली है। नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट की धारा 138 (चेक रिटर्न) के अपराध के लिए सम्मानित पेटलाद अदालत द्वारा सजा सुनाए जाने के बाद, पुलिस ने कड़ी निगरानी रखी और उस फरार आरोपी को पकड़ लिया जो लंबे समय से पुलिस से बच रहा था। मिली जानकारी के अनुसार, सम्मानित पेटलाद अदालत ने वित्तीय लेनदेन और चेक बाउंस के एक गंभीर मामले में आरोपी के खिलाफ कानूनी सुनवाई की और उसे सजा सुनाई। हालांकि, सजा के बाद जेल जाने के बजाय, आरोपी कानून की पकड़ से बचने के लिए भाग गया था और अपनी जगहें बदल रहा था। इस संबंध में, पेटलाद ग्रामीण पुलिस टीम को खास और गुप्त जानकारी मिली कि यह फरार आरोपी एक खास जगह पर आया है। पुलिस ने तुरंत एक टीम भेजी और समय रहते घेराबंदी करके आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। अदालत के आदेश का पालन: आरोपी को जेल भेजने की योजना पेटलाद ग्रामीण पुलिस ने इस फरार आरोपी के खिलाफ कानूनी जेल वारंट को लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस ने उसे सम्मानित अदालत के सामने पेश किया है और अदालत के आदेशानुसार सजा काटने के लिए उसे जेल भेजने की आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। यह गिरफ्तारी उन लोगों के लिए एक बड़ा सबक है जो चेक रिटर्न जैसे आर्थिक अपराधों में अदालत द्वारा सजा सुनाए जाने के बाद भी फरार हैं। ज़ीरो टॉलरेंस कार्रवाई: अपराधियों के खिलाफ मुख्यमंत्री कार्यालय (CMO गुजरात) और राज्य के गृह मंत्री हर्ष संघवी की सख्त नीति का पालन करते हुए, गुजरात पुलिस ऐसे फरार लोगों को खोजने में लगातार सक्रिय है। अदालत के आदेशों का सम्मान: अगर अदालत द्वारा दोषी ठहराए गए अपराधी बाहर घूमते हैं, तो कानून का मज़ाक उड़ता है, लेकिन आनंद पुलिस ने ऐसे आरोपी को पकड़कर न्यायपालिका की गरिमा बनाए रखी है।

मनीष पंसुरिया भारतीय नकली नोटों के साथ पकड़ा गया, अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने की बड़ी साजिश नाकाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। वडोदरा में अपराधियों और असामाजिक तत्वों पर कड़ी नज़र रखती है, ने देश की अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान पहुँचाने की एक साजिश का पर्दाफाश किया है। पुलिस की सघन गश्त और मुखबिरों के मजबूत नेटवर्क की वजह से, एक आरोपी को भारी मात्रा में भारतीय नकली नोटों के साथ रंगे हाथों पकड़ा गया है। वडोदरा पुलिस की इस सतर्कता के कारण, बाज़ार में नकली नोटों की तस्करी करने वाले एक बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है।

मिली जानकारी के आधार पर, निगरानी रखने के बाद आरोपी मनीष पंसुरिया को गिरफ्तार किया गया।

मिली जानकारी के अनुसार, जब वडोदरा पुलिस की टीम इलाके में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सघन गश्त कर रही थी, तो उन्हें खास सुराग और जानकारी मिली कि एक व्यक्ति नकली नोटों की ढुलाई या सप्लाई करने के लिए घूम रहा है। पुलिस ने तुरंत निगरानी शुरू की और मनीष खिमजीभाई पंसुरिया नाम के व्यक्ति को पकड़ा, जो संदिग्ध हालत में पाया गया था। गहन तलाशी लेने पर पुलिस को उसके पास से भारतीय मुद्रा के नकली नोटों का जखीरा मिला, जिसे देखकर वे भी हैरान रह गए। पुलिस ने आरोपी मनीष खिमजीभाई पंसुरिया को गिरफ्तार कर लिया है और कानूनी धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। अब वडोदरा पुलिस इस दिशा में गहराई से पूछताछ कर रही है कि ये नकली नोट कहाँ छापे गए थे? ये नोट किससे लाए गए थे और वडोदरा या गुजरात के किन बाज़ारों में इन्हें खपाने की योजना थी? इस घोटाले में और कौन-कौन से बड़े लोग या अंतर-राज्यीय गिरोह शामिल हैं, इसका खुलासा भी आने वाले दिनों में पुलिस जांच में हो सकता है.

अहमदाबाद के पॉश सैटेलाइट इलाके में भ्रष्टाचार: कंस्ट्रक्शन साइट के पास ऋष्टष्ट सड़क 20 फीट धंसी, पूरी कार गड्डें में गिरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। स्मार्ट सिटी के दावों और करोड़ों की लागत से बन रही RCC सड़कों की क्वालिटी की पोल खुल गई है; इसका जीता-जागता सबूत शहर के सबसे पॉश सैटेलाइट इलाके से सामने आया है। सैटेलाइट में हो रही बारिश के बीच, एक बिल्डिंग की कंस्ट्रक्शन साइट के पास बनी ऋष्टष्ट सड़क अचानक ताश के पत्तों की तरह ढह गई। सड़क धंसने से वहां खड़ी एक पूरी कार लगभग 20 फीट गहरे खतरनाक में गिर गई। गनीमत रही कि घटना के समय कार के अंदर कोई नहीं था, वरना जान-माल का भारी नुकसान हो सकता था। मिली जानकारी के मुताबिक, सैटेलाइट इलाके में एक बड़ा कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट चल रहा है। इस प्रोजेक्ट की नींव की खुदाई वाली जगह के पास से ही मुख्य RCC सड़क गुज़रती है। हाल की बारिश और बिल्डर द्वारा प्रोटेक्शन वॉल या सुरक्षा के पुख्ता इंतज़ाम न करने की वजह से सड़क के नीचे से मिट्टी खिसक गई। नतीजतन, मज़बूत मानी जाने वाली RCC सड़क पल भर में धंस गई और 20 फीट गहरा गड्डें बन गया। सड़क पर खड़ी एक कार सीधे गड्डें की तलहटी में जा गिरी और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।इस घटना ने कॉर्पोरेशन की मॉनसून-पूर्व प्लानिंग और इंजीनियरों के काम पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। अगर सैटेलाइट जैसे पॉश इलाके में ज़मीन 20 फीट धंस सकती है और पूरी सड़क बैठ सकती है, तो शहर के आम इलाकों का क्या हाल होगा? बिल्डर अपनी साइट पर खुदाई करते समय आस-पास की सड़कों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कानूनी नियमों का पालन क्यों नहीं करते? और अगर वे ऐसा नहीं करते, तो AMC के ज़िम्मेदार अधिकारी अपने AC केबिन से बाहर निकलकर निरीक्षण क्यों नहीं करते?

क्या AMC अधिकारी और कॉन्ट्रैक्टर किसी बड़ी आपदा या नागरिकों की मौत की खबर का इंतज़ार कर रहे हैं? यह क्यों नहीं जांचा गया कि प्राइवेट कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट के आस-पास सुरक्षा मानकों का पालन किया गया है या नहीं? इस हादसे के बाद स्थानीय लोगों में बहुत गुस्सा और डर है। लोग सड़क पर अपनी गाड़ियां खड़ी करने से भी डर रहे हैं। 'पक्को गुजरात न्यूज़' मांग करता है कि इस घटना के लिए ज़िम्मेदार बिल्डर और म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के भ्रष्ट इंजीनियरों के खिलाफ़ तुरंत सखूत कार्रवाई की जाए। सिर्फ़ नोटिस जारी करके और मामला रफ़ा-दफ़ा करने के बजाय, जो लोग जनता की ज़िंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं, उन्हें जेल भेजा जाना चाहिए।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

अंकलेश्वर में दहेज का ज़हरीला कचरा! पॉल्यूशन माफिया के बड़े स्कैम का पर्दाफाश, GPCB बेलगाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। भाजपा महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष विभा अवस्थी के निर्देशानुसार जिला मुख्यालय स्थित भाजपा कार्यालय में डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम' की जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुई।कार्यक्रम का उद्देश्य महिला कार्यकर्ताओं को आधुनिक तकनीक से जोड़कर पार्टी की विचारधारा, संगठनात्मक ढांचे और केंद्र-राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को डिजिटल माध्यम से जन-जन तक पहुंचाना है। कार्यक्रम में जिला प्रभारी गीतांजलि पटनायक एवं जिला सहप्रभारी रत्नावली कौशल की विशेष रूप से उपस्थिति रही। अपने संबोधन में जिला सह-प्रभारी एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ शासन पूर्व सदस्य रत्नावली कौशल ने कहा कि प्रदेशाध्यक्ष विभा अवस्थी का स्पष्ट निर्देश है कि इस अभियान को सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के प्रत्येक मंडल,शक्ति केंद्र और बूथ स्तर तक पहुंचाया जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 'डिजिटल इंडिया' के स्वप्न को साकार करने के लिए महिला मोर्चा की हर बहन को तकनीकी रूप से दक्ष होना आवश्यक है। जब हमारी बूथ सखी डिजिटल होगी,तभी सरकार की योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पारदर्शी रूप से पहुंचेंगी। कार्यक्रम में जिला भाजपा अध्यक्ष ज्योति पटेल ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि डिजिटल प्रशिक्षण आने वाले 2026 के नगरीय निकाय चुनाव एवं अन्य चुनावों में भाजपा की जीत की मजबूत नींव रखेगा।कार्यशाला में सभी पदाधिकारियों को भाजपा के आधिकारिक सरल ऐप के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान वीडियो लेक्चर, ई-सामग्री और लाइव डेमो के माध्यम से जानकारी दी गई। पाठ्यक्रम पूर्ण करने के उपरांत ऑनलाइन परीक्षा आयोजित होगी, जिसमें सफल कार्यकर्ताओं को डिजिटल प्रशिक्षण प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थित पदाधिकारियों ने सामूहिक संकल्प लिया कि वे अपने-अपने मंडल में जाकर हर बूथ सखी को डिजिटल सखी बनाने का अभियान तीव्र गति से चलाएंगी। संभाग, जिला एवं विधानसभा स्तर पर नियुक्त महिला प्रभारियों के माध्यम से यह प्रशिक्षण आगे बूथ स्तर तक पहुंचाया जाएगा। प्रमुख रूप से कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष वैजयंती लहरे,जिला उपाध्यक्ष चंद्रिका सिंह ठाकुर, महामंत्री रागिनी केसरवानी, शिवानी साहू, गणेशी चौहान,ज्योति श्रीवास, विमला कुर्रे,सरिता बंजारे, सुकृता कोसले,रामशिला साहू, पुष्पा साहू,नंदिनी साहू,सविता गढ़तिया, हेमंती भारती,सरिता जांगड़े सहित जिले के सभी मंडलों की महिला मोर्चा पदाधिकारी उपस्थित थी।

संक्षिप्त न्यूज

राजनांदगांव जिले में अब तक 1123.1 मिमी वर्षा दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। जिले में इस वर्ष चालू मानसून वर्ष में 1 जून 2026 से अब तक जिले के सभी 7 तहसीलों में 1123.1 मिमी बारिश एवं औसत 160.4 मिमी बारिश दर्ज की गई है। भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी अनुसार डोंगरगढ़ तहसील में 175.5 मिमी, लाल बहादुर नगर तहसील में 201.5 मिमी, राजनांदगांव तहसील में 205.8 मिमी, घुमका तहसील में 49 मिमी, छुरिया तहसील में 129.9 मिमी, कुमरदा तहसील में 205.3 मिमी, डोंगरगांव तहसील में 156.1 मिमी बारिश दर्ज की गई है। अब तक सर्वाधिक वर्षा राजनांदगांव तहसील में 205.8 मिमी दर्ज की गई है। इसी तरह आज राजनांदगांव जिले के सभी 7 तहसीलों में 354.8 मिमी एवं औसत 50.7 मिमी बारिश दर्ज की गई है। डोंगरगढ़ तहसील में 67 मिमी, लाल बहादुर नगर तहसील में 42 मिमी, राजनांदगांव तहसील में 85.6 मिमी, घुमका तहसील में 27.5 छुरिया तहसील में 23.2 मिमी, कुमरदा तहसील में 57 मिमी, डोंगरगांव तहसील में 52.5 मिमी बारिश दर्ज की गई है। सर्वाधिक वर्षा राजनांदगांव तहसील में 85.6 मिमी दर्ज की गई है।

वन महोत्सव में बच्चों ने लिया हरियाली बढ़ाने का संकल्प

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साल्हेवारा। धरती को हराभरा बनाने और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण देने के संकल्प के साथ पूर्व माध्यमिक शाला अचानकपुर में वन महोत्सव के अंतर्गत भव्य पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं वन विभाग के अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक पौधे रोपकर प्रकृति संरक्षण का प्रेरणादायी संदेश दिया। कार्यक्रम में उपस्थित वन परिक्षेत्र अधिकारी श्री संजीत मरकाम ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि 'एक पेड़ माँ के नाम' तथा अपने प्रत्येक जन्मदिन पर एक पौधा लगाने का संकल्प जीवनभर निभाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पौधा लगाना केवल एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि उसे वृक्ष बनने तक सहेजना और उसकी देखभाल करना ही सच्चा पर्यावरण संरक्षण है। यदि प्रत्येक नागरिक एक पौधा लगाकर उसकी जिम्मेदारी निभाए, तो आने वाले वर्षों में हरियाली, स्वच्छ हवा और बेहतर जलवायु का सपना साकार हो सकता है।

अहमदाबाद में BJP पार्षद की कथित शराब पार्टी का वीडियो वायरल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सरदारनगर। अहमदाबाद के सरदारनगर वार्ड के एक BJP पार्षद से जुड़ा कथित शराब पार्टी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। वीडियो सामने आने के बाद शराबबंदी कानून को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। सरदारनगर पुलिस ने वीडियो की सत्यता, उसमें दिख रहे लोगों की पहचान और कथित शराब पार्टी की जांच शुरू कर दी है। पुलिस तकनीकी जांच के जरिए यह पता लगाने में जुटी है कि वीडियो कब और कहां का है तथा इसमें लगाए गए आरोप सही हैं

केसीजी पुलिस की बड़ी कार्रवाई ऑनलाइन सट्टा और साइबर फ्रॉड का भंडाफोड़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। छुईखदान खैरागढ़-छुईखदान-गंडई (केसीजी) जिले की छुईखदान पुलिस ने एक अंतरराज्यीय साइबर अपराध और ऑनलाइन सट्टेबाजी गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मुंबई से संचालित इस नेटवर्क के मास्टरमाइंड सहित 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से लैपटॉप, मोबाइल और भारी मात्रा में एटीएम कार्ड जब्त किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, गृह मंत्रालय के 'समन्वय पोर्टल' और एनसीआरबी से मिली सूचना के आधार पर संदिग्ध बैंक खातों की जांच की गई। जांच में पता चला कि छुईखदान निवासी दीपक निर्मलकर के बैंक खाते में ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी के जरिए लगभग 1.69 करोड़ का संदिग्ध लेन-देन हुआ था। पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी अपना बैंक खाता 12,000 प्रति माह के किराए पर गिरोह को उपलब्ध कराता था।आरोपी राहुल जंघेल ने पुलिस को बताया कि इस बैंक खाते का उपयोग मुंबई के पलावा सिटी में किराए के फ्लैट से संचालित ऑनलाइन गेमिंग एवं साइबर फ्रॉड गतिविधियों में किया जाता था।

कलेक्टर ने रेल्वे ओवरब्रिज निर्माण की शिकायत पर जांच एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए रेल्वे को भेजा पत्र

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने राजनांदगांव जिले के ग्राम बरगा एवं आलीवारा स्थित रेल्वे ओवरब्रिज के कथित गुणवत्ताहीन निर्माण कार्य संबंधी प्रकाशित समाचार को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे को पत्र प्रेषित किया है। कलेक्टर द्वारा प्रेषित पत्र में उल्लेख किया गया है कि मीडिया में ग्राम बरगा एवं आलीवारा स्थित रेल्वे ओवरब्रिज के गुणवत्ताहीन निर्माण कार्य के संबंध में समाचार प्रकाशित हुआ है। कलेक्टर ने रेल्वे से कहा कि प्रकाशित शिकायत के संबंध में उच्च स्तरीय जांच कराई जाए तथा जांच प्रतिवेदन के आधार पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

जनसंपर्क विभाग एक्चुअल पत्रकारों को अन्य राज्यों की सैर कराए हेमंत वर्मा प्रदेश अध्यक्ष आईरा इंटरनेशनल रिपोर्टर एसोसिएशन छत्तीसगढ़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव छत्तीसगढ़। पत्रकारों के अंतरराष्ट्रीय संगठन आईरा इंटरनेशनल रिपोर्टर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत वर्मा ने छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से मांग किया है कि पत्रकारिता की आड़ में कुछ लोग स्वार्थ सिद्ध कर रहे हैं और सरकार की योजनाओं का बेजा इस्तेमाल कर रहे हैं ऐसे लोगों पर कड़ी कार्रवाई हो जनसंपर्क संवाद जो कि माननीय मुख्यमंत्री के अधीन है विगत कुछ वर्षों से यहां के पत्रकारों को अन्य राज्यों की सैर कराई जा रही है ताकि वहां की भाषा संस्कृति विकास कार्य को जानकर समझ कर यहां डेवलपमेंट का प्रयास करें लेकिन यह बेहद आश्चर्य की बात है कि जनसंपर्क विभाग द्वारा अभी हाल ही छत्तीसगढ़ के कुछ पत्रकारों को जिसमें दुर्ग भिलाई रायपुर राजनांदगांव और बालोद जिला शामिल है कुछ पत्रकारों को उत्तरांचल उत्तराखंड की सैर कराई गई सरकारी पैसे से लेकिन यह बेहद आश्चर्य की बात है कि इसमें कुछ पत्रकार ऐसे भी है जो कभी सरकारी मुलाजिम रह चुके हैं एवं चंद पैसे देकर पत्रकार का चोला ओढ़ लिए हैं कॉपी पेस्ट करके अपना काम चलाते हैं ऐसे लोगों को भी सरकारी पैसे से दूसरे राज्यों की सैर कराई गई जिनको समाचार लिखने नहीं आता वह क्या समाचार उस प्रांत की या डेवलपमेंट की बनाएंगे यह सोचने वाली बात है और कुछ लोग इसमें ऐसे भी हैं जो पत्रकारता का सिर्फ लेवल लगा लिए है यानी कि वह पत्रकारिता छोड़ चुके हैं और इसमें कुछ लोग ऐसे भी हैं जो नए-नए पत्रकार बने हैं क्या जनसंपर्क विभाग ने इसके लिए विज्ञप्ति जारी किया क्या इसका व्यापक प्रचार प्रसार किया गया क्या गुपचुप तरीके से अपने लोगों को फायदा दिलाने के लिए सरकारी पैसे का दुरुपयोग किया गया इस पूरे मामले की जांच की जानी चाहिए पत्रकारिता के आड़ में अगर जो लोग गैर पत्रकार हैं और सरकार की योजनाओं का अनावश्यक लाभ ले रहे हैं ऐसे लोगों पर कड़ी कार्रवाई हो एवं एक्चुअल जो पत्रकार हैं उन्हें अन्य राज्यों की सैर कराई जाए अन्यथा ऐसी योजनाओं का कोई लाभ सरकार को या लोगों को मिलने वाला नहीं है

कलेक्टर ने बाढ़ एवं जलभराव वाले क्षेत्रों की सतत निगरानी के दिए निर्देश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने सभी संबंधित अधिकारियों को बाढ़ एवं जलभराव वाले क्षेत्रों की सतत निगरानी करने तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि लगातार वर्षा के कारण नदी-नालों के तटवर्ती क्षेत्रों एवं निचले इलाकों में जलभराव की संभावना बनी हुई है। ऐसे में सभी अधिकारी पूर्ण सतर्कता के साथ क्षेत्र का नियमित निरीक्षण करते रहें तथा स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखें। कलेक्टर ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे तेज बारिश के दौरान नदी-नालों एवं तटवर्ती क्षेत्रों में अनावश्यक न जाएं तथा प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन करें। बाढ़ की संभावित स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा नदी के तटीय क्षेत्रों में लगातार मुनादी कराकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है तथा आवश्यक सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं। कलेक्टर के निर्देशानुसार आयुक्त नगर निगम द्वारा राजनांदगांव शहर के जलभराव संभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान टिम्बर मार्केट, जिला अस्पताल परिसर, राजीव नगर, ममता नगर, डीएफओ बंगले के पीछे तथा नंदई चौक क्षेत्र का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित कराई गई तथा नालों के ऊपर किए गए अवरोधक निर्माण को हटाकर पानी की निकासी सुचारू कराई गई। वर्तमान में सभी स्थानों पर स्थिति सामान्य है। इसी प्रकार एसडीएम डोंगरगढ़ ने डोंगरगढ़ शहर के केदारबाड़ी एवं वार्ड क्रमांक 3 का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसडीएम डोंगरगांव ने ग्राम बगदई, रूदगांव एवं कोहका सहित बाढ़ संभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्थिति सामान्य पाई गई। ग्रामीणों से जलभराव वाले क्षेत्रों के समीप अनावश्यक रूप से नहीं जाने तथा सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की गई।

सिर्फ 18 दिनों में मुकेश विश्वकर्मा ने पूरी की हिमालय की तीन कठिन धार्मिक यात्राएं, पेश की साहस और आस्था की अनूठी मिसाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हिमालय की गोद में बसी अलौकिक और दुर्गम गहराइयों को नापना हर किसी के बस की बात नहीं होती। लेकिन जब आस्था और दृढ़ संकल्प एक साथ मिल जाएं, तो कठिन से कठिन राह भी आसान हो जाती है। ऐसा ही कुछ कर दिखाया है मुकेश विश्वकर्मा ने, जिन्होंने सिर्फ 18 दिनों के भीतर हिमालय की तीन अत्यंत कठिन और चुनौतीपूर्ण धार्मिक यात्राओं को सफलतापूर्वक पूरा कर साहस, आस्था और संकल्प की एक ऐसी अनूठी मिसाल पेश की है, जो हर श्रद्धालु और पर्वत प्रेमी के लिए प्रेरणा बन गई है। बर्फ से ढके दुर्गम रास्ते, हजारों फीट की ऊंचाई, कम ऑक्सीजन, खड़ी चढ़ाई और पल-पल बदलते जानलेवा मौसम के बीच उन्होंने बिना हार माने तीन प्रमुख धार्मिक यात्राएं पूरी कीं। मुकेश विश्वकर्मा ने अपनी इस आध्यात्मिक यात्रा की शुरुआत 13 जून को युलाकांडा (12,778 फीट) की यात्रा से की थी। इसके ठीक बाद 15 जून को उन्होंने किन्नौर कैलाश (19,865 फीट) जैसी अत्यंत कठिन और जोखिमभरी चढ़ाई पूरी की। वहीं, 30 जून को उन्होंने श्रीखंड महादेव (18,570 फीट) की बेहद खतरनाक चढ़ाई भी सफलतापूर्वक पूरी कर अपने संकल्प को सिद्ध कर दिया। इन यात्राओं के दौरान मुकेश को कई प्राकृतिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा। कहीं बर्फ से ढके फिसलन भरे रास्ते थे तो कहीं संकरे पहाड़ी मार्ग, जहां एक छोटी सी चूक भी जानलेवा साबित हो सकती थी। ऊंचाई बढ़ने के साथ-साथ ऑक्सीजन की भारी कमी और मौसम का अचानक करवट बदलना किसी भी इंसान की सबसे बड़ी परीक्षा होती है। इसके बावजूद, उन्होंने धैर्य, आत्मविश्वास और भगवान शिव के प्रति अटूट श्रद्धा के बल पर इन तीनों यात्राओं को फतह किया। बता दें कि हिमालय की इन धार्मिक यात्राओं को देश की सबसे कठिन आध्यात्मिक यात्राओं में गिना जाता है। विशेष रूप से किन्नौर कैलाश और श्रीखंड महादेव की यात्रा शारीरिक क्षमता, मानसिक दृढ़ता और कठिन परिस्थितियों से जूझने की क्षमता की वास्तविक परीक्षा मानी जाती है। हर साल हजारों श्रद्धालु इन यात्राओं के लिए निकलते हैं, लेकिन बेहद कठिन हालातों के कारण सभी इसे पूरा नहीं कर पाते। मुकेश विश्वकर्मा की यह अद्भुत उपलब्धि केवल पर्वतारोहण या धार्मिक यात्रा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह इस बात का जीवंत उदाहरण है कि यदि व्यक्ति के भीतर अटूट विश्वास, तो दुनिया की कोई भी कठिन मंजिल हासिल की जा सकती है।

राजनांदगांव में इंटर डिस्ट्रिक्ट कराटे चैंपियनशिप का सफल आयोजन बॉडी टेक कराटे अकादमी के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। सोमवार को कस्तूरबा स्कूल में एक दिवसीय इंटर डिस्ट्रिक्ट कराटे चैंपियनशिप का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में बॉडी टेक कराटे अकादमी के 9 खिलाड़ियों ने भाग लिया और सभी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पदक हासिल कर अकादमी एवं जिले का नाम रोशन किया। डबल इवेंट में वर्णिका साहू ने दो गोल्ड मेडल जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। वहीं प्रकृति साव ने एक गोल्ड एवं एक सिल्वर मेडल हासिल किया। उल्लेखनीय है कि प्रकृति साव पूर्व में भी कई प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अनेक पदक जीत चुकी हैं और लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही हैं। निरोसा वर्मा ने एक गोल्ड और एक ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। अनंत तिवारी ने एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मेडल जीता, जबकि विराज साहू ने दो ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किए।सिंगल इवेंट में वरुण खंडेलवाल ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया और अपेक्षा तिवारी ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। वहीं पहली बार टूर्नामेंट में भाग लेने वाली सृष्टि नायक ने ब्रॉन्ज मेडल जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया, जबकि अनन्या शाह ने भी प्रतियोगिता में भाग लेकर सराहनीय प्रयास किया।सभी खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से न केवल बॉडी टेक कराटे अकादमी बल्कि पूरे जिले का नाम गौरवान्वित किया। प्रतियोगिता के समापन पर सभी विजेता एवं प्रतिभागी खिलाड़ियों को मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

भीनमाल के मंगलचंद सेठ केयर हेल्थ इंश्योरेंस के प्रतिष्ठित 'ब्रॉन्ज क्लब' में शामिल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भीनमाल (मुकेश सोलंकी)। केयर हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी द्वारा आयोजित एनुअल काउंसिल में भीनमाल (राजस्थान) के मंगलचंद माणकचंद सेठ ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कंपनी के प्रतिष्ठित 'कांस्य (ब्रॉन्ज) क्लब' में अपनी जगह बनाई है। इस उपलब्धि के लिए उन्हें प्रमाण पत्र देकर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कंपनी के ब्रॉन्ज क्लब में चयनित सदस्यों के लिए मुंबई के समीप पालघर जिले में स्थित 'वैतरणा साइलेंट हिल रिसॉर्ट' में एक भव्य प्रशिक्षण कार्यक्रम और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। बारिश के खुशनुमा मौसम के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में सभी सदस्यों ने मौसम और रिसॉर्ट के स्वादिष्ट पूर्णतया शाकाहारी भोजन का जमकर आनंद लिया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता और केयर हेल्थ इंश्योरेंस के मुंबई जोन हेड सत्यजीत भोसले ने अपने अनोखे अंदाज और सरल भाषा में सदस्यों को प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि ग्राहकों को पॉलिसी की बारीकियां कैसे समझाएं और इससे ग्राहकों को क्या-क्या बड़े फायदे मिल सकते हैं। उनके इस सत्र से उपस्थित सदस्यों का हौसला और उत्साह दोगुना हो गया। प्रशिक्षण के बाद जोन हेड सत्यजीत भोसले के कर-कमलों द्वारा सभी सफल सदस्यों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। जैसे ही भीनमाल के मंगलचंद माणकचंद सेठ को मंच पर प्रमाण पत्र देने के लिए आमंत्रित किया गया, पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। सेठ ने मंच पर अपनी बुलंद और जोशीली आवाज में 'मंगल वाणी' का उद्घोष किया, जिससे पूरे हॉल का माहौल बेहद ऊर्जावान हो गया और सभी ने वाह-वाह करते हुए उनका जोरदार स्वागत किया। अपनी इस बड़ी सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मंगलचंद सेठ ने बताया कि उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाने और आगे बढ़ाने में केयर हेल्थ इंश्योरेंस के जयेश ओभान (ब्रांच हेड),मिथुन अवाडे, अनिल सोनी का हमेशा सकारात्मक और सक्रिय सहयोग रहा है।

हम 29 जुलाई को आने वाली गुरु पूर्णिमा के मौके पर सनातन संस्था का बनाया हुआ एक आर्टिकल भेज रहे हैं। कृपया इसे अपने अखबार में छापकर सहयोग करें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आषाढ़ पूर्णिमा, यानी वह दिन जिसका साधक और शिष्य बड़ी बेसब्री से इंतज़ार करते हैं, गुरु पूर्णिमा का पावन दिन है! यह दिन साधक और शिष्य के नज़रिए से बहुत ज़रूरी दिन है, उस सर्वशक्तिमान और सर्वज्ञ गुरु के चरणों में आभार जताने का जो शिष्य के पूरे जीवन में व्याप्त हैं और साधना के अगले लक्ष्य को पाने का संकल्प लेने का। गुरु की कृपा से शिष्य को परम सुख मिलता है, यानी उसकी आध्यात्मिक तरक्की होती है। गुरु पूर्णिमा के शुभ दिन गुरु तत्व दूसरे दिनों की तुलना में 1,000 गुना ज़्यादा एक्टिव होता है। सनातन संस्था के इस आर्टिकल में हम गुरु और गुरु पूर्णिमा के मकसद, इसके महत्व और गुरु पूर्णिमा मनाने के तरीके के बारे में जानेंगे। गुरु का महत्वः गुरुदेव ही साधना बताते हैं, साधना करवाते हैं और शिष्य को आनंद की अनुभूति कराते हैं। गुरु का लक्ष्य शिष्य के भौतिक सुख की ओर नहीं, बल्कि सिर्फ़ उसकी आध्यात्मिक उन्नति पर होता है। गुरु खुद शिष्य को साधना के लिए प्रेरित करते हैं, उससे चरणों में साधना करवाते हैं, साधना में आने वाली रुकावटों को दूर करते हैं, उसे साधना में स्थिर रखते हैं और उसे पूर्णता की ओर ले जाते हैं। गुरु के संकल्प के बिना इतना बड़ा और मुश्किल शिव धनुष उठाना नामुमकिन है। इसके विपरीत, गुरु मिलने के बाद यह काम आसानी से हो जाता है। इसमें कोई शक नहीं कि गुरु ही वह ब्रह्म है जो अज्ञान के अंधेरे को दूर करता है। इससे यह समझा जाता है कि एक साधक के जीवन में गुरु का महत्व अनोखा और असाधारण है। इसलिए, गुरु की प्राप्ति साधक का पहला लक्ष्य है। गुरु को पाने से ही ईश्वर की प्राप्ति होती है; या यह कहा जा सकता है कि गुरु को पाने का मतलब है ईश्वर को पाना। ईश्वर की प्राप्ति का मतलब है मुक्ति, और मुक्ति का मतलब है कभी न खत्म होने वाले आनंद की स्थिति। सिर्फ़ गुरु ही हमें इस स्थिति तक ले जाते हैं। गुरु पूर्णिमा शिष्य को जीवन से मुक्त करने वाले गुरु के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए मनाई जाती है। आषाढ़ पूर्णिमा के दिन हर जगह गुरु पूर्णिमा का त्योहार मनाया जाता है। गुरु ईश्वर का शुभ रूप है! पूरे साल, हर गुरु अपने भक्तों को आध्यात्मिक बोधामृत का एक समृद्ध उपहार देता है। उस गुरु के प्रति एक खास भावना से आभार व्यक्त करना, यही गुरु पूर्णिमा मनाने का मुख्य मकसद है। गुरु पूर्णिमा के शुभ दिन पर गुरु तत्व (दिव्य तत्व) आम दिनों की तुलना में 1 हज़ार गुना ज़्यादा एक्टिव होता है। इसलिए, गुरु पूर्णिमा के मौके पर की गई सेवा और त्याग (अच्छे कामों के लिए अर्पण) का फल दूसरे दिनों की तुलना में 1 हज़ार गुना ज़्यादा होता है; इसीलिए गुरु पूर्णिमा गुरु कृपा (भगवान की कृपा) पाने का एक अनमोल मौका है। गुरु पूर्णिमा सभी पंथों में मनाई जाती है। यहाँ ज़रूरी बात यह है कि गुरु एक ही तत्व है। भले ही गुरु शारीरिक रूप में अलग-अलग दिखाई दें, लेकिन गुरु तत्व एक ही है। गुरु पूर्णिमा का त्योहार अलग-अलग पंथों के साथ-साथ कई संस्थाओं, संगठनों और स्कूलों में भी बड़ी श्रद्धा से मनाया जाता है। गुरु पूजा के लिए, बजठ (आंगन) को पूरब-पश्चिम दिशा में रखें।

योगी के घर लंच, केशव के घर चाय और ब्रजेश के घर आम पार्टी के जरिये भाजपा ने दिया बड़ा संदेश

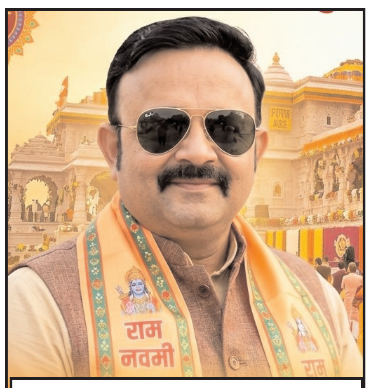

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के दो दिवसीय लखनऊ दौरे ने यह साफ कर दिया कि पार्टी ने 2027 के मिशन की औपचारिक शुरूआत कर दी है। संगठनात्मक बैठकों, रणनीतिक विमर्श और सहयोगी दलों के साथ लगातार संवाद के बीच रविवार का दिन राजनीतिक संदेशों से भरा रहा।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में रविवार को केवल दावतें नहीं हुईं, बल्कि भाजपा ने लंच, मैंगो पार्टी और चाय पार्टी के जरिए 2027 की चुनावी एकजुटता का खुला संदेश दिया। देखा जाये तो उत्तर प्रदेश की राजनीति में कुछ दृश्य केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं होते बल्कि वे सीधे सत्ता और संगठन के भीतर के संदेश बन जाते हैं। वर्ष 2022 के चुनावों से ठीक पहले जिस तरह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के घर पहुंचे थे, उसी राजनीतिक संकेत को भाजपा ने इस बार और ज्यादा व्यापक रूप में दोहराया। फर्क सिर्फ इतना रहा कि इस बार तस्वीर और भी ज्यादा मजबूत दिखाई दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आवास पर भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन और वरिष्ठ नेताओं का साथ में लंच, फिर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के यहां मैंगो पार्टी और उसके बाद उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के घर चाय पार्टी ने साफ कर दिया कि भाजपा का शीर्ष नेतृत्व उत्तर प्रदेश में किसी भी तरह के मतभेद की अटकलों को पूरी तरह खत्म करना चाहता है। योगी, केशव और ब्रजेश की साझा मौजूदगी ने केंद्रीय नेतृत्व को यह भरोसा दिला दिया कि 2027 का चुनाव भाजपा पूरी राजनीतिक एकजुटता, संगठनात्मक तालमेल और साझा रणनीति के साथ लड़ेगी। सत्ता, संगठन और सामाजिक समीकरणों को एक मंच पर लाकर भाजपा ने यह संदेश दे दिया कि चुनावी बिगुल बज चुका है और पार्टी अब पूरी ताकत के साथ मैदान में उतर चुकी है।

देखा जाये तो भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के दो दिवसीय लखनऊ दौरे ने यह साफ कर दिया कि पार्टी ने 2027 के मिशन की औपचारिक शुरूआत कर दी है। संगठनात्मक बैठकों, रणनीतिक विमर्श और सहयोगी दलों के साथ लगातार संवाद के बीच रविवार का दिन राजनीतिक संदेशों से भरा रहा। दिन की शुरूआत भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्षों के साथ चाय पर चर्चा से हुई, जहां संगठन की पुरानी ताकत, पुराने अनुभव और आने वाले चुनाव की नई रणनीति पर गंभीर मंथन हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, संगठन महामंत्री बीएल संतोष और कई वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी ने यह संकेत दिया कि भाजपा इस बार चुनाव को केवल सत्ता बचाने की लड़ाई नहीं, बल्कि एक बड़े राजनीतिक अभियान के रूप में देख रही है।

लेकिन असली राजनीतिक संदेश तब सामने आया जब औपचारिक बैठकों के बाद भाजपा नेतृत्व ने अपने अंदाज को पूरी तरह राजनीतिक प्रतीकों में बदल दिया। सबसे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और अन्य वरिष्ठ नेता उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के आवास पहुंचे, जहां आम पार्टी आयोजित की गई थी। राजनीतिक तपिश के बीच आम की मिठास ने माहौल को हल्का जरूर किया, लेकिन इसके भीतर छिपा संदेश बेहद गंभीर था।

ब्रजेश पाठक ने सभी नेताओं का स्वागत किया और प्रदेश के प्रसिद्ध आम परोसे। माहौल में राजनीतिक तनाव की जगह सहज बातचीत, हंसी और आत्मीयता दिखाई दी। सबसे चर्चित क्षण तब आया जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने हाथ में आम उठाया, उसे दांतों से छीलते हुए मुस्कुराए और फिर उसका स्वाद लिया। वहां मौजूद नेताओं के बीच ठहाके गूंज उठे। यह दृश्य केवल एक अनौपचारिक क्षण नहीं था, बल्कि भाजपा नेतृत्व की अंदरूनी सहजता और पारस्परिक विश्वास का सार्वजनिक प्रदर्शन भी था।

आम पार्टी के बाद पूरा काफिला उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के आवास पहुंचा, जहां चाय पार्टी आयोजित की गई। यहां नितिन नवीन का पारंपरिक अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया गया और उन्हें भगवान बुद्ध की प्रतिमा भेंट की गई। योगी आदित्यनाथ, बीएल संतोष, ब्रजेश पाठक और अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी ने इस मुलाकात को और अधिक राजनीतिक महत्व दे दिया।

दरअसल, भाजपा अच्छी तरह जानती है कि उत्तर प्रदेश का चुनाव केवल विकास योजनाओं या चुनावी नारों से नहीं जीता जाता, बल्कि संगठनात्मक एकजुटता और सामाजिक समीकरणों की मजबूती भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। यही कारण है कि 2022 से पहले जिस तरह योगी आदित्यनाथ का केशव मौर्य के घर जाना चर्चा का केंद्र बना था, उसी तरह इस बार भी वही तस्वीर दोहराकर भाजपा ने यह संदेश देने की कोशिश की कि पार्टी में कोई दूरी नहीं है, कोई खेमेबाजी नहीं है और पूरा नेतृत्व एक साथ खड़ा है।

नितिन नवीन ने भी अपने पूरे दौरे के दौरान बार-बार यही संकेत दिया कि यह समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा के विस्तार का समय है। भाजपा की रणनीति साफ दिखाई दी। एक ओर संगठन को सक्रिय करना, दूसरी ओर राजग सहयोगियों को साथ लेकर चलना और तीसरी ओर नेतृत्व की एकजुट तस्वीर को जनता के सामने रखना।

ताज होटल में आयोजित राजग सहयोगियों की बैठक में राष्ट्रीय लोक दल, निषाद पार्टी, सुभासपा और अपना दल के नेताओं ने जिस तरह 2027 में ऐतिहासिक जीत का दावा किया, उसने भाजपा की चुनावी तैयारियों को और स्पष्ट कर दिया। केशव प्रसाद मौर्य ने साफ शब्दों में कहा कि भाजपा 2027 में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सरकार बनाएगी। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि जनता विकास, सुशासन और सुरक्षा चाहती है, न कि गुंडाराज और परिवारवाद।

देखा जाये तो भाजपा की पूरी कवायद का सबसे बड़ा संदेश यही था कि उत्तर प्रदेश में 2027 का चुनाव केवल सीटों का संघर्ष नहीं होगा, बल्कि राजनीतिक मनोबल, संगठनात्मक शक्ति और नेतृत्व की एकजुटता की भी परीक्षा होगा। योगी आदित्यनाथ, केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक की एक साथ मौजूदगी ने यह साफ कर दिया कि भाजपा ने चुनावी बिगुल फूंक दिया है और पार्टी अब हर स्तर पर अपने कार्यकर्ताओं, सहयोगियों और समर्थकों को यह भरोसा दिलाना चाहती है कि सत्ता और संगठन दोनों पूरी तरह एक सुर में हैं। लखनऊ में रविवार को दिखाई दी यह राजनीतिक तस्वीर केवल चाय और आम पार्टी की तस्वीर नहीं थी, बल्कि 2027 की चुनावी पटकथा का पहला सार्वजनिक दृश्य थी।

संपादकीय

जीवन-रक्षक न्यायिक पहल

कैसी विडंबना है कि जिस जिम्मेदार व्यवहार को शासन-प्रशासन को अपने विवेक का इस्तेमाल करते हुए करना चाहिए, उसकी पहल अदालत को करनी पड़ रही है। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने एक जरूरी नागरिक समस्या की ओर शासन-प्रशासन का ध्यान दिलाया है, जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है- सड़कों के किनारे छोड़े गए दुर्घटनाग्रस्त वाहन। जिनसे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। दरअसल, शिमला एयरपोर्ट तक जाने वाली सड़क और जिला अदालत के आस-पास पड़ी अनेक दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियों को देखकर ही अदालत ने यह बात कही। कोर्ट का कहना है कि ये दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियां सड़क सुरक्षा के लिये खतरा और पर्यावरण के लिये नुकसानदेह हैं। निस्संदेह,यह प्रशासनिक लापरवाही का जीता-जागता उदाहरण है। पहाड़ी राज्यों में, जहां सड़कें संकरी और घुमावदार होती हैं और लगातार भूस्खलन का खतरा बना रहता है, वहां सड़क की हर इंच जगह कीमती होती है। तार्किक ही है कि छोड़ी गई गाड़ियां सड़क की चौड़ाई को कम कर देती हैं। वहीं दूसरी ओर तीव्र मोड़ों पर देखने में बाधा डालती हैं। ये आपातकालीन सेवाओं की आवाजाही में भी बाधक बनती हैं। निस्संदेह, इससे दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। विशेष रूप से बरसात के मौसम में जब फिसलन भरी सड़कों और कम दृश्यता के कारण वाहन चालक पहले ही ड्राइविंग में मुश्किलों का सामना कर रहे होते हैं। ऐसे में सड़कों को कबाड़खाने में तब्दील करने की इजाजत किसी भी कीमत पर नहीं दी जा सकती। दूसरी तरफ इन दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के पर्यावरण पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव की भी अनदेखी नहीं की जा सकती। इनका पर्यावरण पर पड़ने वाला प्रभाव भी एक गंभीर समस्या है। क्षतिग्रस्त वाहनों से अक्सर ईंधन, इंजन ऑयल,कूलेंट, ब्रेक फ्लूइड तथा बैटरी एसिड रिसता रहता है। जिससे मिट्टी तथा जल-स्रोत प्रदूषित हो सकते हैं। हिमालय पर्वत शृंखलाओं जैसे पर्यावरणीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में इस तरह के प्रदूषण के दूरगामी घातक प्रभाव हो सकते हैं। निश्चित रूप से पुलिस, परिवहन विभाग, नगर निकायों, बीमा कंपनियों और न्यायपालिका के बीच तालमेल न होने के कारण ही समस्या जटिल बनी हुई है। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के संबंध में जांच लंबित होने, बीमा संबंधी विवादों और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के लिये निर्धारित जगह न होने से यह समस्या जटिल बनी हुई है। इन सभी कारणों से ये दुर्घटनाग्रस्त वाहन सड़कों के किनारे यूं ही पड़े रहते हैं। यही वजह है कि हाईकोर्ट ने समस्या के निदान के लिये एक कारगर एक्शन प्लान की मांग की है। जिसमें जब्त वाहनों के लिये खास यार्ड बनाने, डिजिटल तरीके से पड़ताल, जब्त वाहनों को छोड़ने के लिये समयबद्ध प्रक्रिया और स्क्रैपिंग सेंटरों के जरिये वैज्ञानिक तरीके से रीसाइक्लिंग की सख्त जरूरत है।

चिंतन-मनन

जीवन और मृत्यु

चीन में लाओत्से के समय में ऐसी प्रचलित धारण थी कि आदमी के शरीर में नौ छेद होते हैं। उन्हीं नौ छेदों से जीवन प्रवेश करता है और उन्हीं से बाहर निकलता है। दो आंखें, दो नाक के छेद, मुंह, दो कान, जननेंद्रिय, गुदा। इसके साथ चार अंग हैं- दो हाथ और दो पैर। सब मिला कर तेरह। यही तेरह अंग जीवन के साथी हैं और मृत्यु के भी साथी हैं। यही तेरह जीवन में लाते हैं और यही जीवन से बाहर ले जाते हैं। तेरह का मतलब यह पूरा शरीर। इन्हीं से तुम भोजन करते हो; इन्हीं से जीवन पाते हो; इन्हीं से उठते-बैठते और चलते हो। यही तुम्हारे स्वास्थ्य का आधार हैं और यही मृत्यु का भी आधार होंगे। क्योंकि जीवन और मृत्यु एक ही चीज के दो नाम हैं। इन्हीं से जीवन तुम्हारे नाम आएगा, इन्हीं से बाहर जाएगा। इन्हीं से शरीर के भीतर खड़े हो। इन्हीं के साथ शरीर टूटेगा, इनके द्वारा ही टूटेगा। हैरानी की बात है। यही तुम्हें संभालते हैं और यही मिटाएंगें। भोजन तुम्हें जीवन देता है, शक्ति देता है और भोजन की शक्ति से अपने भीतर की मृत्यु को बड़ा किये चले जाते हो। भोजन तुम्हें बुढ़ापे तक पहुंचा देगा, मृत्यु तक पहुंचा देगा। आंख, नाक, कान से जीवन की श्वास भीतर आती है। उन्हीं से बाहर जाती है। नौ द्वार और चार अंग। लाओत्से कहता है- तेरह ही जीवन के साथी, तेरह ही मौत के साथी। ये तेरह ही ले जाते हैं। अगर तुम सजग हो जाओ तो तुम चौदहवें हो। इन तेरह के पार हो। इस तेरह की संख्या के कारण चीन और फिर धीरे-धीरे सारी दुनिया में, तेरह का आंकड़ा अपशकुन हो गया। इस सुपरस्टीशन की पैदाइश चीन में हुई। अमेरिका में होटलों में तेरह नंबर का कमरा नहीं होता; तेरह नंबर की मंजिल भी नहीं होती। क्योंकि कोई तेरह नंबर पर ठहरने को राजी नहीं है। तेरह शब्द से ही घबराहट होती है। बारह नंबर के कमरे के बाद चौदह नंबर आता है। असल में होता तो वह तेरहवां ही है, लेकिन जो ठहरता है, उसे चौदह याद रहता है। तेरह की चिंता नही पकड़ती।

चीन में बड़े अर्थपूर्ण कारण से यह विश्वास फैला। तेरह अपशकुन है। तुम चौदहवें हो और तुम्हें चौदहवें का कोई पता भी नहीं। तुम न जीवन हो, न मौत। तुम दोनो के पार हो। अगर इन तेरह के प्रति सजग हो जाओगे, पृथक हूं, मै अन्य हूं। शरीर और, मैं और। और यह जो भीतर भिन्नता, शरीर से अलग चैतन्य का अविर्भाव होगा, इसकी न कोई मृत्यु है, न कोई जीवन है। यह न कभी पैदा हुआ, न कभी मरेगा।

कलम बेची, सरकारी पद पाए और अपनी असली आवाज़ खो दीः आज़ादी के बाद 'चाटुकार' लेखकों की पोल खुली

पुरस्कारों की चमक में फीकी पड़ी कलम की धार

आज़ादी से पहले, कलम क्रांति का हथियार थी। हर शब्द ब्रिटिश शासन की नींद उड़ा देता था। लेकिन आज़ादी के बाद, देश में एक नया खेल शुरू हुआ। कलम को धारदार बनाए रखने के बजाय, सत्ता में बैठे लोगों ने उसे खरीदना और पालतू बनाना शुरू कर दिया। कुछ बुद्धिजीवियों की सरकारी नौकरियां छीन ली गईं, जबकि दूसरों को बड़े सरकारी पुरस्कार और पद्म सम्मान देकर चुप करा दिया गया। नतीजा यह हुआ कि जो कलम लोगों की आवाज़ होनी चाहिए थी, वह सत्ताधारियों की तारीफ़ों के दलदल में बुरी तरह फंस गई!

पैसे और मजे के लिए लिखनाः सच्चाई गायब, बस अंधभक्ति का बोलबाला!

जब लिखने का मकसद देश या समाज का भला न होकर सिर्फ़ पैसा कमाना और मज़ा करना रह जाता है, तो साहित्य का पतन तय है। आज़ादी के बाद, देश में ऐसे लेखकों, कवियों और कलाकारों का एक पूरा वर्ग उभरा, जिन्होंने बिना किसी नैतिकता के, सत्ता के दबाव में अपनी मर्ज़ी से शासकों के गुणगान और चाटुकारिता शुरू कर दी। चारों तरफ़ बस एक ही आवाज़ सुनाई देने लगी– 'जय हो, जय हो!' शासक बदले लेकिन चाटुकारों की नीति नहीं बदली। कल वे उसकी पूजा करते थे, आज हम इसकी पूजा करते हैं! बस इतना ही, इसके अलावा आज के तथाकथित बुद्धिजीवियों में कोई और फ़र्क नहीं है।

लोकतंत्र का एक ऐसा घर जिसकी कोई परछाई नहीं: अंदर सिर्फ़ कंकाल हैं इस पूरी स्थिति को देखकर लगता है कि समाज में विचारधारा का एक बड़ा घर खड़ा है, लेकिन इसकी कोई असलियत या परछाई नहीं है। भले ही इस वैचारिक घर में हर दिन नए चेहरे, नई पीढ़ियां और नए कंकाल सजाए जा रहे हों, लेकिन इसमें रहने वाले लोगों की असली आवाज़ कहाँ है? अगर कलम चलाने वाला हाथ सत्ता या पैसे के इशारे पर चल रहा है, तो वह आवाज़ आत्मा की नहीं, बल्कि मालिक के इशारे पर भौंकने वाले गुलाम की आवाज़ है। अपनी विचारधारा को गिरवी रखकर जीने वाले ये बुद्धिजीवी समाज को कभी सही रास्ता नहीं दिखा सकते। 'पक्को गुजरात न्यूज़' की ग्राउंड रिपोर्ट और आक्रोशः

बिकाऊ बौद्धिकताः जब देश के रचनाकार पुरस्कारों और ओहदों के लालच में बिक जाते हैं, तो जनता की तरफ से लड़ने वाला कोई नहीं बचता।

भक्ति का बदलता रुखः कल जो लोग पुरानी सरकार की तारीफ़ करते थे, आज वे नई सरकार की आरती उतार रहे हैं। यह रवैया अभिव्यक्ति की आज़ादी और पत्रकारिता पर सबसे बड़ा दाग है।

एक सच्ची आवाज़ की ज़रूरतः आज देश को ऐसे लेखकों और पत्रकारों की ज़रूरत है जो सरकार की तारीफ़ के जाल में फँसने के बजाय, शासकों की आँखों में आँखें डालकर जनता के मुद्दों पर सवाल पूछ सकें। जिनकी लेखनी सरकारी मेहरबानियों पर टिकी हो, वे कभी क्रांति नहीं ला सकते। 'पक्को गुजरात न्यूज़' ऐसे सभी 'कलम के सौदागरों' की आलोचना करता है और कहता है कि अगर देश सच में बदलना चाहता है, तो कलम को सरकार की गुलामी से आज़ाद करना होगा।

डिजिटल पायरेसी पर निर्णायक प्रहार जवाबदेही के नए दौर में डिजिटल प्लेटफॉर्म

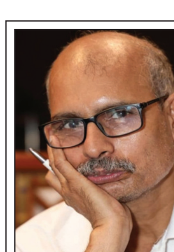

विनोद कुमार सिंह

भारत तीव्र गति से डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। मनोरंजन,शिक्षा,व्यापार, पत्रकारिता और संचार का बड़ा हिस्सा अब ऑनलाइन माध्यमों पर निर्भर है।तकनीकी विकास ने रचनात्मक उद्योगों के लिए अभूतपूर्व अवसर पैदा किए हैं,वहीं डिजिटल पायरेसी जैसी चुनौती भी उतनी ही गंभीर होती गई है।कभी पायरेटेड सीडी और डीवीडी इस अवैध कारोबार का माध्यम थीं, फिर टोरेंट वेबसाइटों का दौर आया और अब एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग प्लेटफॉर्म,क्लाउड स्टोरेज,निजी डिजिटल समूह तथा स्वचालित बॉट नेटवर्क पायरेटेड सामग्री के प्रसार के नए माध्यम बन चुके हैं। ऐसे परिदृश्य में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा Telegram को जारी नोटिस केवल एक प्रशासनिक कार्रवाई नहीं,बल्कि भारत की डिजिटल शासन व्यवस्था में उभर रहे नए दृष्टिकोण का स्पष्ट संकेत है।सरकार ने Telegram से अपेक्षा की है कि वह केवल शिकायत मिलने पर सामग्री हटाने तक सीमित न रहे,बल्कि अपने प्लेटफॉर्म पर पायरेटेड फिल्मों, ओटीटी सामग्री और अन्य कॉपीराइट संरक्षित ऑडियो- विजुअल कंटेंट की पहचान, रोकथाम और निष्कासन के लिए प्रभावी तंत्र विकसित करे तथा निर्धारित समय में विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करे।यह संदेश भी स्पष्ट है कि डिजिटल मध्यस्थ होने का अर्थ केवल तकनीकी मंच उपलब्ध कराना नहीं,बल्कि कानून के अनुरूप आवश्यक सावधानी और उत्तरदायित्व का पालन करना भी है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब भारत विश्व के सबसे बड़े फिल्म निर्माण देशों में शामिल होने के साथ-साथ सबसे तेजी से बढ़ते ओटीटी बाजारों में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा चुका है।भारतीय भाषाओं की फिल्में और वेब सीरीज आज वैश्विक दर्शकों तक पहुँच रही हैं। डिजिटल माध्यमों ने छोटे शहरों के कलाकारों,स्वतंत्र फिल्मकारों और नए रचनाकारों को भी विश्वस्तरीय मंच प्रदान किया है।यह परिवर्तन केवल मनोरंजन उद्योग तक सीमित नहीं, बल्कि भारत की उभरती हुई क्रिएटर इकोनॉमी का आधार बन चुका है। डिजिटल पायरेसी का सबसे बड़ा नुकसान केवल फिल्म निमार्ता तक सीमित नहीं रहता।किसी भी फिल्म या वेब सीरीज के निर्माण में लेखक,निर्देशक, संगीतकार, गीतकार, अभिनेता, तकनीशियन, कैमरामैन, संपादक, ध्वनि विशेषज्ञ,ग्राफिक्स कलाकार, वितरक,प्रचार एजेंसियाँ और हजारों प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष कर्मचारी जुड़े होते हैं। किसी फिल्म की वैध आय में कमी का अर्थ इन सभी के श्रम और निवेश का अवमूल्यन है। यही कारण है कि विकसित देशों में बौद्धिक संपदा संरक्षण को आर्थिक विकास,नवाचार और निवेश की अनिवार्य शर्त माना जाता है।भारत में भी कॉपीराइट संरक्षण के लिए पर्याप्त कानूनी व्यवस्था उपलब्ध है।सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम,2000,सूचना प्रौद्योगिकी(मध्यस्थ दिशानिर्देश एवं डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021,कॉपीराइट अधिनियम, 1957 तथा सिनेमैटोग्राफ अधिनियम के विभिन्न प्रावधान डिजिटल माध्यमों पर होने वाले उल्लंघनों से निपटने का आधार प्रदान करते हैं। न्यायपालिका ने भी समय-समय पर जॉन डो अथवा अशोक कुमार आदेश तथा डायनेमिक इंजंक्शन जैसी व्यवस्थाओं के माध्यम से यह स्वीकार किया है कि डिजिटल अपराध स्थिर नहीं होते, इसलिए उनके समाधान भी तकनीक के अनुरूप गतिशील होने चाहिए।विश्व के अनेक देशों ने इसी अनुभव के आधार पर डिजिटल प्लेटफॉर्मों की जवाबदेही बढ़ाई है।अमेरिका में डिजिटल मिलेनियम कॉपीराइट एक्ट,यूरोपीय संघ में डिजिटल सर्विसेज एक्ट तथा जापान, दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों की नीतियाँ इस दिशा में स्पष्ट संकेत देती हैं कि तकनीकी कंपनियाँ केवल निष्क्रिय माध्यम बनकर अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकतीं। भारत का वर्तमान दृष्टिकोण भी इसी वैश्विक प्रवृत्ति के अनुरूप दिखाई देता है।

हालाँकि यह विषय केवल कानून लागू करने का नहीं है। डिजिटल प्लेटफॉर्म आज शिक्षा,शोध, व्यापार,नागरिक संवाद और लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति के भी प्रमुख माध्यम हैं।करोड़ों भारतीय Telegram जैसे प्लेटफॉर्मों का उपयोग पूरी तरह वैध उद्देश्यों के लिए करते हैं। इसलिए पायरेसी के विरुद्ध किसी भी कार्रवाई में यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि वैध उपयोगकताओं की निजता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और डिजिटल अधिकारों पर अनावश्यक प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। लोकतांत्रिक शासन की सफलता इसी संतुलन में निहित है कि अपराध पर कठोरता हो, लेकिन नागरिक अधिकार सुरक्षित रहें।

आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्लाउड कंप्यूटिंग और एन्क्रिप्टेड संचार प्रणालियों ने डिजिटल पायरेसी को और जटिल बना दिया है।पहले किसी पायरेटेड फिल्म को बड़े पैमाने पर प्रसारित करने के लिए संगठित नेटवर्क की आवश्यकता होती थी,जबकि अब कुछ ही मिनटों में स्वचालित बॉट,निजी समूह और क्लाउड लिंक के माध्यम से वही सामग्री हजारों स्थानों तक पहुँच सकती है। परिणामस्वरूप केवल सामग्री हटाने की पारंपरिक व्यवस्था पर्याप्त नहीं रह गई है। दुनिया भर में अब रोकथाम, पूर्व पहचान और तकनीकी निगरानी आधारित मॉडल पर अधिक बल दिया जा रहा है।भारत के सामने भी यही चुनौती है।किसी एक प्लेटफॉर्म पर कार्रवाई करके डिजिटल पायरेसी की समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। इंटरनेट की प्रकृति ऐसी है कि एक माध्यम बंद होने पर दूसरा सक्रिय हो जाता है। इसलिए सरकार ,डिजिटल प्लेटफॉर्म, इंटरनेट सेवा प्रदाता, फिल्म उद्योग,ओटीटी कंपनियाँ, साइबर विशेषज्ञ और कानून-प्रवर्तन एजेंसियों के बीच सतत समन्वय विकसित करना होगा। यह केवल कानूनी नहीं,बल्कि तकनीकी और प्रशासनिक सहयोग का भी विषय है। रचनात्मक उद्योगों को भी समय के अनुरूप अपनी रणनीति बदलनी होगी।अनेक देशों के अनुभव बताते हैं कि जब फिल्में और डिजिटल सामग्री उचित मूल्य पर,उच्च गुणवत्ता के साथ और समय पर वैध मंचों पर उपलब्ध होती हैं,तब पायरेसी स्वतः घटती है।इसलिए केवल दंडात्मक कार्रवाई पर्याप्त नहीं होगी।उपभोक्ता-अनुकूल डिजिटल पारिस्थितिकी,तेज वैध वितरण और किफायती सेवाएँ भी इस लड़ाई का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।इसके साथ-साथ समाज में बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रति सम्मान विकसित करना भी उतना ही आवश्यक है।हमारे यहाँ अक्सर बिना भुगतान के फिल्म या वेब सीरीज देखना गंभीर अपराध नहीं माना जाता,जबकि वास्तव में यह किसी रचनाकार के श्रम और अधिकार का अतिक्रमण है।जिस प्रकार भौतिक संपत्ति की चोरी सामाजिक रूप से अस्वीकार्य है, उसी प्रकार बौद्धिक संपदा की चोरी को भी नैतिक और सामाजिक स्तर पर अस्वीकार किया जाना चाहिए। यह परिवर्तन केवल कानून से नहीं, बल्कि जन-जागरूकता और शिक्षा से आएगा।ळी'ीं१' को जारी नोटिस का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यही है कि भारत में व्यापार करने वाली डिजिटल कंपनियों को भारतीय कानूनों के अनुरूप उत्तरदायी भी होना होगा।भविष्य में संभव है कि अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्मों के लिए भी इसी प्रकार के मानक विकसित किए जाएँ।यदि इनका क्रियान्वयन पारदर्शी, न्यायसंगत और तकनीकी रूप से सक्षम ढंग से किया जाता है,तो भारत अपनी रचनात्मक अर्थव्यवस्था को अधिक सुरक्षित बनाने के साथ-साथ वैश्विक डिजिटल शासन के क्षेत्र में भी संतुलित और उत्तरदायी मॉडल प्रस्तुत कर सकता है।वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति केवल आधारभूत संरचना, विनिर्माण और निवेश से संभव नहीं होगी। ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था, फिल्म, संगीत, एनीमेशन, गेमिंग, डिजिटल पत्रकारिता, ऑनलाइन शिक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित रचनात्मक उद्योग भी भारत की भविष्य की आर्थिक शक्ति के प्रमुख स्तंभ होंगे। इन क्षेत्रों में निवेश तभी बढ़ेगा,जब रचनाकारों को यह विश्वास होगा कि उनके श्रम,प्रतिभा और निवेश की प्रभावी कानूनी सुरक्षा उपलब्ध है। डिजिटल युग में यह केवल फिल्मों की पायरेसी का प्रश्न नहीं रह गया है।यह उस विश्वास की रक्षा का प्रश्न है,जिसके आधार पर कोई लेखक पुस्तक लिखता है,कोई संगीतकार धुन रचता है,कोई फिल्मकार करोड़ों रुपये का निवेश करता है और कोई युवा डिजिटल मंच पर अपने सपनों को आकार देता है।

इंदौर में 62 करोड़ का फ्लायओवर बना परेशानी सत्यसाई चौराहे पर कीचड़ में फंस रहे वाहन बारिश में बदहाल हुई ट्रैफिक व्यवस्था

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। सबसे व्यस्त यातायात मार्गों में शामिल सत्यसाई चौराहे पर निर्माणाधीन 6-लेन फ्लायओवर अब लोगों के लिए सुविधा से ज्यादा परेशानी का कारण बनता जा रहा है। मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन की देखरेख में 62 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे इस फ्लायओवर की निर्धारित समय सीमा मार्च 2026 में समाप्त हो चुकी है, लेकिन तीन महीने से ज्यादा समय बीत जाने के बावजूद प्रोजेक्ट का केवल 40' का ही पूरा हो सका है। निर्माण काम की धीमी गति और एजेंसी की लापरवाही के चलते पूरा चौराहा गहरे गड्डें कीचड़

और निर्माण सामग्री के मलबे से अटा पड़ा है। इसका खामियाजा रोजाना हजारों वाहन चालकों को भुगतना पड़ रहा है। देवास नाका से विजयनगर की ओर जाने वाले मार्ग पर कई बड़े गड्डे बन गए हैं, जिनमें बारिश का पानी भरने से वाहन चालकों को उनकी गहराई का अंदाजा तक नहीं लग पाता। सत्यसाई स्कूल के समीप सड़क की स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि दोपहिया और चारपहिया वाहनों का संतुलन बिगड़ने का खतरा बना रहता है। वहीं, एबी रोड से बसंत विहार कॉलोनी की ओर जाने वाले मार्ग पर 15 से 20 फीट लंबे और करीब दो फीट गहरे गड्डें लोगों की परेशानी बढ़ा रहे हैं। सड़क पर फैली गिट्टी और निर्माण सामग्री के कारण वाहन फिसल रहे हैं और कीचड़ में फंस रहे हैं। कई स्थानों पर चैंबर के ढक्कन धंस जाने से दुर्घटना की आशंका भी बनी हुई है। फ्लायओवर की गर्डर लॉन्चिंग का अधिकांश कार्य पूरा हो चुका है, लेकिन इसके बावजूद सर्विस रोड का बड़ा हिस्सा अब भी बैरिकेड्स से घिरा हुआ है। यदि निर्माण एजेंसी समय पर सड़क सुधार कर बैरिकेड्स हटा देती तो यातायात के लिए अतिरिक्त जगह उपलब्ध हो सकती थी और जाम की समस्या काफी हद तक कम हो जाती। स्थिति यह है कि विजयनगर से देवास नाका की ओर जाने वाले संकरे मार्ग पर दुकानदारों द्वारा सड़क किनारे पार्किंग कराए जाने से यातायात और अधिक प्रभावित हो रहा है। एमपीआरडीसी अधिकारियों ने अप्रैल माह में बारिश से पहले सर्विस रोड को कांक्रीट से डेवलप कर मार्ग चौड़ा करने के निर्देश निर्माण एजेंसी को दिए थे। साथ ही सड़क की मरम्मत का दावा भी किया गया था। हालांकि मौके की स्थिति इन दावों की पोल खोल रही है। न तो सर्विस रोड का कार्य पूरा हुआ और न ही क्षतिग्रस्त सड़कों की प्रभावी मरम्मत की गई। 15 मार्च 2024 को शुरू हुए इस महत्वाकांक्षी फ्लायओवर प्रोजेक्ट की लागत 62 करोड़ रुपए है। मार्च 2026 तक इसे पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन वर्तमान में करीब 60' काम अभी भी अधूरा है। ऐसे में शहरवासियों को आशंका है कि परियोजना के पूरा होने में अभी और लंबा समय लग सकता है।

मछली पकड़ने गया युवक दो दिन बाद मृत मिलातरपुर में तलैया में तैरता मिला शव

दो दिन पहले मछली पकड़ने निकला था एसडीआरएफ को दूसरे दिन मिला शव

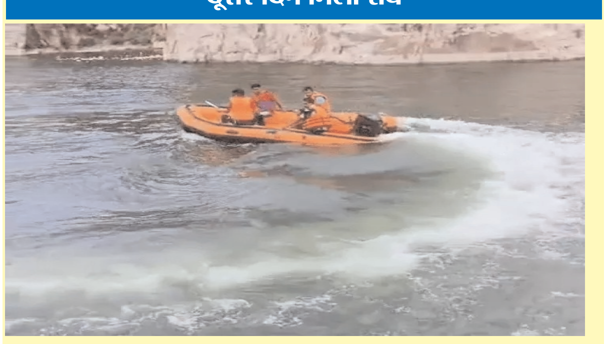

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छतरपुर। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में एक युवक का शव रविवार को परिहार क्रेशर के पास स्थित तलैया में तैरता मिला। युवक दो दिन पहले मछली पकड़ने गया था, इसके बाद से वह लापता था। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा। मृतक की पहचान 35 वर्षीय तेजलाल भाट के रूप में हुई, जो रामशरण भाट के पुत्र थे। तेजलाल वर्तमान में छतरपुर के बाल संप्रेक्षण गृह के पास रहते थे और मूल रूप से पन्ना जिले के बड़ी देवी गांव के निवासी थे। मृतक के साले पंचू भाट ने बताया कि तेजलाल 3 जुलाई को परिहार क्रेशर के पास बनी तलैया में मछली पकड़ने गए थे। देर शाम तक घर न लौटने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। काफी तलाश के बाद 4 जुलाई को सिविल लाइन थाना पुलिस को इसकी सूचना दी गई। परिजनों ने बताया था कि तेजलाल को आखिरी बार तलैया के पास ही देखा गया था। सूचना मिलने पर सिविल लाइन पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने तलैया में बचाव अभियान चलाया। हालांकि, पहले दिन उन्हें कोई सफलता नहीं मिली। रविवार को दूसरे दिन तलाशी के दौरान युवक का शव पानी में तैरता हुआ मिला। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकाला। शव के शरीर पर कुछ निशान थे, जिससे अन्य आशंकाएं भी जताई जा रही हैं। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा, कि यह हत्या है, आत्महत्या है या कोई दुर्घटना।

लड़की को कई दिनों से कर रहा था परेशान, CISF ने मनचले को 34 मिनट में पकड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो की सुरक्षा करने वाली सीआईएसएफ अपनी सुरक्षा रणनीति में थोड़ा बदलाव ला रही है। इसमें मेट्रो की सुरक्षा के लिए जो मौजूदा सिस्टम है, वह तो ऐसे ही जारी रहेगा। पर, मेट्रो में सफर करने वाले लोगों में खासतौर से महिलाओं के खिलाफ अगर कोई घटना घटती है तो दिल्ली, यूपी और हरियाणा पुलिस से पहले सीआईएसएफ पीड़ित की मदद करेगी। इसके लिए मेट्रो में सफर करने वाले लोग अपनी किसी भी समस्या के लिए सीआईएसएफ की हेल्पलाइन नंबर-155655 पर 24&7 कभी भी कॉल कर सकते हैं। उनकी समस्या का समाधान जरूर होगा। सीआईएसएफ का कहना है कि चूंकि मेट्रो स्टेशनों पर आमतौर पर वर्दी में सीआईएसएफ के जवान ही नजर आते हैं। ऐसे में जब किसी भी यात्री के साथ कोई घटना घटती है तो वह स्टेट पुलिस से संपर्क न करते हुए पहले सीआईएसएफ से ही शिकायत करते हैं। जिसे सीआईएसएफ के जवान कई बार स्टेट पुलिस को फॉरवर्ड करते थे। लेकिन अब ऐसे मसले, जिन्हें सीआईएसएफ खुद से निपटा सकती है। उन मामलों को सीआईएसएफ खुद ही निपटारा करेगी। बाद में उस केस को दिल्ली या अन्य स्टेट पुलिस के हवाले करेगी।

34 मिनट पकड़ा आरोपी ऐसे ही एक मामले में एक नाबालिग छात्रा का 20 दिनों से मेट्रो में पीछा कर रहे एक शख्स को सीआईएसएफ ने 2 जुलाई की सुबह 7:27 बजे शिकायत मिलने के बाद आरोपी को 08:01:45 बजे तक पकड़ लिया। इस पूरे ऑपरेशन को 34 मिनट 45 सेकंड में अंजाम दिया गया। इसमें भी चलती मेट्रो से आरोपी को पकड़ने के लिए सीआईएसएफ जवानों को मात्र 20 सेकंड लगे। जिसमें पटेल नगर मेट्रो स्टेशन पर मेट्रो दो जुलाई की सुबह 08:01:25 बजे मेट्रो रुकी, पांच सेकंड बाद यानी 08:01:30 बजे गेट खुले और 15 सेकंड बाद यानी 08:01:45 बजे सीआईएसएफ के जवान मेट्रो के अंदर घुसकर आरोपी को पकड़कर बाहर ले आए और बाद में दिल्ली पुलिस के हवाले कर दिया।इस पूरे ऑपरेशन के बारे में सीआईएसएफ ने बताया कि इस मामले में 2 जुलाई की सुबह 7:27 बजे उनके हेल्पलाइन नंबर-155655 पर पीड़ित नाबालिग छात्रा की मां ने फोन कर शिकायत की। जिसमें बताया गया कि कोई शख्स हर दिन मेट्रो में सफर करती उनकी बेटी को घूरता है और नियमित रूप से नोएडा सेक्टर-52 से द्वारका सेक्टर-09 वाले रूट पर उनकी बेटी का पीछा कर रहा है। हेल्पलाइन ड्यूटी पर बैठे एएसआई वैभव मिश्रा और कॉन्स्टेबल अविनाश लश्कर ने मामले की गंभीरता को समझते हुए तुरंत इसकी सूचना मेट्रो के डीआईजी आईपीएस संतोष चालके, डिप्टी कमांडेंट श्रीनिवास और अन्य अधिकारियों को दी। फिर 7:36 बजे पीड़ित छात्रा ने खुद सीआईएसएफ ओसीसी को फोन कर इस बारे में बताया। तुरंत सीआईएसएफ के इस रूट पर अलर्ट कर दिया गया।

अहंकार तो रावण का भी नहीं टिका, आप कौन? अरविंद केजरीवाल पर रेखा गुप्ता का पलटवार

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता और अरविंद केजरीवाल के बीच यह तीखी बहस राम मंदिर चंदे के विवाद से जुड़े आरोपों पर बढ़ती राजनीतिक लड़ाई का हिस्सा है। इसमें जांच जारी रहने के साथ-साथ दोनों पक्ष एक-दूसरे पर कड़े हमले कर रहे हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राम मंदिर चंदा चोरी विवाद को लेकर बीजेपी और आम आदमी पार्टी के बीच राजनीतिक खींचतान और तेज हो गई है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर तीखा पलटवार किया। केजरीवाल ने बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से 'आप कौन हैं?' कहकर उन्हें नजरअंदाज किया था। केजरीवाल के 'आप कौन हैं?' वाले पोस्ट पर रिएक्ट करते हुए रेखा गुप्ता ने कहा कि कभी पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी पूछा था, 'कौन अमित शाह?' समय हर प्रश्न का उत्तर देता है। अहंकार तो रावण का भी नहीं टिका, आप कौन? दरअसल, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी, अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा कि मैं राहुल गांधी, अखिलेश यादव और अरविंद

केजरीवाल से कहना चाहता हूं कि हिंदू धर्म को इतना कमजोर मत समझिए कि लोग आपके बहकावे में आ जाएंगे।

नितिन नवीन की टिप्पणी फिर केजरीवाल का टिप्पणी

नितिन नवीन ने आगे कहा कि जब आपके लोग हिंदू देवी-देवताओं का अपमान करते हैं, तब आप मौन रहते हैं। सनातन का अपमान उत्तर प्रदेश और देश की जनता कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। हमने अपनी विरासत को संजोया है और इसके लिए हमारे पुरखों ने कुर्बानियां तक दी हैं। उनके इसी बयान से जुड़ी बीजेपी की एक्स पोस्ट को रीपोस्ट करते हुए अरविंद केजरीवाल ने लिखा, 'आप कौन हैं?' इसके बाद रेखा गुप्ता ने एक्स पर पलटवार किया। दिल्ली की मुख्यमंत्री ने आगे लिखा कि नितिन नवीन विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी के सबसे कम उम्र में नेतृत्व संभालने वाले राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। उन्हें बिहार की बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र का लगातार चार बार प्रतिनिधित्व करने का गौरव प्राप्त है। भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ता के रूप में संघर्ष करते हुए उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष तक का सफर तय किया है।

72 दिन पहले हुई थी शादी, तीसरी मंजिल से गिरकर संदिग्ध मौत, परिजन बोले- बेटी को मार डाला

दिल्ली के लोधी कॉलोनी इलाके में 28 वर्षीय नवविवाहिता आकृति सुतार की संदिग्ध परिस्थितियों में बिल्डिंग से गिरने के बाद मौत हो गई.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। राजधानी दिल्ली के लोधी कॉलोनी इलाके में एक नवविवाहिता की संदिग्ध मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं. 28 वर्षीय आकृति सुतार की कथित तौर पर एक बिल्डिंग की छत से गिरने के बाद मौत हो गई है. घटना के बाद परिवार ने इसे हादसा या आत्महत्या मानने से साफ इनकार करते हुए हत्या का आरोप लगाया है. मृतका आकृति सुतार की शादी इसी साल 24 अप्रैल को हुई थी. शादी को अभी तीन महीने भी पूरे नहीं हुए थे कि उसकी मौत की खबर ने दोनों परिवारों को झकझोर दिया. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है. जानकारी के मुताबिक, शनिवार देर शाम पुलिस को सूचना मिली कि एनडीएमसी फ्लैट्स, पालिका कुंज स्थित एक इमारत से एक महिला गिर गई है. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल आकृति को एम्स ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

ऑफिस से निकली, फिर अचानक बंद हो गया फोन

परिजनों के मुताबिक आकृति दिल्ली के छतरपुर इलाके में एक प्राइवेट कंपनी में सेल्स एग्जीक्यूटिव के तौर पर काम करती थी. घटना वाले दिन भी वह रोज की तरह नौकरी पर गई थी. शाम के समय परिवार की उससे फोन पर बात हुई थी. परिजनों का कहना है कि बातचीत के दौरान आकृति ने बताया था कि वह ऑफिस से निकल चुकी है और घर जा रही है. इसके कुछ देर बाद उसका मोबाइल फोन नॉट रीचेबल आने लगा. काफी देर तक संपर्क नहीं होने पर परिवार ने उसकी तलाश शुरू की.

चैट देख भड़का, फिर गर्लफ्रेंड की हत्या कर शव के किए टुकड़े... जौनपुर में दिल दहलाने वाली वारदात

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में युवती की टुकड़ों में मिले शव के मामले का पुलिस ने 14 घंटे में खुलासा कर दिया. पुलिस मुठभेड़ में पैर में गोली लगने के बाद आरोपी हेमल खखरिया को गिरफ्तार किया गया. पूछताछ में उसने बताया कि मोबाइल चैट को लेकर हुए विवाद के बाद सोते समय युवती की गला रेतकर हत्या कर दी. जौनपुर पुलिस ने युवती के तीन टुकड़ों में मिले शव मामले का 14 घंटे में खुलासा कर दिया है. इस दौरान शव के हिस्सों को खुलासे के डर से छिपाने जा रहे आरोपी के साथ पुलिस की मुठभेड़ भी हो गई. पुलिस मुठभेड़ में आरोपी के पैर में गोली लगी. जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया है. पुलिस ने बताया कि दोनों के बीच किसी चैट को लेकर विवाद हो गया था. इसके बाद आरोपी ने सोते वक्त युवती की गला रेत कर हत्या कर दी. जौनपुर के मड़ियाहू थाना क्षेत्र के रानीपुर बाईपास के समीप रविवार की सुबह युवती का क्षत-विक्षत मिला था. शव काली पन्नी में लपेटा हुआ था. शव मिलते ही इलाके में दहशत फैल गई. जिसके बाद सूचना पर पुलिस पहुंची और शव के धड़ का हिस्सा लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और शिनाख्त में जुटी. पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक और अन्य साक्ष्य के आधार पर जांच शुरू की. देर रात पुलिस द्वारा इसी मामले

में आरोपी के साथ मुठभेड़ हो गई. आरोपी के पैर में गोली लगने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया. पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी का नाम हेमल खखरिया है. आरोपी गुजरात के भावनगर का रहने वाला है. वर्तमान समय में मड़ियाहू कस्बे के टीचर्स कॉलोनी में रहता है. 4 जुलाई को वह महिला को वाराणसी के बाबतपुर से लेकर अपने रूम पर आया था.कमरे में आने के बाद मोबाइल चैट देखने के दौरान दोनों में कहासुनी हो गई. देखते ही देखते दोनों के बीच विवाद बढ़ गया. काफी देर बाद स्थिति सामान्य हुई. लेकिन तब तक हेमल के सिर पर खून सवार हो चुका था. ऐसे में सोने के दौरान हेमल ने चाकू लेकर युवती की गला रेत कर हत्या कर दी. इसके बाद बाजार से काली पन्नी खरीदी. फिर उसने गड़ासे से शव के अलग-अलग हिस्से किए. इसके बाद उसने शव को अलग-अलग हिस्से में पैक कर फेंक दिया. ेमल ने शव का एक हिस्सा रानीपुर बाईपास के पास फेंका था. इसके बाद शव के अन्य हिस्सों को रामनगर ब्लॉक मोड़ के आगे पुलिया के पास फेंका था.

दिल्ली जिमखाना क्लब को खाली कराने पर छिड़ा घमासान, अब हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार को भेजा नोटिस

दिल्ली हाई कोर्ट ने जिमखाना क्लब को खाली करने के नोटिस को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी की दिल्ली हाई कोर्ट ने जिमखाना क्लब के सदस्यों और कर्मचारियों की ओर से दायर याचिका के बाद सोमवार को केंद्र सरकार। नोटिस जारी किया। इस याचिका में क्लब को खाली करने के लिए जारी 'शो-कॉज नोटिस' (कारण बताओ नोटिस) को चुनौती दी गई थी। यह याचिका क्लब के पुराने सदस्य विजय खुराना और 'स्टाफ वेलफेयर एसोसिएशन' ने मिलकर दायर की थी। अदालत के निर्देश के जवाब में, केंद्र के वकील सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा। उन्होंने यह भी कहा कि नोटिस के अनुसार क्लब के प्रतिनिधि को 7 जुलाई या उससे पहले एस्टेट ऑफिसर के सामने पेश होना होगा।, दिल्ली उच्च न्यायालय को यह आश्वासन देने के ठीक एक महीने बाद ही सरकार ने लुटियंस दिल्ली क्लब को नोटिस जारी किया था कि कोई भी बेदखली केवल कानून के अनुसार और पूर्व सूचना के बाद ही की जाएगी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को अपने आदेश में अगली सुनवाई की तारीख 28 जुलाई तय की।

दिल्ली जिमखाना क्लब विवाद क्या है?

दिल्ली जिमखाना क्लब विवाद मुख्य रूप से लुटियंस दिल्ली में स्थित इस 27.3 एकड़ की जमीन पर कब्जे, इसके 47 करोड़ के भारी बकाए और केंद्र सरकार द्वारा इसे खाली कराने के आदेश से जुड़ा हुआ है। आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय ने क्लब परिसर को खाली करने का नोटिस जारी किया था।

जबलपुर में कॉलेज छात्राओं ने किया चक्काजाम नई ड्रेस लागू करने से नाराज कॉलेज छात्रा

हर साल बदली जा रही है यूनीफार्म; नहीं मानेंगे आदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जबलपुर। नई यूनिफॉर्म अनिवार्य किए जाने के विरोध में सोमवार को जबलपुर के होम साइंस कॉलेज की सैकड़ों छात्राएं सड़क पर उतर आईं। छात्राओं ने कॉलेज से निकलकर शहर के व्यस्त शास्त्री ब्रिज चौराहे पर चक्काजाम कर प्रदर्शन किया। करीब एक घंटे तक चले प्रदर्शन के कारण चारों ओर का यातायात प्रभावित रहा। सूचना मिलते ही पुलिस, कॉलेज प्रबंधन और उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और छात्राओं को समझाने का प्रयास किया। प्रदर्शन कर रही छात्राओं का कहना था कि उनकी वर्तमान यूनिफॉर्म पूरी तरह ठीक है और उसे बदलने की कोई आवश्यकता नहीं है। उनका आरोप था कि कॉलेज प्रबंधन ने नए शैक्षणिक सत्र से नई यूनिफॉर्म खरीदना अनिवार्य कर दिया है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर और मध्यम वर्गीय परिवारों पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा दुर्गा मेहरा ने कहा कि उनके परिवार की

आर्थिक स्थिति हर साल नई यूनिफॉर्म खरीदने की अनुमति नहीं देती। उन्होंने कहा कि कॉलेज में बड़ी संख्या में ऐसे परिवारों की छात्राएं पढ़ती हैं, जिनके अभिभावक मजदूरी या निजी नौकरी करते हैं। ऐसे में फीस के साथ हर वर्ष नई यूनिफॉर्म खरीदना उनके लिए मुश्किल है। प्रथम वर्ष में प्रवेश के समय कॉलेज प्रबंधन के निर्देश पर उन्होंने दो जोड़ी यूनिफॉर्म खरीदी थी। अब दूसरे वर्ष में प्रवेश के साथ फिर नई यूनिफॉर्म खरीदने का निर्देश दिया गया है। उनका कहना था कि जब पुरानी यूनिफॉर्म उपयोग योग्य है, तो उसे बदलने की कोई आवश्यकता नहीं है। प्रदर्शन के दौरान छात्राओं ने स्पष्ट कहा कि जब तक कॉलेज प्रबंधन अपना निर्णय वापस नहीं लेता, वे नई यूनिफॉर्म नहीं खरीदेंगी। चक्काजाम के चलते शास्त्री ब्रिज चौराहे पर लंबा जाम लग गया और यातायात व्यवस्था प्रभावित रही। घटना की जानकारी मिलने पर उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त संचालक अल्केश चतुर्वेदी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि छात्राओं की मुख्य आपत्ति नई लाइट येलो रंग की यूनिफॉर्म को लेकर है। उन्होंने कहा कि कॉलेज प्राचार्य से चर्चा की जा रही है और प्रयास है कि ऐसा समाधान निकले, जिससे छात्राओं और कॉलेज प्रबंधन दोनों की सहमति बन सके। उन्होंने यह भी संकेत दिए कि यूनिफॉर्म को वैकल्पिक (ऐच्छिक) बनाए जाने जैसे विकल्प पर विचार किया जा रहा है। प्रदर्शन के दौरान मदनमहल, गढ़ा और ओमती थाना पुलिस का बल भी मौके पर तैनात रहा। सीएसपीने बताया कि छात्राओं और कॉलेज प्रबंधन के बीच बातचीत जारी है।

चढ़ावा चोरी पर विपक्ष एक्टिव... कांग्रेस निकालेगी 'सद्बुद्धि यात्रा' तो उद्धव का 'राम रक्षा आंदोलन'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अयोध्या। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी और दान में वित्तीय अनियमितताओं के मामले में सियासत गर्मा गई है. सपा प्रमुख अखिलेश यादव लगातार इस मुद्दे को सियासी धार देने में जुटे हैं.

हिंदुत्व और राम मंदिर के मुद्दे पर फ्रंटफुट पर खेलने वाली बीजेपी को घेरने के लिए सपा के सात कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) ने आक्रामक तेवर अपना लिया है. विपक्षी दलों ने चंदा चोरी को 'आस्था पर चोट' के रूप में पेश कर हैं. चंदा चोरी के मुद्दे को सबसे पहले अखिलेश यादव ने उठाया था, उसके बाद से लगातार आक्रामक रुख अपना रखा है और बीजेपी को सियासी कठघरे में खड़े करने में जुटे हैं. सपा के बाद कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना (यूबीटी) सड़क पर उतरकर बीजेपी के खिलाफ सियासी माहौल बनाने की रणनीति अपनाई है. कांग्रेस मंगलवार को'सद्बुद्धी पदयात्रा' के जरिए जनता के बीच राम मंदिर के चंदा चोरी का मुद्दा लेने का प्लान बनाया है तो शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मुंबई से 'राम रक्षा आंदोलन' शुरू कर भाजपा के कोर हिंदुत्व एजेंडे को ही चुनौती देने की दांव चला है. इस तरह विपक्ष अब राम मंदिर के चंदा चोरी को सियासी मुद्दा बनाने की रणनीति अपना रही है. ढ़ावा चोरी मामले को लेकर कांग्रेस उत्तर प्रदेश में सड़क पर उतरने जा रही है. उत्तर प्रदेश में कांग्रेस पार्टी द्वारा अयोध्या के श्रीराम मंदिर में कथित चढ़ावे की चोरी और वित्तीय अनियमितताओं के खिलाफ मंगलवार से 'सद्बुद्धि पद यात्रा' शुरू कर रही है. इस यात्रा के बहाने कांग्रेस चंदा चोरी करने वालों को जेल भेजने और पूरे मामले की जांच हाईकोर्ट के न्यायधीश से कराने की मांग करेगी. कांग्रेस 'सद्बुद्धि पद यात्रा' को सूबे के अलग-अलग जिलों, शहरों में निकालकर स्थानीय धार्मिक स्थल (मंदिर) पर सभा करने की योजना बनाई है. कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय राम मंदिर को लेकर लगातार बीजेपी को घेर रहे हैं. कांग्रेस का आरोप है कि जिस मंदिर के लिए देश के करोड़ों गरीबों और आम नागरिकों ने अपनी गाढ़ी कमाई का चंदा दिया, वहां का चढ़ावा सुरक्षित नहीं है. अयोध्या राम मंदिर के चंदा चोरी का मामले के लेकर सबसे आक्रामक रुख शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने अपना रखा है. मुंबई के दादर की ऐतिहासिक हनुमान मंदिर से शिवसेना (यूबीटी) ने 'राम रक्षा आंदोलन' की शुरुआत की है. इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में राम भक्त शामिल हुए. दादर में भगवा पहने सैकड़ों लोग एकत्र हुए. यहां पर हनुमान चालीसा, राम रक्षा का पाठ हुआ. बारिश के बीच उद्धव ठाकरे ने भी भीड़ को संबोधित कर 'राम रक्षा आंदोलन' की औपचारिक रूप से शुरुआत की. उद्धव ठाकरे ने स्वयं हनुमान चालीसा और राम रक्षा स्तोत्र के पाठ के साथ आगाज किया.

बारिश-लैंडस्लाइड के कारण पुणे-मुंबई एक्सप्रेसवे और नेशनल हाईवे बंद, ट्रेनें कैंसिल..

महाराष्ट्र में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण मुंबई-पुणे रूट प्रभावित है. खंडाला के पास एक्सप्रेसवे पर बड़ा भूस्खलन हुआ है,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश और लैंडस्लाइड के कारण पुणे-मुंबई के बीच यातायात पूरी तरह ठप हो गया है. पुणे-मुंबई एक्सप्रेसवे और मुंबई-पुणे नेशनल हाईवे पर यातायात प्रभावित है. दोनों को ही अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है. प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि अगली सूचना तक पुणे-मुंबई या मुंबई-पुणे की यात्रा बिल्कुल न करें. बहुत जरूरी होने पर भी प्रशासन द्वारा जारी अपडेट और यातायात निर्देशों के मुताबिक ही निकलें.

भारी बारिश के बीच लैंडस्लाइड ने बढ़ाई मुसीबत

महाराष्ट्र में लगातार हो रही भारी बारिश ने मुंबई-पुणे मार्ग पर बड़ा असर डाला है. मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे के मिसिंग लिंक सेक्शन में खंडाला एग्जिट के पास लैंडस्लाइड हुआ है. जिससे मुंबई जाने वाली पूरी लेन बंद कर दी गई है. शुरुआती जानकारी के मुताबिक, लैंडस्लाइड की इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है. महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम के मुताबिक, पुणे-मुंबई एक्सप्रेसवे -कनेक्टिंग लिंक और मिसिंग लिंक के बीच कंक्रीट के एक पिलर के गिरने की वजह से यातायात बंद है. वहीं, पुणे-मुंबई हाईवे पर कई जगहों पर पानी भरने के कारण रास्ता बंद है. इसके अलावा मावल और तामिनी घाट इलाके में भारी बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात हैं. लगातार बारिश के कारण पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है. कई जगहों पर पानी का बहाव तेज हो गया है, जिससे यातायात पर गंभीर असर पड़ा है. वहीं पाटन गांव (लोहगड़ किला के पास) में भी भूस्खलन हुआ है. मुंबई-पुणे घाट सेक्शन में भारी बारिश के कारण कई जगहों पर लैंडस्लाइड हुआ है. ट्रैक पर बड़े-बड़े पत्थर और मिट्टी के ढेर गिर गए हैं, जिससे ट्रेन सेवाएं बाधित हैं. रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्थिति की समीक्षा की है. उन्होंने कहा, टीम पूरी तरह तैयार है से दोनों तरफ यातायात रोक दिया गया है और वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं.

भारी बारिश से मुंबई का बुरा हाल, 13 लोगों की मौत, लोकल ट्रेन सेवाएं बाधित, BMC का अलर्ट

मुंबई में जोरदार बारिश हो रही है और मौसम विभाग ने शहर और आस-पास के इलाकों के लिए अलर्ट जारी किया है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। पिछले कुछ घंटों में मुंबई शहर और उसके आस-पास के इलाकों में भारी बारिश ने जन-जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। मुंबई की तीनों उपनगरीय रेलवे लाइनों पर ट्रेन सेवाएं बाधित हुई हैं और कई ट्रेनें देरी से चल रही हैं। इसके अलावा कांजुरमार्ग और भांडुप स्टेशनों के बीच 'स्लो लाइन' पर ट्रैफिक कुछ देर के लिए रुक गया। क्योंकि ओवरहेड तारों में प्लास्टिक का एक टुकड़ा फंस गया था। सेंट्रल रेलवे ने कहा है कि प्लास्टिक हटाने

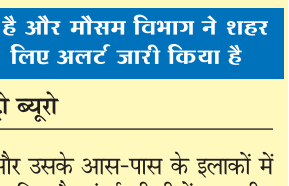

का काम चल रहा है और सेवाएं जल्द ही बहाल कर दी जाएंगी। वहीं पिछले तीन-चार दिनों में वर्षा जनित घटनाओं में 13 लोगों की मौत हुई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (ढ्ढरूष्ठ) ने पूरे मुंबई मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया है। अगले कुछ घंटों में इस इलाके में बहुत भारी बारिश और 80 से 90 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने का अनुमान है। मौसम की स्थिति को देखते हुए राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने मुंबई के सभी निजी कार्यालयों के कर्मचारियों को घर से काम करने की सलाह दी है। इसके अलावा सरकारी और अर्ध-सरकारी कर्मचारियों (आवश्यक सेवाओं में लगे लोगों को छोड़कर) के लिए दोपहर से आधे दिन की छुट्टी की घोषणा की गई है। मुंबई और उसके उपनगरों में हो रही मूसलाधार बारिश को देखते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागरिकों से अपील की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी एजेंसियां भारी बारिश से पैदा होने वाली किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

योगी कैबिनेट का बड़ा फैसला, जलालाबाद का नाम होगा परशुरामपुरी; भगवान परशुराम की है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की कैबिनेट ने बड़ा फैसला लिया है। इसके मुताबिक शाहजहांपुर के जलालाबाद का नाम बदल दिया गया है। कैबिनेट के फैसले के अनुसार जलालाबाद का नया नाम 'परशुरामपुरी' कर दिया गया है। बता दें कि जलालाबाद भगवान परशुराम की जन्मस्थली के रूप में प्रसिद्ध है, जिसे अब परशुरामपुरी कहा जाएगा। जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों के द्वारा लंबे समय से इसकी मांग की जा रही थी कि इस स्थान का नाम भगवान परशुराम के नाम पर होना चाहिए, जिसके बाद अब सरकार ने नाम बदलने का फैसला लिया है। ऐसे में अब शाहजहांपुर के जलालाबाद की नई पहचान परशुरामपुरी के रूप में होगी। सरकार की तरफ से एस प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जलालाबाद का नाम बदलने की जानकारी दी गई। विज्ञप्ति के मुताबिक, 'जनपद शाहजहांपुर में स्थित नगर पालिका परिषद, जलालाबाद क्षेत्रान्तर्गत कस्बा जलालाबाद भगवान परशुराम जी के जन्मस्थली के रूप में प्रसिद्ध है।

पौराणिक कथाओं एवं ग्रंथों में इसका प्रमुखता से उल्लेख पाया जाता है। जनप्रतिनिधियों व स्थानीय निवासियों द्वारा जलालाबाद का नाम भगवान परशुराम के नाम पर परशुरामपुरी रखे जाने की प्रमुखता से मांग के दृष्टिगत 19.08.2025 द्वारा नगर पालिका परिषद जलालाबाद क्षेत्रान्तर्गत कस्बा/नगर जलालाबाद का नाम परिवर्तित कर परशुरामपुरी किये जाने के प्रस्ताव पर अनापत्ति प्रदान की गयी है। उक्त के क्रम में जनपद शाहजहांपुर की नगर पालिका परिषद जलालाबाद क्षेत्रान्तर्गत कस्बा/नगर जलालाबाद का नाम परिवर्तित कर परशुरामपुरी, किये जाने के प्रस्ताव पर अनुमोदन प्रदान कर दिया गया है।' इससे पहले भी योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश में कई जगहों के नाम बदले हैं। इनमें प्रमुख जगहों की बात करें तो इलाहाबाद का नाम बदलकर प्रयागराज किया गया। इसी तरह फैजाबाद का नाम अयोध्या, मुगलसराय का नाम पंडित दीन दयाल उपाध्याय नगर, झांसी रेलवे स्टेशन का नाम वीरांगना लक्ष्मीबाई रेलवे स्टेशन कर दिया गया। वहीं गोरखपुर में हाल ही में करीब 50 वार्डों के नाम बदले गए। इनमें मियां बाजार का नाम माया बाजार और अलीनगर का नाम आर्य नगर कर दिया गया। इसके अलावा हरदोई जिले में हाजीपुर का नाम बदलकर सियारामपुर, जबकि फिरोजाबाद जिले के उरमुरा किरार का नाम बदलकर हरिनगर कर दिया गया।

अलीगढ़ में RMPU के दीक्षांत समारोह 50 मेधावियों को स्वर्ण पदक 60 प्रतिशत स्टूडेंट्स फेल हों तो समीक्षा करें

टीचर लाइब्रेरी जाकर पढ़ेंगे तभी छात्र भी पढ़ेंग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अलीगढ़। राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय में सोमवार सुबह 11 बजे राज्यपाल आनंदीबेन पटेल पहुंची। उन्होंने यहां दीक्षांत समारोह में 50 मेधावियों को स्वर्ण पदक दिए। विश्वविद्यालय का यह तृतीय दीक्षांत समारोह है। इसकी अध्यक्षता यूपी की राज्यपाल और कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने की। उन्होंने कहा कि जब किसी परीक्षा में 60 प्रतिशत छात्र-छात्राएं फेल हो जाएं, तो ऐसे परिणामों की समीक्षा होनी चाहिए। ऐसे मामलों में री-इवैल्युएशन कराया जाना चाहिए। छात्रों ने आवेदन किए और निर्धारित शुल्क जमा किया। इसके बाद विश्वविद्यालय ने बाहर से दो प्रोफेसरों को बुलाकर उत्तर पुस्तिकाओं का दोबारा मूल्यांकन कराया। जब पुनर्मूल्यांकन का परिणाम आया तो जो छात्र पहले फेल घोषित किए गए थे, उनमें से कई प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हो गए। राज्यपाल ने सवाल उठाते हुए कहा कि अब आप ही बताइए, जिसने पहली बार उत्तर पुस्तिकाएं जांची

थीं, उसने आखिर किस आधार पर अंक दिए थे? समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा- सिर्फ प्रवेश (एडमिशन) और नियुक्तियां करना ही पर्याप्त नहीं है। यह भी देखना होगा कि छात्र और शिक्षक पुस्तकालय का कितना उपयोग कर रहे हैं। विश्वविद्यालयों में अच्छी पुस्तकें खरीदी जाती हैं, लेकिन यह भी पता होना चाहिए कि उन्हें पढ़ने कितने लोग आते हैं। इसका नियमित आकलन होना चाहिए। छात्रों को पुस्तकें घर ले जाकर पढ़ने की सुविधा भी मिलनी चाहिए। मैं अक्सर पूछती हूं कि पुस्तकालय से कितनी किताबें जारी हुईं और कितने अध्यापक उनका उपयोग करते हैं। यदि शिक्षक ही पुस्तकालय का उपयोग नहीं करेंगे, तो विद्यार्थियों में पढ़ने की आदत कैसे विकसित होगी? राज्यपाल ने कहा कि हमारे ऋषियों, विद्वानों और शोधकर्ताओं ने ज्ञान का विशाल भंडार तैयार किया है। लेकिन यदि शिक्षकों और विद्यार्थियों को ही यह जानकारी नहीं होगी कि पुस्तकालय में कौन-कौन सी महत्वपूर्ण पुस्तकें उपलब्ध हैं, तो उनका लाभ समाज तक कैसे पहुंचेगा। पुस्तकालयों को केवल किताबें रखने का स्थान नहीं, बल्कि ज्ञान का सक्रिय केंद्र बनाना होगा।

प्रयागराज में तूफानी बारिश, काशी में गलियों में पानी भरा:बरेली में सड़कें डूबीं, ई-रिक्शा पलटे

10 शहरों में बरसात, 57 में अलर्ट

स्वर्ण खबर डेस्क

लखनऊ/प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। सोमवार को प्रदेश के कई जिलों में तेज हवाओं, गरज-चमक और बारिश ने जनजीवन प्रभावित कर दिया। प्रयागराज में सुबह करीब 11 बजे से तूफानी हवाओं के साथ तेज बारिश शुरू हुई। देखते ही देखते सड़कों पर पानी भर गया, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कई इलाकों में नालियों का पानी सड़कों पर फैल गया और आवागमन प्रभावित रहा। इससे पहले वाराणसी, भदोही और मिर्जापुर सहित करीब 10 शहरों में तेज हवा के साथ बारिश हुई। वाराणसी में कई गलियों और निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई। बारिश के कारण लोगों को घरों और दुकानों तक पहुंचने में दिक्कत हुई। तेज हवाओं का असर गंगा किनारे भी देखने को मिला, जहां नदी तट पर लगी एक जेटी बह जाने की सूचना है। स्थानीय स्तर पर नुकसान का आकलन किया जा रहा है। उधर, रविवार देर रात करीब एक बजे बरेली में हुई तेज बारिश ने शहर की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी। कई प्रमुख सड़कें और निचले इलाके पानी में डूब गए। जलभराव के बीच फंसे कई ई-रिक्शा पलट गए, हालांकि किसी बड़े हादसे की सूचना नहीं है। सुबह तक कई स्थानों पर पानी भरा रहने से लोगों को आवागमन में भारी परेशानी उठानी पड़ी। प्रदेश की राजधानी लखनऊ, कानपुर सहित कई शहरों में सोमवार को तेज धूप और उमस बनी रही। हालांकि बीच-बीच में बादल छाने से मौसम में बदलाव के संकेत मिले। लखीमपुर खीरी में गर्मी और उमस के कारण एक प्राइमरी स्कूल के दो छात्र बेहोश हो गए। बच्चों को तत्काल प्राथमिक उपचार दिलाया गया। घटना के बाद स्कूलों में बच्चों के स्वास्थ्य और पेयजल व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान गाजियाबाद, बलिया समेत 18 शहरों में बारिश दर्ज की गई। लखनऊ और बाराबंकी में करीब 45 मिनट तक आंधी के साथ बारिश हुई। तेज हवा के कारण कई जगह पेड़ और बिजली के पोल उखड़ गए। हापुड़ में बारिश के बाद हाईवे पर पानी भर गया, जिससे वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई और जाम जैसी स्थिति बन गई। मौसम विभाग ने सोमवार को प्रदेश के 57 शहरों में आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार मंगलवार से मानसूनी गतिविधियां और तेज होने की संभावना है, जिससे पूरे प्रदेश में अच्छी बारिश हो सकती है।

प्रियंका चतुर्वेदी जिंदल यूनिवर्सिटी में बनीं टीचर, राजनीति संन्यास की चर्चा तो भड़कीं शिवसेना BT नेता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। प्रियंका चतुर्वेदी के राज्यसभा से रिटायर होने के बाद उन्होंने नए चरण की शुरुआत की है। प्रियंका चतुर्वेदी ने अपने सार्वजनिक जीवन के एक नए चरण का ऐलान किया कि वह सक्रिय राजनीति से आगे बढ़कर शिक्षा और नीति (पॉलिसी) के क्षेत्र में अपने काम का विस्तार करेंगी। हालांकि उनके इस ऐलान के बाद तमाम तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। कहा जा रहा है कि प्रियंका चतुर्वेदी ने राजनीति से संन्यास ले लिया। सोशल मीडिया पर तमाम तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। लोगों ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया। किसी ने कहा कि अब राजनीति में प्रियंका चतुर्वेदी को कोई पूछ नहीं रहा इसलिए उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में कदम रखा है। हालांकि प्रियंका चतुर्वेदी ने ट्रोलर्स को जवाब देते हुए कहा है कि उन्होंने राजनीति से संन्यास नहीं लिया है। एक यूजर ने लिखा कि प्रियंका चतुर्वेदी ने राजनीति से संन्यास ले लिया है। उन्होंने कहा देशसेवा के लिए राजनीति ही रास्ता नहीं है। राज्यसभा से मुक्त हो कर जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी में पढ़ाना शुरू किया है। संसद में इनकी कमी खलेगी। कोई दल इन्हे बुला नहीं रहा या किसी दल में ये जाना नहीं चाहती ये तो प्रियंका जी जाने प्रियंका चतुर्वेदी का पलटवार प्रियंका चतुर्वेदी ने इस पोस्ट का जवाब देते हुए लिखा, 'राजनीति से संन्यास?!! सपनें में

! 20 साल की मेहनत और अपनी बलबूते पर बनाई जगह से रिटायरमेंट तो दूर की बात है, राजनीति में लड़ाई जारी रहेगी। पार्लियामेंट में बने रहने की होड़ जो आज कल का फ्लेवर है उस के विपरीत अपनी जगह भारत के विकास में बरकरार रखनें में मेरी कोशिश है। और हां उन सभी लोगों के मुंह पर थप्पड़ है जो लगातार सिर्फ गंध मचा रहे थे मेरे बारे में।' ऐसे शुरू हुई प्रियंका चतुर्वेदी के संन्यास की चर्चा प्रियंका चतुर्वेदी ने बताया कि उन्होंने ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी में पढ़ाना शुरू कर दिया है और आने वाले सेमेस्टर में भी पढ़ाना जारी रखेंगी। साथ ही, वे ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के 'वीमेन-लेड फ्यूचर्स' (महिलाओं के नेतृत्व वाला भविष्य) वर्टिकल में नेतृत्व की भूमिका भी निभाएंगी। अपने दो दशक लंबे राजनीतिक करियर पर विचार करते हुए, उन्होंने एक आने वाली किताब का भी संकेत दिया और भारत में महिलाओं के प्रतिनिधित्व और संस्थागत सुधार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

रामंदिर चोरी-ट्रस्ट की बैठक में चंपत राय को एंट्री नहीं:रिपोर्ट- इस्तीफा मंजूर

चढ़ावा चोरी के बाद ट्रस्ट में बड़ा फैसला: चंपत राय और अनिल मिश्रा का इस्तीफा मंजूर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी के बाद श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की पहली बैठक चल रही है। सूत्रों के मुताबिक, चंपत राय बैठक में शामिल होने के लिए मंदिर पहुंचे, लेकिन उन्हें एंट्री नहीं मिली। ट्रस्टी अनिल मिश्रा भी बैठक में नहीं पहुंचे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रस्ट की बैठक में दोनों का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है। चंपत राय और अनिल मिश्रा ने चढ़ावा चोरी की घटना सामने आने के बाद इस्तीफा दिया था। बैठक की अध्यक्षता ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास कर रहे हैं। मंदिर निर्माण प्रभारी गोपाल राव बैठक में मौजूद हैं। पदेन सदस्य के. पाराशरण, नृपेंद्र मिश्रा और केंद्र सरकार के प्रतिनिधि प्रशांत लोखंडे और यूपी सरकार के प्रतिनिधि संजय प्रसाद बैठक में ऑनलॉइन जुड़े हैं। ट्रस्ट में 14 सदस्य हैं। इनमें से 4 पदेन सदस्य हैं। किसी भी प्रस्ताव को पास करने के लिए दो-तिहाई सदस्यों की सहमति जरूरी है। पदेन सदस्यों के वोट काउंट नहीं होते हैं। चंपत और अनिल इस्तीफा दे चुके हैं। ऐसे में 8 सदस्यों में से 6 सदस्यों की सहमति के बाद ही फैसला संभव है। इससे पहले, सोमवार दोपहर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल ने लेटर जारी करके पहली बार चढ़ावा चोरी पर बयान दिया। उन्होंने कहा- चोरी से मैं आहत हूं। जिसने भी यह पाप किया है, उसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

मुंबई में बारिश का कहर जारी! पेड़ गिरने से अब दो लोगों की मौत, कई गाड़ियां भी दबीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। आसपास के इलाकों में लगातार हो रही तेज बारिश और हवाओं के कारण पेड़ों के गिरने की घटनाएं बढ़ गई हैं. कुर्ला के नौपाड़ा में एक बड़ा और पुराना पेड़ गिरने से 63 वर्षीय यूनुस कुंडावाला की मौत हो गई. पेड़ के नीचे कई गाड़ियां भी दब गईं, हालांकि गाड़ियों में कोई शख्स मौजूद नहीं था. मुंबई और उसके आसपास के इलाकों में लगातार हो रही बारिश और तेज हवाओं के बीच लगातार पेड़ों के गिरने के मामले सामने आ रहे हैं. पिछले दिनों एक स्कूल बस पर पेड़ गिर गया था, उसमें एक छात्र की मौत हो गई थी. अब कुर्ला में एक बड़ा पेड़ गिर गया है. इस हादसे में एक बुजुर्ग की मौत हो गई है. वहीं, गोरेगांव में पेड़ गिरने से 18 साल के लड़के की मौत हो गई है. रविवार दोपहर करीब 10:30 बजे कुर्ला (पश्चिम) के नौपाड़ा स्थित हिंदी बीएमसी स्कूल के पास कमानी इलाके में पेड़ गिर गया था. अचानक एक बहुत बड़ा और पुराना पेड़ पास की एक दुकान पर भरभराकर गिर गया. इस हादसे के वक्त दुकान के पास मौजूद 63 वर्षीय यूनुस कुंडावाला पेड़ और मलबे की चपेट में आ गए,

जिससे वो गंभीर रूप से घायल हो गए. घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें पहले पास के सिटी अस्पताल ले जाया गया. वहां से उन्हें फौजिया अस्पताल रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. हादसे की खबर मिलते ही मुंबई फायर ब्रिगेड, स्थानीय पुलिस, बेस्ट और नगर निगम के वार्ड प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं. टीमों ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू कर पेड़ के मलबे को हटाने का काम किया. ये पेड़ एक परिसर के अंदर लगा हुआ था, जो तेज हवाओं के कारण उखड़कर बाहर आ गिरा. हादसे के वक्त वहां कई गाड़ियां भी पार्क थीं, जो इसकी चपेट में आ गईं. हादसे के चश्मदीद ने बताया, 'यहां कुल चार कारें खड़ी थीं. उनमें से एक गाड़ी पहले ही निकल गई थी. तेज हवाएं चलने के बाद परिसर के अंदर मौजूद ये पेड़ अचानक गिर गया.' चश्मदीद ने आगे कहा, 'मैं यहीं सुरक्षा गार्ड के रूप में काम करता हूं. ये बहुत पुराना पेड़ है, जो करीब 10 साल से यहां था. लोग आमतौर पर अपनी कारें यहीं पार्क करते हैं. एक कार समय रहते निकल गई, लेकिन बाकी कारें मलबे के नीचे फंस गईं. गनीमत रही कि हादसे के वक्त गाड़ियों के अंदर या उनके आसपास कोई इंसान मौजूद नहीं था वहीं, आरे कॉलोनी, यूनिट नंबर 13 में एक 18 साल का लड़का अपने दोस्तों के साथ मोटरसाइकिल पर आरे कॉलोनी आया था. भारी बारिश के दौरान यूनिट नंबर 13 में सड़क से गुजरते समय, पेड़ की एक टहनी टूटकर उसके सिर पर गिर गई. उसे तुरंत बालाजी हॉस्पिटल, मलाड (E) ले जाया गया. बालाजी हॉस्पिटल की डॉ. कल्याणी से मिली जानकारी के मुताबिक, कुमार हसन रजा जहांगीर आलम सैयद (18 साल) को मृत घोषित कर दिया गया. मुंबई में भारी बारिश और तेज हवाओं की असर फ्लाइट्स पर भी पड़ा है.

लालपुर में किसान का अपहरण, पेड़ से बांधकर बेरहमी से पीटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जामनगर/लालपुर। जामनगर जिले के लालपुर क्षेत्र में एक किसान के अपहरण और उसके साथ मारपीट का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि कुछ लोगों ने किसान को खेत या सीमावर्ती क्षेत्र से जबरन उठाया और अज्ञात स्थान पर ले गए। वहां उसे रस्सी से पेड़ से बांधकर लाठी-पाइप जैसे हथियारों से बेरहमी से पीटा गया। हमले में किसान गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोपी उसे खून से लथपथ हालत में छोड़कर फरार हो गए। सूचना मिलने पर परिजन और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे तथा घायल किसान को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश है। लोगों ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। लालपुर पुलिस मामले की जांच में जुटी है और आरोपियों की पहचान कर तलाश शुरू कर दी गई है।

इंसानियत शर्मसार: 13 साल की मासूम से 32 दरिंदों ने की बर्बरता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

एक बेहद खौफनाक और इंसानियत को तार-तार कर देने वाली घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। मात्र 13 साल की एक मासूम बच्ची को 32 दरिंदों ने अपनी हवस का शिकार बनाया। मासूम अपनी जान और इज्जत की भीख मांगती रही, लेकिन उन पत्थरदिल राक्षसों को जरा भी तरस नहीं आया। महिला सुरक्षा के बड़े-बड़े दावों के बीच यह घटना सिस्टम पर करारा तमाचा है। 32 अपराधियों द्वारा एक बच्ची के साथ की गई इस बर्बरता ने जनता का खून खौला दिया है। कलयुग की इस महाभारत में जहां एक मासूम की आबरू लूटी गई, वहां अब लोग तारीखों वाला नहीं, बल्कि त्वरित और कठोर न्याय चाहते हैं। जनता का आक्रोश चरम पर है और वे इन पापियों के तत्काल अंत की मांग कर रहे हैं।

'महानगर मेट्रो न्यूज़' का प्रशासन से सवाल:

जब यह जघन्य अपराध हो रहा था, तब कानून का खौफ और हमारी सुरक्षा एजेंसियां कहां थीं? ऐसे अपराधियों को फास्ट-ट्रैक कोर्ट में लाकर तुरंत फांसी क्यों नहीं दी जाती? अब सिर्फ बातों का नहीं, त्वरित कार्रवाई का समय है।

अमरनाथ यात्रा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, हिमलिंग 90% पिघलने की खबर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

श्रीनगर। अमरनाथ यात्रा में इस वर्ष श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर है। यात्रा के शुरुआती तीन दिनों में 56 हजार से अधिक श्रद्धालु पवित्र गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं। वहीं, हिमलिंग के तेजी से पिघलने की खबर भी सामने आई है। बताया जा रहा है कि प्राकृतिक हिमलिंग लगभग 90 प्रतिशत पिघल चुका है और उसकी ऊंचाई अब करीब एक फीट रह गई है। प्रशासन के अनुसार, यात्रा मार्ग पर सुरक्षा, स्वास्थ्य और अन्य आवश्यक सुविधाओं के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। इस वर्ष पिछले साल की तुलना में पंजीकरण कराने वाले श्रद्धालुओं की संख्या भी अधिक बताई जा रही है। विशेषज्ञ बढ़ते तापमान और मौसम में बदलाव को हिमलिंग के तेजी से पिघलने का प्रमुख कारण मान रहे हैं। हालांकि, श्रद्धालुओं की आस्था पहले की तरह अटूट बनी हुई है और बड़ी संख्या में भक्त लगातार बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए पहुंच रहे है

रूस के पास कच्चा तेल भरपूर, फिर बेलारूस से ईंधन आयात की जरूरत क्यों पड़ी?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मॉस्को। रूस कच्चे तेल का बड़ा निर्यातक है और भारत सहित कई देशों को इसकी आपूर्ति करता है। इसके बावजूद रूस में पेट्रोल-डीजल की उपलब्धता को लेकर दबाव बढ़ने की खबरें सामने आई हैं। इसका प्रमुख कारण यूक्रेन द्वारा रूसी तेल रिफाइनरियों और भंडारण केंद्रों पर किए गए ड्रोन हमले बताए जा रहे हैं। रिपोर्टों के अनुसार, हमलों से रूस की कुछ रिफाइनरियों की क्षमता प्रभावित हुई है। कच्चा तेल पर्याप्त होने के बावजूद उसे पेट्रोल, डीजल और अन्य ईंधन में बदलने के लिए रिफाइनरियों की जरूरत होती है। घरेलू मांग और सेना की ईंधन जरूरतों को देखते हुए रूस ने पेट्रोल निर्यात पर नियंत्रण बढ़ाया है तथा बेलारूस से प्रोसेस्ड ईंधन आयात की व्यवस्था की है।

गोमतीपुर में दवा लेने गए युवक पर चाकू से हमला, इलाज के दौरान मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गोमतीपुर क्षेत्र में दवा खरीदने गए 30 वर्षीय मजहर अंसारी पर चाकू से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि मेडिकल स्टोर के पास कुछ लोगों से हुए विवाद के बाद आरोपियों ने मजहर पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल मजहर अंसारी को स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है, जबकि क्षेत्र में तनाव और आक्रोश देखा गया।सूचना मिलते ही गोमतीपुर पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है तथा आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश में जुटी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है

नितिन नवीन को लेकर भाजपा और आप में जुबानी जंग

- –पीएम मोदी और अरविंद केजरीवाल के बीच सोशल मीडिया पर हुई तकरार
- –आप कौन हैं, टिप्पणी से शुरू हुआ था विवाद, राम मंदिर मुद्दे तक पहुंचा राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच सोशल मीडिया पर शुरू हुई जुबानी जंग अब और तेज हो गई है। विवाद की शुरुआत आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की एक टिप्पणी से हुई थी, जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिना नाम लिए प्रतिक्रिया दी। इसके जवाब में केजरीवाल ने भी प्रधानमंत्री के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए राम मंदिर से जुड़े मुद्दे उठाए हैं।

यहां बताते चलें कि पूरा विवाद रविवार को उस समय शुरू हुआ, जब भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन लखनऊ दौरे पर शक्ति केंद्र संयोजक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। अपने संबोधन में उन्होंने कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी, अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल यह भ्रम न पालें कि हिंदू समाज उनके बहकावे में आने वाला है।

नितिन नवीन के इस बयान से संबंधित भाजपा की एक पोस्ट को रीपोस्ट करते हुए दिल्ली के पूर्व सीएम और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने संक्षिप्त टिप्पणी की, आप कौन हैं? इसके बाद यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुई और चर्चा का विषय बन गई। सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पत्रकार पीयूष पद्माकर की एक पोस्ट का स्क्रीनशॉट साझा करते हुए लिखा कि यह सादगी और सरलता हर भाजपा कार्यकर्ता के लिए गर्व की बात है। पीयूष पद्माकर ने अपनी पोस्ट में नितिन नवीन के छात्र जीवन और राजनीतिक सफर का उल्लेख करते हुए उन्हें विनम्र और सरल व्यक्तित्व का नेता बताया था। राजनीतिक हलकों में प्रधानमंत्री की इस पोस्ट को केजरीवाल की टिप्पणी का अप्रत्यक्ष जवाब माना गया। प्रधानमंत्री मोदी की पोस्ट के बाद अरविंद केजरीवाल ने भी सोशल मीडिया मंच एक्स पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री ने नितिन नवीन के बारे में जानकारी देने के लिए धन्यवाद, लेकिन साथ ही सवाल किया कि देश यह जानना चाहता है कि राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी, जमीन घोटाले और निर्माण में कथित अनियमितताओं के आरोपों में कार्रवाई कब होगी और दोषियों को सजा क्यों नहीं दी जा रही है।

केजरीवाल की इस प्रतिक्रिया के बाद राम मंदिर से जुड़े मुद्दे भी राजनीतिक बहस का हिस्सा बन गए हैं। फिलहाल भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच सोशल मीडिया के जरिए आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है, जिससे राजनीतिक माहौल और गर्म हो गया है।

भारत की शरण में तिब्बती संघर्ष- दलाई लामा के 91वें जन्मदिन पर विशेष

नई दिल्ली (एजेंसी)। बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा अपना 91वां जन्मदिन मना रहे हैं। खुद को एक साधारण भिक्षु कहने वाले दलाई लामा ने बीते 60 सालों से अधिक समय से तिब्बत के लोगों और उनके हितों के लिए अथक प्रयास किए हैं। इस वैश्विक संघर्ष में भारत उनकी कर्मभूमि रहा है, जिसने उनके मिशन को एक नया जीवन दिया। 14वें दलाई लामा, ल्हामो धोंदुप का जन्म 06 जुलाई 1935 को किंघई प्रांत के एक किसान परिवार में हुआ था और महज दो साल की उम्र में उन्हें तिब्बत के आध्यात्मिक नेता के 14वें अवतार के रूप में पहचाना गया। साल 1950 में चीन ने तिब्बत पर शांतिपूर्ण मुक्ति का दावा कर कब्जा किया। किशोर दलाई लामा ने शुरुआती दौर में चीनी नेताओं से मुलाकातें कीं, लेकिन तिब्बत में चीनी दमन और ज्यादतियां जल्द ही मुखर होने लगीं। मार्च 1959 में, दलाई लामा को बिना अंगरक्षक के एक चीनी जनरल द्वारा नृत्य प्रदर्शन के लिए आमंत्रित किया गया, इस आंमत्रण ने अपहरण की आशंकाओं को जन्म दिया। हजारों तिब्बतियों ने उनके महल के बाहर विरोध प्रदर्शन किया, और चीनी हमले की अफवाहों के बीच 17 मार्च 1959 की रात को, तत्कालीन 23 वर्षीय दलाई लामा को सैनिक वेश में अपने परिवार और शीर्ष अधिकारियों के साथ ल्हासा से भागना पड़ा। उन्होंने भारतीय वाणिज्य दूत से भारत में शरण का अनुरोध किया। भारत ने, तिब्बत को हमेशा एक स्वतंत्र देश मानते हुए (हालांकि 1954 में पंचशील समझौते के तहत चीन के तिब्बत क्षेत्र के रूप में स्वीकार किया गया था), दलाई लामा का स्वागत किया। कुछ समय अरुणाचल प्रदेश के तवांग मठ में रुकने के बाद, पंडित नेहरू से मुलाकात के बाद 03 अप्रैल 1959 को उन्हें औपचारिक रूप से शरण दी गई। हिमाचल प्रदेश का धर्मशाला जल्द ही चीनी दमन से भाग रहे हजारों तिब्बती शरणार्थियों का घर बन गया और दलाई लामा ने भी वहीं स्थायी निवास बनाकर निर्वासित तिब्बती सरकार की स्थापना की। भारत के इस साहसिक कदम ने चीन को नाराज कर दिया।

करूर भगदड़: सीएम और मंत्रियों की बयानबाजी रोकने की याचिका पर आज सुनवाई

– डीएमके नेता आरएस भारती ने दायर की याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट तमिलनाडु के करूर भगदड़ मामले में मंगलवार को सुनवाई करेगा। यह सुनवाई द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) द्वारा दाखिल की गई याचिका पर होगी, जिसमें आरोप लगाया गया है कि राज्य के मुख्यमंत्री विजय और कुछ मंत्री सीबीआई जांच को प्रभावित करने वाले सार्वजनिक बयान दे रहे हैं। जस्टिस अहसनुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस शील नागु की पीठ महत्वपूर्ण मामले को सुनेगी, जिसमें गवाहों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और मंत्रियों की बयानबाजी पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई है।

दरअसल डीएमके नेता आरएस भारती ने अपनी याचिका में मंत्री आधव अर्जुन के बयानों का हवाला दिया है, जो इस मामले में खुद एक आरोपी हैं। याचिका में कहा गया है कि अर्जुन ने हाल ही में सार्वजनिक कार्यक्रम में हिसाब बराबर करना है जैसे भड़काऊ बयान दिए और करूर भगदड़ के लिए पिछली डीएमके सरकार को जिम्मेदार ठहराया। डीएमके का आरोप है कि इसतरह के बयान जांच प्रक्रिया में हस्तक्षेप करते हैं और राजनीतिक लाभ के लिए जनता की राय को प्रभावित करने का प्रयास है, जो सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में चल रही सीबीआई जांच के लिए अनुचित है।

याचिका में मुख्यमंत्री विजय के आगामी करूर दौरे पर भी चिंता जाहिर की गई है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मुख्यमंत्री विजय 10 जुलाई को करूर जाकर भगदड़ में मारे गए लोगों के परिजनों को सरकारी सहायता और अनुकंपा नियुक्तियां प्रदान कर सकते हैं। डीएमके का मानना है कि यह कदम भी जांच को प्रभावित कर सकता है और पीड़ितों या उनके परिवारों को अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर सकता है। डीएमके की याचिका में कोर्ट से आग्रह किया गया है कि सीबीआई जांच की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित पक्षों, विशेषकर सत्ता में बैठे लोगों को सार्वजनिक बयानबाजी से रोका जाए।

यह मामला बीते साल 27 सितंबर को करूर जिले में हुई एक भीषण भगदड़ से जुड़ा है। मुख्यमंत्री विजय की एक चुनावी रैली के दौरान भारी भीड़ और कथित कुप्रबंधन के कारण हुई घटना में 41 लोगों की जान चली गई थी और 100 से अधिक घायल हो गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने बाद में मामले की जांच सीबीआई को सौंपी थी, जिसकी निगरानी पूर्व न्यायाधीश अजय रस्तोगी के नेतृत्व वाली एक समिति कर रही है।

इजरायली पीएम नेतन्याहू ने की भारत की तारीफ... कांग्रेस को लगी मिर्ची

मोदी सरकार पर इजरायल के प्रति अंधभक्ति का लगाया आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हाल ही में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के बयान पर प्रतिक्रिया देकर भारत और भारतीयों की जमकर तारीफ की थी। उपराष्ट्रपति वेंस ने इजरायल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़ने की बात कही थी, जिसके जवाब में नेतन्याहू ने दावा किया था कि मित्र राष्ट्र भारत इजरायल के साथ मजबूती से खड़ा है। हालांकि, उनके बयान ने भारतीय राजनीति में हलचल मचा दी है। कांग्रेस ने न केवल नेतन्याहू,बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी निशाने पर लेकर भारत के मूल्यों से विश्वासघात बताया है।

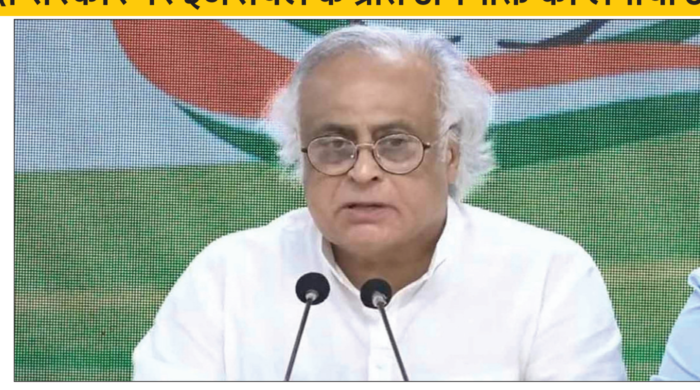

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने नेतन्याहू के दावे को सीधे तौर पर खारिज किया कि उन्हें भारत से जबरदस्त समर्थन प्राप्त है। कांग्रेस नेता रमेश ने लिखा, पीएम नेतन्याहू गलत हैं। उन्होंने मोदी सरकार पर इजरायल के प्रति अंधभक्ति का आरोप लगाकर कहा कि करोड़ों भारतीय इजरायल द्वारा गाजा में किए जा रहे नरसंहार की निंदा करते हैं, जिसमें बच्चों को भी बख्शा नहीं गया है। कांग्रेस नेता रमेश ने वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों के जबरन विस्थापन, ईरान पर भारी हवाई हमलों और दक्षिणी लेबनान में क्रूर सैन्य हमलों की भी कड़ी निंदा की। उन्होंने इन कार्रवाइयों को मानवता पर सीधे हमले बताया।

कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री मोदी की पत्थर जैसी चुप्पी को भारत की सभ्यतागत विरासत और मूल्यों के साथ विश्वासघात बताया। उनके अनुसार, स्वयंघोषित विश्वगुरु की इजरायल की इन कार्रवाइयों पर ऐसी चुप्पी पूरी तरह अस्वीकार्य है। कांग्रेस नेता रमेश ने स्पष्ट किया कि नेतन्याहू जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़े नेता से तमगा मिलना भारत के लिए कोई सम्मान की बात नहीं है। उन्होंने दावा किया कि नेतन्याहू के प्रति खुद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जिन्हें प्रधानमंत्री मोदी अपना अच्छा मित्र मानते हैं, निराशा और गुस्से में हैं।

दरअसल, पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध रोकने की डील को लेकर इजरायल और डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन में मतभेद सामने आए। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इजरायली पीएम नेतन्याहू से कहा था कि उन्हें समझना चाहिए कि इजरायल अब दुनिया में अलग-थलग पड़ चुका है और उसे केवल अमेरिका जैसी बड़ी ताकत का साथ मिल रहा है। वेंस के बयान पर प्रतिक्रिया देकर नेतन्याहू ने अमेरिका को याद दिलाया कि भारत जैसे विशाल और शक्तिशाली देश के लोगों का जबरदस्त समर्थन प्राप्त है। कांग्रेस को बेंजामिन नेतन्याहू की यही बात खटक गई और केंद्र सरकार को घेर लिया है।

एलओसी पर मंडराता नजर आया पाक ड्रोन, भारतीय सेना ने चलाया तलाशी अभियान

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती जिलों में आतंकवादियों की घुसपैठ और हथियारों की तस्करी के लिए पाकिस्तानी साजिशें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। सोमवार तड़के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) से सटे अग्रिम इलाकों में एक बार फिर संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन की हलचल देखी गई। ड्रोन की इस संदिग्ध गतिविधि के बाद भारतीय सेना और स्थानीय पुलिस ने पूरे इलाके को घेरकर एक बड़े स्तर पर तलाशी अभियान की शुरुआत की है। अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक यह घटना रविवार देर रात की है, जिसके बाद सोमवार सुबह होते ही सुरक्षाबलों ने चप्पे-चप्पे को खंगालना शुरू कर दिया। सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक रविवार और सोमवार की दरमियानी रात राजौरी जिले के सुंदरबनी सेक्टर के अग्रिम गांवों मीनका और बेरीपट्टन के आसमान में एक उड़ती हुई संदिग्ध वस्तु देखी गई। यह वस्तु हूबहू एक सैन्य या जासूसी ड्रोन जैसी लग रही थी। एलओसी के बिल्कुल करीब स्थित इन गांवों के ऊपर यह ड्रोन कुछ समय तक मंडराता रहा। भारतीय सीमा में घुसपैठ करने के कुछ ही मिनटों बाद यह संदिग्ध ड्रोन वापस पाकिस्तान की सीमा की ओर लौट गया। सीमा पर तैनात सतर्क जवानों ने जैसे ही इसकी भिनभिनाहट सुनी और रोशनी देखी, तुरंत पूरे सुरक्षा तंत्र को हाई अलर्ट पर डाल दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि ड्रोन के वापस लौट जाने के तुरंत बाद सुरक्षाबलों ने बिना वक्त गंवाए मीनका और बेरीपट्टन समेत आसपास के पूरे जंगली और मैदानी इलाके की घेराबंदी कर दी। सोमवार सुबह पहली किरण के साथ ही सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवानों ने संयुक्त रूप से तलाशी अभियान शुरू किया। आमतौर पर सीमा पार से आने वाले इन ड्रोनों का इस्तेमाल पाकिस्तान में बैठे आतंकी आका दो मुख्य मकसदों के लिए करते हैं। घाटी में सक्रिय आतंकियों के लिए आईईडी, पिस्तौल, ग्रेनेड या अत्याधुनिक राइफलें गिराना।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने राहुल गांधी का ज़िक्र कर पीएम मोदी के अंतर्राष्ट्रीय सम्मानों पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत द्वारा मानसिक रूप से अस्थिर बताए जाने के बाद पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बौखलाहट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अंतरराष्ट्रीय सम्मानों की विश्वसनीयता पर सवाल उठा दिया हैं। उन्होंने कहा कि उन पर निजी हमले न, तब भारत की समस्याओं का समाधान करे और न ही देश-विदेश में पीएम मोदी की गिरती साख को बहाल करे। भारतीय मिसाइल हमलों को रोकने में विफल रहने वाले आसिफ ने फिर भारत पर प्रोपेगेंडा फैलाने का आरोप लगाकर दावा किया कि उन पर किए जा रहे हमले मोदी की अंतरराष्ट्रीय छवि और उन्हें मिले विदेशी सम्मानों से जुड़े सवालों से ध्यान भटकाने की कोशिश है।

अपने पोस्ट में ख्वाजा आसिफ ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का जिक्र किया, जिन्होंने पहले पीएम मोदी को मिले पुरस्कारों की आलोचना की थी। आसिफ ने दावा किया कि राहुल गांधी भी मोदी को मिले पुरस्कारों को एआई-जनरेटेड या खुद से मैनेज किए बता चुके हैं, जिससे एक वैश्विक धोखेबाज के रूप में उनकी प्रतिष्ठा बढ़ी है। पाकिस्तानी मंत्री ने रिपोर्ट का हवाला देकर कहा कि विदेशी अखबार ने भी मोदी को मिले कुछ पुरस्कारों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने लिखा कि मोदी के विदेशों से नकली सम्मान हासिल करने के हताश प्रयास उनकी उस साख को स्थिर करने की कोशिश है, जो देश में दयनीय रूप से अस्थिर है, खासकर पिछले साल पाकिस्तान से मिली हार के बाद।

दरअसल, पाकिस्तानी सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार और रक्षा मंत्री आसिफ जैसे कई पाकिस्तानी नेता प्रधानमंत्री मोदी को दुनिया के देशों से मिले सर्वोच्च सम्मानों को पचा नहीं पा रहे हैं। वे मोदी पर इन सम्मानों को सोच-समझकर किए गए जनसंपर्क अभियान में बदलने का आरोप लगाते हैं। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वर्ष 2016 से अब तक दुनिया के 34 विभिन्न देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से सर्वोच्च नागरिक और राजकीय सम्मान मिल चुके हैं। वह इतिहास में सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय सम्मान पाने वाले भारतीय नेता हैं। पीएम मोदी को नॉर्वे, स्वीडन, इजरायल, रूस (सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द अपोस्टल), फ्रांस (सर्वोच्च नागरिक और सैन्य सम्मान), अमेरिका (लीजन ऑफ मेरिट-चीफ कमांडर डिग्री), कुवैत, मिस्र, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, मालदीव, फिलीस्तीन और अफगानिस्तान जैसे देशों से सर्वोच्च सम्मान प्राप्त हुए हैं।

भरत तिवारी एनकाउंटर पर अलग-थलग पड़े अशोक चौधरी

–मंत्री के बयान से जेडीयू ने बनाई दूरी, न्यायिक जांच के बीच सियासी हलचल तेज

पटना (एजेंसी)। भोजपुर जिले के बिलौटी गांव के भरत तिवारी कथित एनकाउंटर मामले को लेकर जनता दल (यूनाइटेड) के भीतर अलग-अलग राय सामने आती दिख रही है। बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी द्वारा एनकाउंटर पर सवाल उठाने और पीड़ित परिवार से मुलाकात के बाद अब उनकी ही पार्टी ने उनके बयान से दूरी बना ली है। जेडीयू के वरिष्ठ नेता और मंत्री श्रवण कुमार ने स्पष्ट किया है कि अशोक चौधरी की टिप्पणियां उनकी व्यक्तिगत राय हैं, न कि पार्टी या बिहार सरकार का आधिकारिक रुख।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक श्रवण कुमार ने कहा, कि भरत तिवारी के घर अशोक चौधरी का दौरा भी निजी था और उसे सरकार या पार्टी के रुख के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए यह भी कहा कि सार्वजनिक जीवन में नेताओं को सोच-समझकर बयान देना चाहिए, ताकि किसी तरह का भ्रम पैदा न हो। दरअसल, अशोक चौधरी ने 5 जुलाई को भोजपुर जिले के बिलौटी गांव पहुंचकर भरत तिवारी के परिजनों से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने कथित मुठभेड़ पर सवाल उठाए थे और भरत तिवारी को बहादुर संतान बताते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई तथा निष्पक्ष जांच की बात कही थी। उन्होंने परिवार को न्याय दिलाने का भरोसा भी दिया था।

मुलाकात के बाद अशोक चौधरी ने कहा था कि उन्हें मामले के कई ऐसे पहलुओं की जानकारी मिली है, जिनसे वे पहले अवगत नहीं थे। उन्होंने कहा कि वह इन सभी तथ्यों से मुख्यमंत्री को अवगत कराएंगे और पूरे घटनाक्रम की जानकारी साझा करेंगे। उन्होंने पीड़ित परिवार को आश्वस्त किया कि मामले में निष्पक्ष जांच होगी और न्याय सुनिश्चित किया जाएगा। गौरतलब है कि भोजपुर जिले में 17 जून को हुई कथित पुलिस मुठभेड़ में भरत तिवारी की मौत के बाद इस मामले ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया था। बढ़ते विवाद के बीच बिहार सरकार पहले ही इस घटना की न्यायिक जांच के आदेश दे चुकी है। अब अशोक चौधरी के बयान से पार्टी द्वारा दूरी बनाए जाने के बाद इस मुद्दे पर जेडीयू के भीतर मतभेद की चर्चा भी तेज हो गई है।

केतन हत्याकांड: सिया ने राजा रघुवंशी केस और कस्टडी में हिंसा पर की थी रिसर्च

पुणे (एजेंसी)। पुणे के केतन अग्रवाल हत्याकांड की मुख्य आरोपी सिया गोयल ने वारदात को अंजाम देने से पहले इंदौर के चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड का गहन अध्यान किया था। पुलिस ने सिया के मोबाइल फोन की सर्च हिस्ट्री से पता लगाया है कि सिया ने पुलिस हिरासत में महिलाओं के साथ मारपीट की संभावनाओं पर भी इंटरनेट पर सर्च किया था। यह चौंकाने वाली जानकारी सिया के दोनों मोबाइल फोन की जांच से सामने आई है, जिसमें से एक हाल ही में उसके बेडरूम से जब्त किया है।

सिया और उसके प्रेमी चेतन चौधरी पर 18 जून को केतन को पुणे के लोहगढ़ किले से 400 फीट गहरी खाई में धक्का देने का आरोप है। फिलहाल दोनों आरोपी 16 जुलाई तक येरवदा जेल में न्यायिक हिरासत में हैं। पुलिस के मुताबिक, घटना के अगले ही दिन सिया केतन के घर पहुंचकर उसके पिता को सांत्वना देती रही और बोली कि केतन उन्हें ऊपर से देख रहा है। जांच में सामने आया कि 18 से 23 जून तक दोनों आरोपी सामान्य जिंदगी जीते रहे और गिरफ्तारी के बाद भी उनके चेहरों पर पछतावा नहीं दिखा।

जांच में पता चला है कि केतन की हत्या का प्लान 31 मई को तब सूझा जब केतन ने सिया से ट्रेकिंग के लिए लोहगढ़ किले चलने को कहा। हत्या को अंजाम देने से पहले दो बार असफल कोशिशें की गईं। 5 जून को सिया ने बाली की यात्रा रोकने के लिए केतन का पासपोर्ट छिपाया। इसके बाद 14 जून को सिया ने केतन को दोबारा धक्का दिया, लेकिन वह पेड़ के सहारे बच गया और सिया ने सांप का बहाना बनाकर अपनी हरकत को छिपाया। अंततः 18 जून को प्री-वेडिंग फोटोशूट के बहाने केतन को किले पर बुलाया गया, जहां चेतन के साथ मिलकर उसे खाई में धकेल दिया गया।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि केतन की हत्या का दूसरा आरोपी चेतन चौधरी एक ही मोबाइल में दो नंबर इस्तेमाल कर सिया से कोडवर्ड में बात करता था। राजा रघुवंशी हत्याकांड, जिसमें कारोबारी राजा को उसकी पत्नी और प्रेमी ने मेघालय में खाई में धकेला था, सिया के लिए एक संभावित प्रेरणा स्रोत बना, जिससे उसकी आपराधिक मानसिकता और पूर्वनियोजित साजिश का पता चलता है। घटना के कुछ चश्मदीद भी मिले हैं जिनके बयान जांच को और मजबूत कर रहे हैं।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (मंगलवार) 07 जुलाई 2026

तेल कंपनियों के घाटे कम होने पर पेट्रोल-डीजल सस्ता होने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई बड़ी गिरावट भारतीय ईंधन बाजार के लिए राहत की नई उम्मीद लेकर आई है। यदि वैश्विक कीमतें अगले 7 से 10 दिनों तक अपने मौजूदा स्तर पर स्थिर रहती हैं, तो तेल कंपनियां पेट्रोल और डीजल की बिक्री में नो-प्रॉफिट नो-लॉस की स्थिति में पहुंच जाएंगी, जिसके बाद कीमतों में राहत मिलने की संभावना बढ़ जाएगी। वर्तमान में, सरकारी तेल कंपनियां पहले खरीदे गए महंगे स्टॉक के कारण अंडर-रिकवरी का सामना कर रही हैं। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उन्हें 75,000 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है, जिससे उन पर दबाव है। विशेषज्ञों के अनुसार, कीमतें स्थिर रहने पर कंपनियां धीरे-धीरे घाटे से उबरकर संतुलन पर आएंगी। हालांकि, रसोई गैस (एलपीजी) पर अब भी प्रति सिलेंडर करीब 500 रुपये का नुकसान हो रहा है। इस गिरावट के कई कारण हैं। अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम के बाद कच्चे तेल की आपूर्ति बढ़ी है। साथ ही, सऊदी अरब और रूस के नेतृत्व में प्रमुख उत्पादक देशों ने उत्पादन बढ़ाने का फैसला किया है। होर्मुज जलडमरूमध्य खुलने से आपूर्ति सामान्य हुई है। ईरान और वेनेजुएला से तेल आपूर्ति बढ़ने से भी वैश्विक बाजार को राहत मिली है।

मॉनसून ने पकड़ी रफ्तार, वर्षा की कमी घटी; खरीफ की बुआई को मिली संजीवनी

देश में बारिश की कमी 40 से घटकर 24 फीसदी हुई, मध्य जुलाई तक सक्रिय रहने के आसार

नई दिल्ली ।

पहले 40 प्रतिशत रही बारिश की कमी अब घटकर 24 प्रतिशत पर आ गई है। इससे खरीफ फसलों की बुआई, जो जून अंत तक पिछले साल की तुलना में 22 प्रतिशत कम थी, को अब नई जान मिली है। पश्चिम और मध्य भारत में सुस्त मॉनसून के कारण बुआई ठहर गई थी। खरीफ की अच्छी फसल महंगाई, खासकर दलहन और तिलहन की कीमतों को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी संबल मिलेगा। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि बंगाल की खाड़ी में अनुकूल मौसम पैटर्न के कारण मॉनसून का यह सक्रिय चरण जुलाई के मध्य तक जारी रहेगा। स्काइमेट वेदर सर्विसेज के महेश पालवात के अनुसार, इससे मौसमी बारिश की कमी का बड़ा हिस्सा दूर हो जाएगा और जुलाई में सामान्य बारिश होगी। मॉनसून का प्रदर्शन जुलाई में जून से बेहतर रहने की उम्मीद है।

ओपेक प्लस के उत्पादन वृद्धि से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी

ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई क्रूड कई महीनों के निचले स्तर पर, वैश्विक आपूर्ति बढ़ने से निवेशक चिंतित

नई दिल्ली।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में सोमवार को बड़ी गिरावट दर्ज की गई। ब्रेंट क्रूड 71.73 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 68.43 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार करते हुए कई महीनों के निचले स्तर पर पहुंच गए। इस गिरावट की मुख्य वजह तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक प्लस का उत्पादन बढ़ाने का फैसला और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव में कमी आना है। ओपेक प्लस ने अगले महीने (अगस्त) से रोजाना 1.88 लाख बैरल अतिरिक्त तेल उत्पादन को मंजूरी दे दी है, जिसमें सऊदी अरब और रूस अग्रणी भूमिका निभाएंगे। इस फैसले के बाद वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की आपूर्ति में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त, पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज जैसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों पर सामान्य आवाजाही बहाल होने से आपूर्ति बाधित होने का खतरा टल गया है। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे प्रमुख उत्पादकों का निर्यात भी लगभग संघर्ष-पूर्व स्तर पर पहुंच गया है, जिससे वैश्विक उपलब्धता और बढ़ी है। निवेशकों को अब आशंका है कि मांग के मुकाबले आपूर्ति की अधिकता हो सकती है, जिससे कीमतों पर दबाव बना रहेगा।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 24 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.42 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में 10 पैसे की गिरावट के साथ ही अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.28 पर आ गया। विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा के मजबूत होने से रुपये पर दबाव है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी निवेश आने पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) रुपये को बहुत अधिक मजबूत होने देने के बजाय अपने विदेशी मुद्रा भंडार को फिर से बढ़ाने का प्रयास करता है।

आज सुबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.25 प्रति डॉलर पर खुला। फिर डॉलर के मुकाबले 95.28 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 10 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया शुक्रवार को 17 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.18 पर बंद हुआ था।

इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 फीसदी की बढ़त के साथ 100.95 पर रहा।

एशियाई बाजारों में तेजी के साथ कारोबार

मुंबई ।

सप्ताह के पहले कारोबारी दिन अधिकांश एशियाई बाजारों में तेजी देखने को मिली। दक्षिण कोरिया का कोस्पी करीब 0.62 प्रतिशत और चीन का सीएसआई 300 लगभग 0.26 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार करता नजर आया। तकनीकी शेयरों में खरीदारी लौटने और कच्चे तेल की कीमतों में लगातार नरमी आने से एशियाई बाजारों को समर्थन मिला। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी रही। ब्रेंट क्रूड का जुलाई वायदा भाव करीब 71.78 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा, जो पिछले स्तर से लगभग 0.47 प्रतिशत नीचे था।

बाजार पर दबाव इसलिए भी बना क्योंकि ओपेक प्लस देशों ने जून और जुलाई के बाद अगस्त से भी उत्पादन बढ़ाने पर सहमति जताई है। वहीं, अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत में कोई खास प्रगति नहीं हुई है, लेकिन स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से तेल आपूर्ति फिलहाल सामान्य बनी हुई है। कमोडिटी बाजार में कीमती धातुओं की कीमतों में मजबूती देखने को मिली। गोल्ड फ्यूचर्स में करीब 2.11 प्रतिशत और सिल्वर फ्यूचर्स में 3.56 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र की ऋण वृद्धि पहली तिमाही में 27 प्रतिशत

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) का कुल ऋण चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सालाना आधार पर 27 प्रतिशत बढ़कर 3.06 लाख करोड़ रुपये हो गया।गत वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही के अंत में उसका बकाया ऋण 2.41 लाख करोड़ रुपये था। पुणे मुख्यालय वाले इस बैंक ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कुल ऋण में खुदरा, कृषि और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम खंड को दिए गए ऋण शामिल हैं, जो सालाना आधार पर 25 प्रतिशत बढ़कर 1.87 लाख करोड़ रुपये हो गए।समीक्षाधीन तिमाही में बैंक का कॉरपोरेट ऋण भी 21 प्रतिशत बढ़कर 1.11 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो पहली बार एक लाख करोड़ रुपये के पार पहुंचा।बैंक ने बताया कि इस तिमाही में उसकी कुल जमा राशि 13 प्रतिशत बढ़कर 3.44 लाख करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही के अंत में यह 3.05 लाख करोड़ रुपये थी। इसके परिणामस्वरूप बैंक का कुल कारोबार (कुल ऋण व जमा) 19 प्रतिशत बढ़कर 6.51 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो 30 जून, 2025 को 5.46 लाख करोड़ रुपये था।बैंक ने बताया कि अप्रैल-जून तिमाही में चालू खाता एवं बचत खाता (कासा) अनुपात कुल जमा का 49 प्रतिशत रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 50 प्रतिशत था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 521, निफ्टी 159 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। । आज ऑटो, रियल्टी और तेल एवं गैस शेयरों में विशेष रुप से अच्छी खरीदारी हुई। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 521.16 अंक ऊपर आकर 78,285.07 पर और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 159.50 अंक उछलकर 24,430.35 पर बंद हुआ। निफ्टी में सबसे ज़्यादा बढ़त हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, ओएनजीसी, बजाज ऑटो और एमएंडएम के शेयरों में आई। वहीं टीसीएस मैक्स हेल्थकेयर और बजाज फिनसर्व के शेयर गिरे। सेक्टर के हिसाब से आज रियल्टी के क्षेत्र में सबसे अधिक तेजी रही। इसके बाद कंज्यूमर ड्यूरेबल्स , ऑटो और ऑयल एंड गैस के शेयर उछले। मेटल इंडेक्स में भी बढ़त रही। दूसरी ओर, मीडिया सेक्टर में गिरावट दर्ज की गयी। इसके अलावा पीएयू बैंक और आईटी शेयर भी गिरे। दूसरी ओर निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में तेजी रही।

आज कारोबार के दौरान, बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले सत्र के 480.24 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर लगभग 482.33 लाख करोड़ रुपए हो गया, जिससे एक ही सत्र में निवेशकों को करीब 2 लाख करोड़ रुपए का लाभ हुआ। पश्चिमी एशिया में शांति की उम्मीद और कच्चे तेल की कीमतों में बदलाव नहीं होने से भी बाजार को बल मिला। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की बढ़त के साथ शुरुआत हुई। आज सुबह निफ्टी 80.25 अंकों की बढ़त के साथ 24,351.10 के स्तर पर जबकि सेंसेक्स भी 315 अंक चढ़कर 78,078.76 के स्तर पर खुला।

अमेरिकी न्याय विभाग का अदाणी मामले पर यू-टर्न केस शुरू ही नहीं होना चाहिए था

दो साल की जांच के बाद डीओजे ने कानूनी व अधिकार-क्षेत्र संबंधी आधारों पर उठाए सवाल

नई दिल्ली ।

अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) ने अदाणी ग्रुप के खिलाफ अपने ही एक हाई-प्रोफाइल मामले पर चौंकाने वाला यू-टर्न लेते हुए कहा है कि यह केस कभी शुरू नहीं किया जाना चाहिए था। लगभग दो साल की कड़ी अंतरराष्ट्रीय जांच के बाद आई यह टिप्पणी एक अभूतपूर्व कानूनी बदलाव है, जिसने अदाणी ग्रुप के निवेशकों की धारणा पर गहरा असर डाला था और बाजार में अरबों की वैल्यू खत्म की थी। डीओजे ने अपनी 4 जुलाई की कोर्ट फाइलिंग में मामले के कानूनी और अधिकार-क्षेत्र से जुड़े आधारों पर सवाल उठाए हैं। विभाग ने आरोपों को नाम खराब करने की एक ऐसी कोशिश बताया जो मुकदमा चलने की किसी भी वास्तविक संभावना के बिना की गई थी। डीओजे का स्पष्टीकरण है कि सिक्योरिटीज से जुड़े आरोप कभी नहीं लगाए जाने चाहिए थे और केस समाप्त करने का फैसला कई कानूनी, सबूतों व नीतिगत कारणों से सही था। विभाग के दोबारा मूल्यांकन का मुख्य आधार यह निष्कर्ष है कि कथित गड़बड़ी मुख्य रूप से भारत में हुई थी, जहां भारतीय अधिकारियों ने पहले ही इन आरोपों की जांच की थी और कोई कार्रवाई योग्य गड़बड़ी नहीं पाई थी। डीओजे के अनुसार जिन सिक्योरिटीज का मामला है, उनमें एक पैसा भी नहीं डूबा है। विभाग ने प्रॉसिक्यूशन की कई बड़ी खामियां भी स्वीकार कीं। हालांकि अदालत ने अभी केस खारिज करने पर कोई फैसला नहीं सुनाया है, डीओजे का यह स्पष्ट और कड़ा मूल्यांकन मामले की समझ को गहराई से प्रभावित करेगा।

नेक्स्ट भारत वेंचर्स का 2,000 करोड़ रुपए का नया कोष

कृषि, स्वास्थ्य, फिनटेक व सामाजिक हित में एआई स्टार्टअप पर फोकस

नई दिल्ली ।

जापान की सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन समर्थित नेक्स्ट भारत वेंचर्स ने सोमवार को 2,000 करोड़ के अपने दूसरे निवेश कोष की घोषणा की। यह कोष भारत में कृषि, वित्तीय समावेश, स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक हित जैसे क्षेत्रों में कृत्रिम मेधा (एआई) का उपयोग करने वाले स्टार्टअप को समर्थन देगा। नेक्स्ट भारत वेंचर्स का लक्ष्य ग्रामीण भारत, छोटे व मझोले शहरों तथा असंगठित व गिग क्षेत्र से जुड़े कामगारों के स्थानीय समुदायों के जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने वाले स्टार्टअप्स में निवेश करना है। कंपनी इससे पहले अपने 340 करोड़ रुपए के पहले कोष के माध्यम से 20 से अधिक इम्पैक्ट ऑर्गेनाइजेशन में निवेश कर चुकी है। नेक्स्ट भारत वेंचर्स के एक अ धिकारी ने बताया कि नए कोष का अधिकतर निवेश सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन एक एंकर लिमिटेड पार्टनर के रूप में करेगी। इसके अलावा, जापान की अन्य कंपनियों से भी निवेश जुटाया जाएगा। नाथ ने इस रणनीति का कारण बताते हुए कहा कि जापानी संस्थान निवेश के मामले में कहीं अधिक धैर्यवान होते हैं। कंपनी अगले तीन से चार वर्षों में इस 2,000 करोड़ रुपए का निवेश करने की योजना बना रही है।

वाहन बिक्री ने जून में बनाया ऐतिहासिक रिकॉर्ड 21.83 फीसदी की बंपर वृद्धि दर्ज

फाडा ने बताया अब तक का सबसे बेहतर जून, सभी खंडों में रिकॉर्ड प्रदर्शन

नई दिल्ली ।

भारतीय वाहन खुदरा बाजार ने जून में शानदार प्रदर्शन किया, जहां कुल बिक्री सालाना आधार पर 21.83त्न बढ़कर 25,57,234 इकाई हो गई। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) ने सोमवार को बताया कि यह अब तक का सबसे बेहतरीन जून महीना रहा, जिसमें सभी खंडों - दोपहिया, तिपहिया, वाणिज्यिक और यात्री वाहन - ने रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की है। फाडा के आंकड़ों के अनुसार, यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 28.63 फीसदी बढ़कर 4,10,853 इकाई और दोपहिया वाहनों की बिक्री 21.22 फीसदी बढ़कर 18,28,458 इकाई पर पहुंच गई। वहीं, तिपहिया और वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में क्रमशः 16.2 फीसदी और 16.88 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। फाडा के अध्यक्ष सी. एस. विग्नेश्वर ने इस प्रदर्शन को ऐतिहासिक करार दिया। जुलाई के लिए, 51.24 फीसदी डीलरों ने बिक्री में वृद्धि की उम्मीद जताई है, जो मजबूत सकारात्मक दृष्टिकोण दर्शाता है। इस आशावाद का आधार मानसून की स्थिति में सुधार, खरीफ बुवाई में तेजी और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी है। फाडा ने जुलाई-सितंबर 2026 तिमाही के लिए डीलरों के भरोसे में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है, जहां 66.17 फीसदी डीलर बाजार में वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में नकदी प्रवाह में सुधार, इलेक्ट्रिक और सीएनजी वाहनों की बढ़ती मांग तथा नए मॉडल लॉन्च इस सकारात्मक रुझान को बनाए रखेंगे।

मिडकैप फंड्स में निवेशकों का अटूट भरोसा- मई में भी 4,000 करोड़ निवेश

सरकारी खर्च, मजबूत डिफेंस ऑर्डर और बढ़ती मांग ने मिडकैप कंपनियों के लिए खोले नए रास्ते

नई दिल्ली ।

भारतीय इक्विटी बाजार में मिडकैप सेगमेंट निवेशकों की पहली पसंद बना हुआ है। मई 2026 में भी मिडकैप म्युचुअल फंड्स में 4,000 करोड़ रुपये से अधिक का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया, जो अप्रैल के बाद लगातार दूसरा महीना है जब इस कैटेगरी में इतना भारी निवेश आया है। खास बात यह है कि मई में कोई नया मिडकैप फंड लॉन्च न होने के बावजूद निवेशकों का भरोसा कायम रहा, जो इन कंपनियों के बेहतर ग्रोथ आउटलुक को दर्शाता है। एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया के आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल 2026 में मिडकैप फंड्स में 4,780.58 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया था, जबकि मई में यह आंकड़ा 4,385.06 करोड़ रुपये रहा। मई के दौरान कुल 8,270.23 करोड़ रुपये का निवेश इन फंड्स में आया और 3,885.16 करोड़ रुपये की निकासी हुई, जिससे शुद्ध निवेश 4,385.06 करोड़ रुपये रहा। इसके साथ ही, मिडकैप फंड्स का कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट बढ़कर करीब 4.88 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है।कोटक म्युचुअल फंड के सीनियर फंड मैनेजर अतुल भोले के अनुसार, सरकार के बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर खर्च, डिफेंस सेक्टर के मजबूत ऑर्डर, इलेक्ट्रॉनिक्स व सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग को मिल रहा बढ़ावा, हेल्थकेयर की बढ़ती मांग और निर्यात के बेहतर अवसरों ने मिडकैप कंपनियों के लिए नए ग्रोथ के मौके पैदा किए हैं। देश की युवा आबादी, बढ़ता घरेलू निवेश और नए आर्थिक सुधार भी इन कंपनियों की कमाई बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अगले 12 महीनों के आउटलुक पर बात करते हुए भोले ने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और कच्चे तेल समेत कई कमोडिटी की कीमतों में नरमी से कंपनियों की लागत घटने की उम्मीद है। पिछले साल के कमजोर प्रदर्शन के मुकाबले इस साल बिक्री और मुनाफे में सुधार देखने को मिल सकता है। मजबूत बैंक लोन ग्रोथ, बढ़ता जीएसटी कलेक्शन और बेहतर आर्थिक गतिविधियां भी इस सकारात्मक रुख की ओर इशारा कर रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में मिडकैप कंपनियां बड़ी कंपनियों के मुकाबले बेहतर ग्रोथ दिखा सकती हैं, खासकर वे जिनके पास कारोबार बढ़ाने और बाजार हिस्सेदारी मजबूत करने की क्षमता है।

टाटा टेक्नोलॉजीज 17 को जारी करेगी पहली तिमाही वित्त वर्ष 27 नतीजे

बोर्ड बैठक में अनऑडिटेड वित्तीय नतीजों को मिलेगी मंजूरी, जून 24 से इनसाइडर ट्रेडिंग विंडो बंद

नई दिल्ली ।

टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज ने अपनी पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2026-27) के नतीजों की घोषणा के लिए 17 जुलाई 2026 की तारीख तय की है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि इस दिन बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक होगी, जहां जून तिमाही के अनऑडिटेड वित्तीय नतीजों को मंजूरी दी जाएगी। उम्मीद है कि नतीजे बाजार बंद होने के बाद जारी होंगे, जैसा पिछली बार हुआ था। कंपनी की रेगुलेटरी फाइलिंग के अनुसार, 24 जून 2026 से ट्रेडिंग विंडो बंद कर दी गई है। यह विंडो तिमाही नतीजे सार्वजनिक होने और स्टॉक एक्सचेंज पर उनकी जानकारी जारी होने के 48 घंटे बाद तक बंद रहेगी। इसका मुख्य उद्देश्य कंपनी से जुड़े इनसाइडर्स को शेयरों में खरीद-बिक्री करने से रोकना है। पिछली मार्च 2026 तिमाही में टाटा टेक्नोलॉजीज का प्रदर्शन शानदार रहा था। कंपनी का कंसोलिडेटेड शुद्ध मुनाफा 8 फीसदी बढ़कर 204 करोड़ रुपए हो गया था, जबकि ऑपरेशन से आय 22त्न बढ़कर 1,572 करोड़ तक पहुंच गई थी। ए बिटा मार्जिन भी 14.1 फीसदी से बढ़कर 16 फीसदी हो गया था।

इस तिमाही में कंपनी ने शेयरधारकों के लिए कुल 11.70 प्रति शेयर का डिविडेंड भी घोषित किया था। शुक्रवार को टाटा टेक्नोलॉजीज का शेयर 715.85 रुपए पर 0.50 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ।

गुरुग्राम में ओबेरॉय रियल्टी की 8,109 करोड़ की लग्जरी इकाइयां बिकीं

दिल्ली-एनसीआर में पहली आवासीय परियोजना थ्री सिक्स्टी नॉर्थ को मिला जबरदस्त प्रतिसाद

नई दिल्ली ।

मुंबई की प्रमुख रियल एस्टेट कंपनी ओबेरॉय रियल्टी लिमिटेड ने गुरुग्राम के रियल एस्टेट बाजार में धमाकेदार प्रवेश किया है। कंपनी ने अपनी पहली दिल्ली-एनसीआर आवासीय परियोजना में हाल ही में लॉन्च की गई लग्जरी इकाइयों से मजबूत मांग के दम पर 8,109 करोड़ रुपए की सकल बुकिंग दर्ज की है।

यह सफलता कंपनी के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

ओबेरॉय रियल्टी ने शेयर बाजार को सूचित किया कि गुरुग्राम के गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड पर स्थित उसकी पहली लग्जरी आवासीय परियोजना थ्री सिक्स्टी नॉर्थ को खरीदारों से उत्कृष्ट प्रतिक्रिया मिली है। कंपनी ने 29 जून को इस परियोजना के पहले चरण की शुरुआत की घोषणा की थी, जिसमें छह टावर में कुल 832 आवासीय इकाइयां शामिल हैं।

इस 14.8 एकड़ की परियोजना में 13.52 लाख वर्ग फुट का रेरा कारपेट क्षेत्र (कुल 23.10 लाख वर्ग फुट बिक्री योग्य क्षेत्र) बेचा गया है।

कंपनी ने बताया कि इस परियोजना में कुल 6,000 करोड़ रुपए का निवेश और 16,000 करोड़ रुपए की संभावित आय का अनुमान है। ओबेरॉय रियल्टी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक विकास ओबेरॉय ने परियोजना के लॉन्च के समय विश्वास व्यक्त किया था कि उनका ब्रांड एनसीआर बाजार में भी सफलतापूर्वक स्थापित हो सकता है, जो अब शुरुआती बिक्री आंकड़ों से सच साबित होता दिख रहा है।

मलाई से घी बनाते समय कमरे में फैली बदबू को इन हैक्स से करें दूर, अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

अगर आप छोटे अपार्टमेंट में रहते हैं तो घी की गंध से नाक में दम हो सकता है। वहीं इस दौरान यदि घर में कोई मेहमान आ जाए, तो वह भी बहुत असहज हो सकता है। अगर आप भी घी बनाते हुए आने वाली गंध पसंद नहीं है, तो आप हैक की मदद ले सकते हैं।

स्वास्थ्य के लिए घी बहुत ही अच्छा माना जाता है। भारतीय घरों में घी का खूब इस्तेमाल होता है। मार्केट में सबकुछ मिलावटी मिलने लगा है। मिलावटी और नकली घी स्वास्थ्य के लिए काफी खतरनाक हो सकता है। इस कारण आज भी बहुत सारे घरों में खुद से मलाई से घी तैयार किया जाता है। लेकिन जब घी बनाया जाता है, तो इसकी गंध बहुत तेज निकलती है। इसकी महक इतनी ज्यादा तेज होती है कि घर में दम घुटने लगे।

ऐसे में अगर आप छोटे अपार्टमेंट में रहते हैं तो घी की गंध से नाक में दम हो सकता है। वहीं इस दौरान यदि घर में कोई मेहमान आ जाए, तो वह भी बहुत असहज हो सकता है। अगर आप भी घी बनाते हुए आने वाली गंध पसंद नहीं है, तो आप हैक की मदद ले सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको घी बनाने के दौरान आने वाली बदबू को कैसे दूर किया जा सकता है।

इस चीज से दूर होगी घी की बदबू

घी से आने वाली बदबू को दूर करने के लिए आप विनेगर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए जब भी आप घी बनाएं, तो एक गिलास में सिरका भरकर गैस के बगल में रख दें। सिरका एक नेचुरल स्मेल ऑब्जर्वर की तरह काम करता है। यह हवा में मौजूद गंध को सोख लेता है। यह घी की तेज गंध को रोकने में सहायता करता है।

विनेगर

विनेगर में एसिटिक एसिड मौजूद होता है, जोकि हवा में मौजूद पार्टिकल्स को न्यूट्रलाइज करने का काम करता है। यह बदबू को खत्म करता है, जोकि रसोई में बहुत काम आ सकता है। इससे न सिर्फ घी की बल्कि अन्य कई तरह की दूसरी बदबू भी दूर कर सकते हैं।

ऐसे दूर करें बदबू

इसके अलावा आप अन्य कई तरीकों से भी घी की बदबू को दूर किया जा सकता है। इसके लिए आप किचन में एसेंशियल ऑयल भी रख सकते हैं, इससे भी महक दूर होगी।

बता दें कि घी की महक को दूर करने के लिए इसको बनाने के दौरान किचन की खिड़की को खुला रखें। साथ ही एग्जॉस्ट फैन को भी ऑन रखें।

रोज सुबह की ये चार आदतें किडनी को रखेंगी हेल्दी, आज ही रूटीन में करें शामिल

जब किडनी पर अधिक बोझ पड़ने लगता है तो यह ठीक तरीके से काम नहीं कर पाते हैं। जिससे शरीर में विषाक्त पदार्थ जमा होने लगते हैं। इसलिए किडनी को डिटाक्स करना काफी जरूरी होता है। किडनी का डिटॉक्स करने से अंगों की कार्यक्षमता में सुधार होता है।

किडनी हमारे शरीर के सबसे जरुरी अंगों में से एक है। यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने, चयापचय प्रक्रियाओं को संतुलित करने और खून को साफ करने में अहम भूमिका निभाता है। लेकिन जब किडनी पर अधिक बोझ पड़ने लगता है तो यह ठीक तरीके से काम नहीं कर पाते हैं। जिससे शरीर में विषाक्त पदार्थ जमा होने लगते हैं। इसलिए किडनी को डिटाक्स करना काफी जरूरी होता है। किडनी का डिटॉक्स करने से अंगों की कार्यक्षमता में सुधार होता है। वही शरीर में ऊर्जा का सही संतुलन बना रहता है। वहीं आजकल की अनहेल्दी लाइफस्टाइल, प्रदूषण, गलत खानपान और स्ट्रेसफुल लाइफस्टाइल की वजह से किडनी पर अधिक बोझ पड़ता है। वहीं डिटॉक्स प्रोसेस से इन अंगों को आराम मिलता है और वह अपनी कार्यक्षमता को भी बनाए रख पाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सुबह की चार ऐसी आदतों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको डेली रूटीन में शामिल करके आप किडनी को डिटॉक्स करके स्वस्थ रख सकते हैं।

गुनगुने पानी में नींबू डालकर पिएं – सुबह उठते ही खाली पेट गुनगुने पानी में आधा नींबू निचोड़कर पीने से लिवर डिटॉक्स करने में सहायता मिलती है। नींबू में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जोकि किडनी को शुद्ध करने और पाचन में सुधार का काम करते हैं। सुबह की यह आदत शरीर हाइड्रेटेड रखने में सहायता करती है।

ग्रीन टी या हर्बल टी पिएं – सुबह के समय आप चाय या कॉफी भी जगह हर्बल टी या फिर ग्रीन टी का सेवन कर सकते हैं। ग्रीन टी में कैटेचिन्स पाए जाते हैं, जो किडनी की सफाई करने में सहायता करते हैं और उसकी कार्यक्षमता को बढ़ाते हैं। डेंडेलियन या तुलसी की चाय किडनी की सफाई में भी फायदेमंद साबित हो सकती है।

फल खाएं – सुबह के समय नाश्ते में पानी से भरपूर फल जैसे खीरा, तरबूज, अंगूर या संतरा आदि का सेवन करना चाहिए। यह फल शरीर को हाइड्रेट रखते हैं और किडनी से विषाक्त पदार्थों को निकालने में भी सहायता करते हैं। फलों में मौजूद नेचुरल एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन्स किडनी की कार्यक्षमता को बेहतर बनाते हैं।

डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज करें – बता दें कि सुबह की शुरूआत योग और गहरी सांस लेने वाली एक्सरसाइज से करनी चाहिए। डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज करने से बॉडी में ऑक्सीजन लेवल बढ़ता है, साथ ही यह विषाक्त पदार्थों को निकालने में सहायता करता है। गहरी सांस लेने से अंगों को डिटॉक्स होने में सहायता मिलती है। इसके अलावा आप धनुरासन, भुजंगासन और कपालभाति प्राणायाम कर सकते हैं, यह किडनी के लिए फायदेमंद होते हैं।

बारिश के मौसम ये गलती ना कर बैठना ये खाते ही पेट हो जाएगा खराब

मॉनसून का मौसम हर किसी को बहुत पसंद होता है। बारिश की ठंडी बूंदें, हरियाली और ठंडी हवा का आनंद सबको भाता है। लेकिन मॉनसून के मौसम में खाने-पीने को लेकर थोड़ा सावधानी बरतनी बहुत जरूरी होती है। इस मौसम में कई तरह की बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ जाता है क्योंकि नमी और ठंडक की वजह से बैक्टीरिया और वायरस तेजी से पनपते हैं। ऐसे में कुछ खास फूड्स ऐसे होते हैं जिन्हें मॉनसून में बिल्कुल भी नहीं खाना चाहिए, वरना सेहत को गंभीर नुकसान हो सकता है।

आज हम आपको मॉनसून में न खाने वाले पांच फूड्स के बारे में बताएंगे, ताकि आप इस बारिश के मौसम का मज़ा लें और बीमारियों से बच सकें।

बाहर का खाना

मॉनसून में बाहर का खाना खाने से बचना चाहिए। खासकर सड़क किनारे मिलने वाले पकौड़े, समोसे, पकोड़े और अन्य स्नैक्स में नमी की वजह से बैक्टीरिया पनप सकते हैं। बारिश के कारण सड़कें गीली और कीचड़ से भरी होती हैं, जिससे भोजन में गंदगी आसानी से लग जाती है। इससे खाना तुरंत खराब हो सकता है और खाने के बाद पेट में दर्द, एसिडिटी, उल्टी-दस्त जैसी परेशानियां हो सकती हैं। अगर बाहर खाना हो भी तो हमेशा साफ-सफाई का ध्यान रखें और सुनिश्चित करें कि खाना ताजा और गर्म हो। घर पर ही ताजा और साफ-सुथरा खाना बनाएं और खाएं।

पके हुए फल और कटे हुए सलाद

मॉनसून में खुले में रखे कटे हुए फल और सलाद बिल्कुल न खाएं। बारिश की नमी और हवा में मौजूद कीटाणु इन फलों और सलादों पर जल्दी लग जाते हैं। ऐसे फल और सलाद अगर ठीक से धोएं नहीं जाते हैं तो उनमें बैक्टीरिया और कीड़े-पतंगे आसानी से पहुंच जाते हैं। इससे पेट में इंफेक्शन हो सकता है, जिसके कारण उल्टी, दस्त, और पेट दर्द हो सकता है। फलों को अच्छे से धोकर छीलकर ही खाएं। सलाद को ताजा बनाएं और घर पर ही साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखें। अगर बाहर खाने का मन हो तो पैकेज्ड और अच्छे तरीके से पैक किए गए फल या सलाद लें।

डेयरी प्रोडक्ट्स (दूध, पनीर, दही)

मॉनसून में दूध और उससे बने उत्पादों के सेवन में सावधानी बरतनी चाहिए। बारिश के मौसम में दूध जल्दी खराब हो जाता है, जिससे उसमें बैक्टीरिया का विकास होता है। खराब दूध पीने से पेट में इंफेक्शन, दस्त और अपच जैसी समस्याएं हो सकती हैं। पनीर और दही भी यदि ठीक से स्टोर न किया जाए तो इससे भी स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। सभी डेयरी प्रोडक्ट्स को ठंडे और साफ वातावरण में रखें। अगर आपको दूध खरीदना हो तो फ्रिज में ठंडा दूध लें और तुरंत इस्तेमाल करें। पनीर और दही भी हमेशा फ्रिज में रखें और पुराना सामान न खाएं।

तली हुई और ज्यादा मसालेदार चीजें

मॉनसून में तला हुआ और ज्यादा मसालेदार खाना खाने से बचें। बारिश के मौसम में पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है और भारी तले हुए भोजन से पेट में भारीपन, एसिडिटी और गैस की समस्या हो सकती है। मसालेदार खाना भी कई बार पेट की परेशानी को बढ़ा देता है। मॉनसून में हल्का और पौष्टिक खाना खाएं। ज्यादा तेल-मसाले वाली चीजों से बचें। आप उबला हुआ खाना, सूप, दलिया, और सब्जियां ज्यादा खाएं ताकि आपकी पाचन क्रिया ठीक रहे।

बासी और खराब खाना

बारिश के मौसम में खाना जल्दी खराब हो जाता है। अगर आप बासी खाना खा लेते हैं तो आपको बहुत सारी बीमारियां हो सकती हैं। बासी खाना खाने से पेट में संक्रमण हो सकता है, उल्टी-दस्त और पेट दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। मॉनसून में खास तौर पर खाने को अच्छे से ढक कर रखना चाहिए। खाना ताजा बनाएं और तुरंत खाएं। बचा हुआ खाना फ्रिज में रखें और दोबारा इस्तेमाल से पहले अच्छी तरह गर्म करें। बासी खाना बिल्कुल न खाएं।

मॉनसून में सुरक्षित रहने के लिए कुछ अन्य टिप्स

मॉनसून में हमेशा साफ-सफाई का खास ध्यान रखें।

खाने से पहले और बाद में हाथ धोएं।

भरपूर पानी पिएं, लेकिन बाहर के खुले पानी से बचें।

ताजा और अच्छी क्वालिटी के फलों और सब्जियों का सेवन करें।

अपने आस-पास के क्षेत्र में साफ-सफाई रखें ताकि मच्छरों और कीटाणुओं का प्रकोप न हो।

मौसम के अनुसार अपनी डाइट में बदलाव करें और भारी भोजन से बचें।

मॉनसून का मौसम तो बहुत ही खूबसूरत होता है, लेकिन साथ ही यह स्वास्थ्य के लिहाज से भी थोड़ा संवेदनशील होता है। इस मौसम में खाना-पीना लेकर सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। ऊपर बताई गई पांच चीजें मॉनसून में बिल्कुल न खाएं ताकि आप बीमारियों से बच सकें और स्वस्थ रह सकें। हमेशा ताजा, साफ और संतुलित भोजन करें ताकि यह मौसम आपके लिए खुशियों और सेहत से भरा रहे।

मानसून हेल्थ टिप्स : बारिश के मौसम में कैसी होनी चाहिए डाइट?

मानसून की शुरुआत देश के कई हिस्सों में हो चुकी है। बारिश के इस मौसम में मौसम तो खुशनुमा होता है, लेकिन साथ ही यह बीमारियों का खतरा भी साथ लाता है। ऐसे में सेहत का खास ध्यान रखना जरूरी होता है, खासकर हमारी डाइट यानी खाने-पीने की आदतों का।

बारिश के कारण जगह-जगह गंदा पानी जमा हो जाता है, जिससे मच्छर पनपते हैं और डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। साथ ही, इस मौसम में हवा में नमी होती है, जिससे बैक्टीरिया और वायरस तेजी से फैलते हैं। ऐसे में खासतौर पर कमजोर इम्युनिटी वाले लोगों को सतर्क रहने की जरूरत होती है।

हल्का और घर का बना खाना खाएं

मानसून के समय भारी और तले-भुने खाने से बचना चाहिए। जंक फूड या ओवरऑयली खाना खाने से फूड पॉइजनिंग, गैस, कब्ज जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इस मौसम में आप लौकी, करेला, टिंडा, तोरी, और दलिया जैसी हल्की चीजें खाएं। ये ना सिर्फ पचने में आसान होती हैं, बल्कि इम्युनिटी भी बढ़ाती हैं।

मौसमी फल जरूर खाएं

बारिश के समय मिलने वाले फ्रेश फल जैसे – आम, संतरा, तरबूज, खरबूजा खाने से शरीर को जरूरी पोषण और विटामिन्स मिलते हैं। ये फल आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) को मजबूत करते हैं और बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं।

गर्म पेय पदार्थों का सेवन करें

मानसून में ठंडे ड्रिंक्स या कोल्ड ड्रिंक पीने से गला खराब, जुकाम, खांसी जैसी परेशानियां हो सकती हैं। बेहतर होगा कि आप गर्म पानी, हल्दी वाला दूध, अदरक-तुलसी का काढ़ा, या हर्बल चाय पिएं। इससे शरीर हाइड्रेट भी रहेगा और इन्फेक्शन से बचाव भी होगा।

प्रोबायोटिक्स को डाइट में शामिल करें

इस मौसम में पाचनतंत्र का ख्याल रखना जरूरी है। दही और छाछ जैसे प्रोबायोटिक फूड्स पेट के लिए फायदेमंद होते हैं। ये पाचन क्रिया सुधारते हैं और आपकी गट हेल्थ को मजबूत करते हैं।

जंक फूड और स्ट्रीट फूड से दूरी बनाएं

बरसात में गंदगी और नमी के चलते बाहर के खाने में अक्सर हाइजीन की कमी होती है। इसलिए स्ट्रीट फूड, कटे-फटे फल, और बासी खाने से बचें। इससे फूड पॉइजनिंग और संक्रमण का खतरा हो सकता है।मानसून का मौसम भले ही सुहावना हो, लेकिन सेहत के लिए जोखिम भरा हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि आप साफ-सुथरा, हल्का और पोषक खाना खाएं। इम्युनिटी को मजबूत रखें और फालतू के खाने से दूरी बनाएं।

गोल्डन बूट की रेस हुई रोमांचक

- **मेसी-एम्बाप्पे को हालैंड दे रहे कड़ी टक्कर**

नई दिल्ली। नॉर्वे के स्ट्राइकर अर्लिंग हालैंड ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 गोल्डन बूट की रेस में फ्रांस के दिग्गज किलियन एम्बाप्पे और अर्जेंटीना के लियोनल मेसी को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। उन्होंने दो गोल करके ब्राजील को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया और नॉर्वे ने राउंड ऑफ 16 का अहम मैच 2-1 से जीत लिया। उन्होंने 79वें और 90वें मिनट में गोल किए। हालैंड के अब 7 गोल हो गए हैं, जो एम्बाप्पे और मेसी के बराबर है। एम्बाप्पे 7 गोल और 2 असिस्ट के साथ फीफा वर्ल्ड कप 2026 में गोल्डन बूट की रेस में सबसे ऊपर हैं, जबकि हालैंड और मेसी दोनों के 7 गोल और 0 असिस्ट हैं। नॉर्वे के खिलाड़ी अभी तीसरे नंबर पर हैं क्योंकि मेसी ने कम मिनट में ज्यादा गोल किए हैं। इंग्लैंड के हैरी केन 5 गोल और 0 असिस्ट के साथ चौथे नंबर पर हैं, जबकि फ्रांस के ओस्मान डेम्बेले, स्पेन के मिकेल ओयारजाबल, ब्राजील के विनीसियस जूनियर और इस्माइला सार 4-4 गोल के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

तिलक वर्मा ने अभिषेक का रिकॉर्ड तोड़ा

बने नंबर 1, टी-20 में सबसे कम उम्र में 1500 रन बनाने वाले टॉप-10 भारतीय

नई दिल्ली। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के उप-कप्तान तिलक वर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में 11 गेंदों पर 2 छक्के और एक चौके की मदद से नाबाद 24 रन की पारी 218.18 की स्ट्राइक रेट के साथ खेली। तिलक वर्मा ने अपनी इस पारी के दौरान टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने 1500 रन भी पूरे किए और वो टी20 क्रिकेट में भारत की तरफ से सबसे कम उम्र में 1500 रन बनाने वाले सबसे युवा बैटर भी बने।

- **तिलक वर्मा ने दो दिन बाद तोड़ा अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड-** इससे पहले टीम इंडिया के ओपनर अभिषेक शर्मा ने एक जुलाई को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच के दौरान अपने 1500 रन टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में पूरे किए थे और भारत की तरफ से क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में 1500 रन बनाने वाले सबसे युवा बैटर बने थे, लेकिन दो दिन के बाद ही यानी 4 जुलाई को तिलक वर्मा ने उनका रिकॉर्ड तोड़ दिया और पहले नंबर पर आ गए। तिलक वर्मा ने टी20आई में 1500 रन 23 साल 238 दिन की उम्र में पूरे किए जबकि अभिषेक ने ये कमाल 25 साल 300 दिन की उम्र में किया था और वो अब दूसरे नंबर पर आ गए।

इंग्लैंड-ऑस्ट्रेलिया फाइनल के बाद टॉप-10 बल्लेबाज व गेंदबाज

श्री चरणी का जलवा

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने रविवार (5 जुलाई) को इंग्लैंड को 7 विकेट से हराकर 7वीं बार महिला टी20 विश्व कप का खिताब जीता। टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन इंग्लैंड की डैनी व्याट हॉज ने बनाए। उन्होंने 302 रन बनाए ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी दूसरे नंबर पर रहीं। उन्होंने 238 रन बनाए। इंग्लैंड की नट साइवर ब्रंट तीसरे नंबर पर रहीं। टॉप-10 बल्लेबाजों में दो भारतीय स्मृति मंधाना और शैफाली वर्मा भी हैं। स्मृति ने 205 और शैफाली ने 179 रन बनाए। टॉप-10 गेंदबाजों की बात करें तो भारतीय स्पिनर श्री चरणी शीर्ष पर रहीं। उन्होंने 15 विकेट लिए। इंग्लैंड की सोफी मोलिन्यू दूसरे, पाकिस्तान की फातिमा सना तीसरे नंबर रही। दोनों ने 1-1 विकेट लिए। इंग्लैंड सोफी एक्लेस्टोन चौथे और हेली मैथ्यूज चौथे नंबर पर रहीं। दोनों ने 10-10 विकेट लिए। इंग्लैंड की शार्लेट डीन ने भी 10 विकेट झटके।

ऑस्ट्रेलिया ने रिकॉर्ड 7वीं बार जीता खिताब

फाइनल में इंग्लैंड को 7 विकेट से हराया

लंदन (एजेंसी)। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल मुकाबला इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच लॉर्ड्स में खेला गया। इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने बेथ मूनी और फीबी लिचफील्ड की शानदार पारी व शतकीय साझेदारी के दम पर मैच को 7 विकेट से जीत लिया। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने 7वीं बार महिला टी20 वर्ल्ड कप खिताब जीतने का गौरव हासिल किया। इंग्लैंड का अपने घर में चैंपियन बनने का सपना टूट गया और उसे उप-विजेता बनकर संतोष करना पड़ा। फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था और इसके बाद इंग्लैंड की टीम ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 150 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 151 रन का टारगेट दिया। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 17.1 ओवर में 3 विकेट पर 153 रन बनाकर मैच जीत लिया।

ऑस्ट्रेलिया की पारी में बेथ मूनी का शानदार अर्धशतक

ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम की ओपनर जॉर्जिया वोल 9 रन के स्कोर पर अपना विकेट गंवा बैठीं। फीबी लिचफील्ड ने 35 गेंदों पर 48 रन की पारी खेली और आउट हो गईं, लेकिन उन्होंने दूसरे विकेट के लिए बेथ मूनी के साथ मिलकर 67 गेंदों पर 100 रन की साझेदारी की। बेथ मूनी ने अपना अर्धशतक 38 गेंदों पर पूरा किया और उन्होंने 49 गेंदों पर 64 रन की शानदार पारी खेली। एलिस पेरी 13 रन बनाकर जबकि एश्ले गार्डनर 3 रन बनाकर नाबाद रहीं। इंग्लैंड के लिए शार्लेट डीन, लॉरेन बेल और सोफी एक्लेस्टोन ने एक-एक विकेट लिए।

इंग्लैंड की घर में पहली हार

- **ऑस्ट्रेलिया तीसरी बार बगैर हारे बना चैंपियन, बेथ मूनी ने रचा इतिहास**

महिला टी20 विश्व कप के इतिहास में इंग्लैंड की टीम रविवार (5 जुलाई) को पहली बार घरेलू सरजमीं पर हारी और दूसरी बार खिताब जीतने का उसका सपना टूट गया। वह घरेलू सरजमीं पर महिला टी20 विश्व कप में 12 मैच में 11 जीत दर्ज की है। वह पहली बार अपनी मेजाबनी में विश्व कप हारी। ऑस्ट्रेलिया ने उसका विजय रथ रोककर 7वीं बार खिताब अपने नाम किया। वह तीसरी बार टूर्नामेंट में एक भी मैच हारे बगैर चैंपियन बनी।

ऑस्ट्रेलिया की जीत में बेथ मूनी ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने लगातार तीसरी बार फाइनल में अर्धशतक लगाया। बेथ मूनी महिला टी20 वर्ल्ड कप में दो बार प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट खिताब जीतने वाली पहली खिलाड़ी भी बनीं। इससे पहले वह 2020 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रही थीं। पुरुषों में यह रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम है।

प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड

मूनी टी20 वर्ल्ड कर फाइनल (2023 और 2026) में दो बार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाली पहली खिलाड़ी हैं। मार्लन सैमुअल्स पुरुषों (2012 और 2016) में दो बार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले अकेले खिलाड़ी हैं। मूनी महिला टी20 विश्व कप के एक संस्करण में फाइनल की प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट खिताब जीतने वाली दूसरी खिलाड़ी बनीं। 2024 में अमेलिया केर भी फाइनल की प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रही थीं।

दासुन शनाका ने 4 गेंद पर झटके 4 विकेट, चेन्नई सुपर किंग्स की टीम हारी

नई दिल्ली। मेजर लीग क्रिकेट 2026 में दासुन शनाका ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स की टीम टेक्सास सुपर किंग्स के खिलाफ सिएटल ऑर्कस को जीत दिला दी। टेक्सास सुपर किंग्स को आखिरी ओवर में 15 रन चाहिए थे। शनाका ने 4 गेंद पर 4 विकेट झटके और टेक्सास सुपर किंग्स ने 9 रन से जीत दर्ज की।

जीत के लिए 122 रन का पीछा करते हुए टेक्सास सुपर किंग्स ने आखिरी ओवर में 107 रन पर 5 विकेट गंवा दिए थे। डोनोवन फरेरा और शुभम रंजना क्रीज पर थे। फरेरा ने 19वें ओवर में एक चौका और एक छक्का लगाया था। फिर रंजना ने आखिरी ओवर की पहली गेंद पर शनाका को चौका जड़ा, जिससे पांच गेंदों पर 11 रन चाहिए थे।

शनाका ने फरेरा, सैवेज, मिल्ने और डी सिल्वा को आउट किया- दो गेंद बाद फरेरा एक धीमी गेंद पर आउट हो गए। फिर केल्विन सैवेज लॉन्ग-ऑन पर कैच आउट हुए। एडम मिल्ने ने हैट्रिक गेंद का सामना किया और बड़े शॉट के प्रयास में आउट हो गए। शनाका ने आखिरी गेंद पर अमशी डी सिल्वा को शिमरोन हेटमायर के हाथों कैच करा दिया।

नेमार ने लिया संन्यास

पेले के क्लब में हुए शामिल

नॉर्वे से हारकर ब्राजील बाहर

न्यूजर्सी (एजेंसी)।। ब्राजील के सर्वकालिक शीर्ष गोल स्कोरर नेमार जूनियर ने रविवार (5 जुलाई) को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी। उन्होंने यह ऐलान ब्राजील के फीफा वर्ल्ड कप 2026 से बाहर होने के बाद की। नॉर्वे के खिलाफ राउंड ऑफ 16 में उसे 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। 1990 के बाद पहली बार ब्राजील इतना जल्दी वर्ल्ड कप से बाहर हुआ है।

नेमार ने अतिरिक्त समय के 10वें मिनट में पेनल्टी से मैच का एकमात्र गोल दागा, जिससे ब्राजील के लिए 130 मैचों में उनके गोलों की संख्या 80 हो गई, साथ ही उन्होंने 59 असिस्ट भी किए। दिग्गज पेले के मुकाबले उन्होंने 3 गोल ज्यादा किए हैं। वह पेले के अलावा चार विश्व कप में गोल करने वाले दूसरे ब्राजीलियाई खिलाड़ी बने। नेमार ने ब्राजील के लिए 130 मैच खेले। कैफू ने (142) उनसे ज्यादा मैच खेले हैं।

नेमार रोते हुए जमीन पर बैठ गए

न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में आखिरी सीटी बजने के बाद नेमार रोते हुए जमीन पर बैठ गए। साथी खिलाड़ियों ने उन्हें मनाया। मैच के बाद उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'मैंने कोशिश की। इसकी शुरुआत मेट लाइफ स्टेडियम में हुई और यहीं इसका अंत हुआ।' नेमार ने अगस्त 2010 में मेटलाइफ स्टेडियम में अमेरिका के खिलाफ एक फ्रेंडली मैच में ब्राजील के लिए डेब्यू किया और अपना पहला इंटरनेशनल गोल किया।

नेमार की फिटनेस बनी समस्या- फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले नेमार की फिटनेस चर्चा का विषय बनी हुई थी, लेकिन चिंताओं के बावजूद मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने उन्हें 26 सदस्यीय टीम में शामिल किया। दाहिने पैर की पिंडली में चोट लगने की वजह से नेमार टूर्नामेंट में ब्राजील के पांच मैचों में से सिर्फ दो में ही खेले। वह ग्रुप प्ले में स्कॉटलैंड के खिलाफ 15 मिनट तक मैदान पर रहे और नॉर्वे के खिलाफ 67वें मिनट में मैदान पर आए।

'उन्हें जेल में देखकर बहुत बुरा लगता है'

- **पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर इमरान खान को लेकर कपिल देव ने जाहिर किया अपना दर्द**

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान व पीएम इमरान खान को लेकर अपने मन की बात कही। एक इंटरव्यू के दौरान कपिल देव ने इमरान खान को लेकर खुलकर बातें की और बताया कि वो किस तरह से इंसान थे। कपिल देव ने साफ तौर पर कहा कि एक ऐसा खिलाड़ी जिसने अपने देश के लिए वर्ल्ड कप जीता और फिर देश का प्रधानमंत्री भी बना उसके साथ इस तरह का व्यवहार देखकर बुरा लगता है।

इमरान की लाइफ स्टाइल को छू भी नहीं सकते

कपिल देव ने स्पोर्ट्स तक पर इंटरव्यू के दौरान पूछा गया कि क्या आपकी इमरान से दोस्ती थी तो उन्होंने कहा कि मैं ऐसा तो नहीं कहूंगा, लेकिन जब जरूरत होती थी हम बैठकर बात करते थे। वो भी पंजाबी थे और मुझे भी पंजाबी समझ में आती थी तो हम आसानी से एक-दूसरे की बात समझ लेते थे। इमरान खान की लाइफ स्टाइल को तो हम छू भी नहीं सकते। उनका लाइफस्टाइल काफी अलग था और ऐसा हमेशा रहा। इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट के दौरान भी ऐसा ही था।

'मेरे साथ कई बार धोखा हुआ'

पृथ्वी शॉ की मंगेतर आकृति ने किसके लिए लिखा ऐसा, क्या दोनों की राहें हुई जुदा?

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर पृथ्वी शॉ एक बार फिर से चर्चा में हैं। रविवार को उनकी मंगेतर आकृति अग्रवाल ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की जिसमें उन्होंने दावा किया कि उन्हें एक बार नहीं बल्कि कई बार धोखा दिया गया है। आकृति के इस पोस्ट के बाद पृथ्वी शॉ और उनके रिश्ते को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। आईपीएल 2026 सीजन से पहले जब दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें खिलाड़ियों की नीलामी में खरीदा था उससे पहले ही पृथ्वी शॉ और आकृति अग्रवाल की सगाई हो गई थी।

क्या पृथ्वी और आकृति में हुआ अलगाव

आकृति ने क्रिकेटर पृथ्वी के साथ अपने रिश्ते को दिखाने के लिए अपने ऑफिशियल अकाउंट से कई पोस्ट शेयर किए थे। क्रिकेट फैंस को आकृति और पृथ्वी के रिश्ते के बारे में अच्छी तरह से पता है, लेकिन इन सारी बातों के बीच आकृति ने जो पोस्ट शेयर किया वो किसके लिए है ये बड़ा सवाल है। क्या दोनों की राहें जुदा हो गई है, हालांकि अब तक आधिकारिक तौर पर ऐसी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

आकृति ने अपने पोस्ट में लिखा कि मेरे साथ कई बार धोखा हुआ, फिर भी मैंने कभी कुछ नहीं कहा। अभी भी यकीन नहीं होता कि एक कदम आगे बढ़ने के बाद... सब कुछ सच है, हर अफवाह सच है। सोशल मीडिया पर आप उनके बारे में जो कुछ भी देखते हैं। जब आकृति ने लिखा कि सब सच है तो इंटरनेट यूजर्स ने आकृति और पृथ्वी के रिश्ते में कुछ गड़बड़ होने का अंदाजा लगाना शुरू कर दिया। हालांकि आकृति ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में किसी का नाम नहीं लिया। फिलहाल ना तो आकृति और ना ही पृथ्वी की तरफ से कोई आधिकारिक बयान आया है। दोनों में से किसी की भी तरफ से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया न मिलने के कारण लोगों को यह नहीं पता चला है कि आकृति को सार्वजनिक रूप से इतना दुखद संदेश क्यों साझा करना पड़ा। क्या सगाई के बाद भी उनका ब्रेकअप हो गया है ये सवाल सबके मन में कौंध रहा है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (मंगलवार) 07 जुलाई 2026

मुपापा का हिस्सा बने आयुष्मान

यशराज-पोशम पा पिक्चर्स मिलकर बनाएंगे

आयुष्मान खुराना ने अपने करियर में कई लीक से हटकर फिल्में की हैं। वह ऐसी ही एक फिल्म 'मोपापा' का हिस्सा बनने वाले हें, इससे बॉलीवुड के दो बडे प्रोडक्शन हाउस मिलकर बनाएंगे। जानिए, कब रिलीज होगी आयुष्मान खुराना की यह फिल्म? फिल्म 'मुपापा' को यश राज फिल्म्स और पोशम पा पिक्चर्स मिलकर बना रहे हैं, यह इन दोनों प्रोडक्शन हाउस का पहला कोलेबोरेशन है। यह मिलकर 'मोपापा' नाम की फिल्म बना रहे हैं। इसमें आयुष्मान खुराना लीड रोल में है।

बिल्कुल अलग जॉनर की होगी फिल्म

मेकर्स के मुताबिक 'मोपापा' काफी अलग जॉनर की फिल्म है। इसे समीर सक्सेना निर्देशित करेंगे। वह अब तक 'ट्रिपलिंग', 'ये मेरी फैमिली' और 'परमानेंट रूममेट्स' जैसी सीरीज बना चुके हैं। साथ ही जितेंद्र कुमार स्टारर फिल्म 'जादूगर' का निर्देशन भी वह कर चुके हैं।

कब दस्तक देगी फिल्म?

फिल्म 'मोपापा' की रिलीज डेट भी मेकर्स ने शेयर की है। यह अगले साल वैलेंटाइल वीक के बाद रिलीज होगी। इसकी रिलीज डेट 19 फरवरी, 2027 है। फिल्म में आयुष्मान खुराना के अलावा बाकी कास्ट में कौन-कौन शामिल है, अभी इसका खुलासा नहीं हुआ।

आयुष्मान खुराना करियर फ्रंट पर क्या कर रहे हैं?

बीते दिनों आयुष्मान खुराना फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' नजर आए थे। इस साल वह दो फिल्मों में नजर आएंगे। इसमें 'उड़ता तीर' और 'ये प्रेम मोल लिया' शामिल है। इसके अलावा 'मोपापा' को लेकर उनका नाम अभी-अभी सामने आया है। सभी फिल्म अलग जॉनर की हैं।

क्या '12वीं फेल' की मेधा शंकर को डेट कर रहे हैं समय रैना?

समय रैना और 12वीं फेल' की एक्ट्रेस मेधा शंकर के डेट करने की खबरें जोरों पर हैं। दोनों को एक बार फिर साथ में देखा गया है और उन्होंने कैमरा देखते ही अपना रास्ता बदल लिया। लेकिन फैंस दावा कर रहे हैं कि वे साथ हैं।

समय रैना और ' 12वीफेल' की एक्ट्रेस मेधा शंकर के डेटिंग की अफवाहें फिर से शुरू हो गई हैं, क्योंकि दोनों को एक बार फिर साथ देखा गया है। सोशल मीडिया पर दोनों का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिससे फैन्स सोच रहे हैं कि क्या उनकी दोस्ती कुछ और है और वो जान-बूझकर छिपने की कोशिश कर रहे हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया गया जिसमें दावा किया गया कि समय रैना और मेधा शंकर एक ही जगह पर साथ देखे गए। पोस्ट के मुताबिक, पैपराजी को देखते ही दोनों अलग-अलग रास्ते पर चले गए, जिससे फैंस को लगा कि वे मीडिया की नजर से बचना चाह रहे थे। वायरल पोस्ट में लिखा था, 'दोस्तों, समय रैना और मेधा शंकर डेटिंग कर रहे हैं।' इसमें आगे लिखा है, 'वे साथ देखे गए थे, और जैसे ही उन्होंने पैपराजी को देखा, वे अलग हो गए। वे अब कई बार साथ देखे जा चुके हैं। आप लोगों का क्या सोचना है?' यह पहली बार नहीं है जब समय और मेधा के डेटिंग की अफवाहें उड़ी हैं। फैंस ने पहले भी बताया है कि दोनों एक ही तरह के इवेंट्स में साथ शामिल हुए हैं, जिससे उनके रिश्ते को लेकर चल रही अटकलों को और हवा मिली है।

मेधा शंकर की आखिरी रिलीज फिल्म

वहीं, मेधा शंकर आखिरी बार प्रशांत झा के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' में नजर आई थीं। इस फिल्म में अविनाश तिवारी और मेधा शंकर लीड रोल में थे। यह 'गिन्नी वेड्स सनी' (2020) का स्पिरिचुअल सीक्वल है।

समय रैना का 'इंडियाज गॉट लेटेंट'

इस बीच, समय रैना ने हाल ही में अपने विवादित शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के दूसरे सीजन के साथ वापसी की है। इसके पहले एपिसोड में, जो नेटफ्लिक्स और यूट्यूब पर एक साथ रिलीज हुआ था, 'अल्फा' की स्टार्स आलिया भट्ट और शर्वरी गेस्ट के तौर पर शामिल हुईं।

मेधा या समय ने नहीं दिया है जवाब

काफी चर्चा होने के बावजूद, समय रैना और मेधा शंकर, दोनों में से किसी ने भी डेटिंग की अफवाहों पर सीधे तौर पर कुछ नहीं कहा है। अभी तक कॉमेडियन और एक्ट्रेस के बीच रिश्ते की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और ये अटकलें पूरी तरह से फैन्स के ऑब्जर्वेशन और ऑनलाइन वायरल हो रहे क्लिप्स पर आधारित हैं।

'मिर्जापुरः द मूवी' का हिस्सा नहीं हैं विक्रांत मैसी, बबलू पंडित के किरदार में नजर आएंगे जितेंद्र कुमार

विक्रांत मैसी जल्द ही आगामी वेब सीरीज 'प्रीतम एंड पेड्रो' में नजर आएंगे। इस बीच विक्रांत मैसी ने हिट वेब सीरीज 'मिर्जापुर' को लेकर बात की, जो अब 'मिर्जापुरः द मूवी' के नाम से फिल्म के रूप में बड़े पर्दे पर लौट रही है। लेकिन वेब सीरीज के पहले सीजन का हिस्सा रहे विक्रांत मैसी इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। इस बीच विक्रांत ने 'मिर्जापुर' के पहले सीजन में ही अपने किरदार बबलू पंडित के मर जाने पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि काश मेकर्स उन्होंने मुझे मारा न होता। जब 'मिर्जापुरः द मूवी' की घोषणा हुई थी तो फैंस को उम्मीद थी कि बबलू पंडित के किरदार में विक्रांत मैसी की फिल्म में वापसी होगी। लेकिन जब फिल्म का टीजर जारी हुआ तो ये साफ हो गया कि विक्रांत फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। उनकी जगह 'पंचायत' फेम जितेंद्र कुमार फिल्म में बबलू पंडित के किरदार में नजर आएंगे। अब हाल ही में एफएलओ बैंगलोर ऑफिशियल के साथ बातचीत में विक्रांत ने मिर्जापुर शो के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि कैसे इसमें ज्यादातर पुरुष कास्ट और क्रू थे, जो उनके अनुसार पितृसत्ता और मेल ईगो में डूबे हुए थे। उन्होंने कहा कि जब 'मिर्जापुर' मेरे पास आया, तो असल में यह बस कुछ उत्साही लोगों का एक साथ आना था। इसमें कई शानदार महिलाएं भी शामिल थीं, लेकिन मुख्य रूप से शो में मान लीजिए लगभग 85% पुरुष शामिल थे। कैमरे के आगे और पीछे दोनों जगह। यह बस लोगों का एक समूह था जो एक साथ आए और कहा, 'चलो यह शो बनाते हैं।' इस सीरीज में विक्रांत मैसी ने अली फजल के किरदार गुड्डू पंडित के भाई बबलू पंडित का किरदार निभाया था। उनके किरदार ने कहानी में गंभीरता और समझदारी भरी सोच जोड़ी। वह गुड्डू पंडित के लिए रणनीतिक दिमाग का काम करते थे। पहले सीजन में बबलू पंडित की मौत ही वह घटना थी, जिसने कॉलेज जाने वाले गुड्डू पंडित और कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी) के बेटे मुन्ना भैया (दिव्येंदु) के बीच जबरदस्त दुश्मनी को जन्म दिया। 2018 में रिलीज होने के बाद इस शो को बहुत ज्यादा लोकप्रियता मिली और तब से इसके तीन सफल सीजन आ चुके हैं।

अली गोनी ने जैस्मिन भसीन संग शादी को लेकर तोड़ी चुप्पी

टीवी इंडस्ट्री के मशहूर कपल अली गोनी और जैस्मिन भसीन की जोड़ी को दर्शक काफी समय से बेहद पसंद करते आए हैं और अक्सर सोशल मीडिया पर उनकी शादी को लेकर सवाल पूछते रहते हैं। इसी बीच अब अली गोनी ने अपने एक पोस्ट के जरिए पहली बार इस सवाल पर चुप्पी तोड़ी है। दरअसल, अली गोनी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें उन्होंने लिखा, ' 'जब शादी करनी होगी खुद बता दूंगा सबको। मेरे रिश्तेदार मेरे इतने पीछे नहीं पड़े जितना यहां इंस्टा पर लोग पड़े हैं। अपना अपना काम करो और खुश रहो और रहने दो।''

गौरतलब है कि अली से लोग सोशल मीडिया पर अक्सर उनकी शादी को लेकर सवाल पूछते रहते हैं और लगातार उनकी शादी को लेकर दबाव बनाते रहते हैं। ऐसे में अली की लोगों से ये अपील काफी चर्चा में है। बता दें कि जैस्मिन भसीन और अली गोनी की पहली मुलाकात 'खतरों के खिलाड़ी 9' के दौरान एयरपोर्ट पर हुई थी। इस शो के बाद दोनों के बीच दोस्ती की शुरुआत हुई, जो समय के साथ गहरी होती चली गई। लोगों के इस रिश्ते के बारे में पता तब चला, जब 'बिग बॉस 14' के दौरान अली गोनी ने जैस्मिन के लिए घर में वाइल्ड कार्ड एंट्री ली। इस शो में दोनों ने खुले तौर पर अपने प्यार का इजहार किया। 'बिग बॉस 14' के बाद से अली और जैस्मिन को कई बार एक साथ देखा गया। दोनों अक्सर एक-दूसरे के साथ समय बिताते हैं और सोशल मीडिया पर भी अपनी तस्वीरें और वीडियो साझा करते रहते हैं।

ऑटिज्म को लेकर फैली गलतफहमियों पर ईशा सिंह ने खुलकर की बात

टीवी अभिनेत्री ईशा सिंह इन दिनों अपने आने वाले शो 'जूही मुई' को लेकर चर्चा में हैं। इस शो में वह अपने करियर का अब तक का सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने जा रही हैं। ईशा इसमें ऑटिज्म स्पेक्ट्रम पर रहने वाली लड़की 'जूही' की भूमिका में नजर आएंगी। अपने इस किरदार की तैयारी और ऑटिज्म को लेकर समाज में फैली गलतफहमियों पर अभिनेत्री ने खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि आज भी बड़ी संख्या में लोग ऑटिज्म को बीमारी समझते हैं, जबकि यह एक न्यूरोलॉजिकल स्थिति है। एक इंटरव्यू में ईशा सिंह ने कहा, ' 'आज भी बहुत से लोग ऑटिज्म को सही तरीके से नहीं समझते। जागरूकता की कमी पढ़े-लिखे लोगों के बीच भी देखने को मिलती है। मेरे अपने दोस्तों में भी ऐसे लोग हैं जिन्हें ऑटिज्म के बारे में सही जानकारी नहीं है। ऐसे में सबसे जरूरी बात यह है कि लोग इस विषय को समझें और इसके बारे में सही जानकारी हासिल करें।''

ईशा सिंह ने कहा, ' 'ऑटिज्म को लेकर सबसे बड़ी गलतफहमी यह है कि लोग इसे बीमारी मान लेते हैं। जबकि सच यह है कि ऑटिज्म कोई बीमारी नहीं, बल्कि मस्तिष्क के विकास से जुड़ी एक न्यूरोलॉजिकल स्थिति है। कुछ माता-पिता यह सोचते हैं कि ऑटिज्म एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैल सकता है, जबकि यह पूरी तरह गलत धारणा है। ऑटिज्म न तो संक्रामक है और न ही यह किसी तरह की बीमारी है।''

अभिनेत्री का कहना है कि ऑटिज्म स्पेक्ट्रम पर रहने वाले बच्चे अक्सर बेहद बुद्धिमान, संवेदनशील और प्यार करने वाले होते हैं। उन्हें समाज से सहानुभूति नहीं बल्कि समझ और स्वीकार्यता की जरूरत होती है। ऐसे बच्चों को बदलने की कोशिश करने के बजाय उन्हें उसी रूप में स्वीकार करना चाहिए, क्योंकि हर व्यक्ति अपनी अलग पहचान और विशेषताओं के साथ दुनिया में आता है। अपने नए शो में निभाए जा रहे किरदार को लेकर ईशा सिंह ने कहा, ' 'यह मेरे करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण और जिम्मेदारी भरा रोल है। चूंकि यह एक बेहद संवेदनशील विषय है, इसलिए मैंने इसकी तैयारी में कोई कमी नहीं छोड़ी। मेरा उद्देश्य ऑटिज्म से जुड़े लोगों की भावनाओं और व्यवहार को पूरी ईमानदारी के साथ दर्शकों तक पहुंचाना था।''

ईशा ने कहा, ' 'इस किरदार की तैयारी के दौरान मैंने ऑटिज्म पर आधारित कई इंटरव्यू देखे, विशेषज्ञों और लोगों से बातचीत की, इस विषय पर काफी रिसर्च की और कई किताबें भी पढ़ीं। यह सीखने की प्रक्रिया अभी भी जारी है। जूही का किरदार निभाते हुए मुझे हर दिन कुछ नया सीखने को मिल रहा है। मैंने अपने स्टडी, लोगों के अनुभव और अपनी व्यक्तिगत समझ को मिलाकर इस किरदार को तैयार किया है।''

अभिनेत्री ने बताया, ' 'जूही के किरदार के लिए मुझे अपने चलने, बोलने, बैठने, प्रतिक्रिया देने और भावनाओं को व्यक्त करने के तरीके पर भी बारीकी से काम करना पड़ा। ऑटिज्म स्पेक्ट्रम पर रहने वाले लोग हर भावना को गहराई से महसूस करते हैं, लेकिन जरूरी नहीं कि वे उसे सामान्य तरीके से व्यक्त कर पाएं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए मैंने अपने अभिनय में किसी तरह का दिखावा नहीं रखा, बल्कि छोटे-छोटे हाव-भाव और स्वाभाविक अभिव्यक्ति पर विशेष ध्यान दिया।''

ईशा सिंह ने कहा, ' 'मुझे विश्वास है कि जब दर्शक 'जूही मुई' देखेंगे तो उन्हें मेरे किरदार की कई ऐसी बारीकियां नजर आएंगी, जिन पर पूरी टीम ने काफी मेहनत की है। अगर इस शो के जरिए कुछ लोग भी ऑटिज्म को लेकर अपनी सोच बदलते हैं और इसे सही तरीके से समझ पाते हैं, तो मेरी मेहनत सफल मानी जाएगी।''

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी न्याय विभाग ने अदाणी मामले को 'दोषपूर्ण' बताया, स्थायी रूप से आरोप हटाने का आग्रह

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) ने भारतीय उद्योगपति गौतम अदाणी और अन्य सात आरोपियों के विरुद्ध दर्ज आपराधिक मामले को स्थायी रूप से समाप्त करने का अनुरोध किया है। विभाग ने अपने विस्तृत हलफनामे में कहा है कि यह मामला 'एक वर्ष पहले ही समाप्त कर दिया जाना चाहिए था या फिर इसे कभी दर्ज ही नहीं किया जाना चाहिए था।' न्याय विभाग के अनुसार इस मामले के अधिकांश कथित घटनाक्रम भारत में हुए, भारतीय कंपनियों और भारतीय अधिकारियों से जुड़े थे तथा इसकी जांच भारतीय एजेंसियों ने भी की थी। विभाग का कहना है कि ऐसे मामलों में भारत की न्याय व्यवस्था अधिक उपयुक्त है और अमेरिका को 'दुनिया का पुलिसकर्मी' बनने की आवश्यकता नहीं है। विभाग ने 2024 में जो बाइडन प्रशासन के तहत अदाणी और अन्य पर आरोप लगाए थे। उन पर भारतीय सरकारी अधिकारियों को 250 मिलियन अमेरिकी डॉलर की रिश्वत देने की योजना में शामिल होने का आरोप था। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने अमेरिकी निवेशकों से कम से कम 175 मिलियन अमेरिकी डॉलर जुटाए थे। न्याय विभाग ने कहा कि अभियोजकों को मामले छोड़ने के निर्णयों को सार्वजनिक रूप से उचित ठहराने की आवश्यकता भविष्य में ऐसी बर्खास्तगियों को हतोत्साहित करेगी। यह आंतरिक विचार-विमर्श को उजागर करेगा और कार्यकारी शाखा के सांविधानिक अधिकार का उल्लंघन करेगा।

ईरान : गाजा-लेबनान में इस्राइल की कार्रवाई पर भड़के पेजेशकियन, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को घेरा

तेहरान, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने शनिवार (स्थानीय समय) को पश्चिम एशिया में इस्राइल की कार्रवाइयों की निंदा की। उन्होंने अमेरिका पर इस्राइल को समर्थन देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में बुद्धिजीवियों, वैज्ञानिकों और प्रभावशाली लोगों की निशाना बनाकर हत्याएं की गई हैं। समाचार एजेंसी आईआरएनए ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति पेजेशकियन तेहरान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'इमाम खामेनेई; द इटरनल लीडर ऑफ रेजिस्टेंस' में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के प्रभाव पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि ये संस्थाएं मानवाधिकारों की रक्षा का दावा करती हैं। लेकिन ऐसी हत्याओं को रोकने में विफल रही हैं। पेजेशकियन ने कहा, अगर इस्लामी देश मिलकर काम करें तो गाजा, लेबनान और फलस्तीन में संघर्ष और मानवीय संकट को रोका जा सकता है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि इस्लामी संप्रदायों और जातीय समूहों में विभाजन बाहरी ताकतों को क्षेत्र में तनाव बढ़ाने का मौका देता है। उन्होंने कहा, दिवंगत अयातुल्ला अली खामेनेई का मार्गदर्शन दुनियाभर में आज भी प्रेरणा देता है। उनका संदेश एकता, गरिमा, स्वतंत्रता और प्रतिरोध के रूप में पहले से ज्यादा मजबूत हो गया है। राष्ट्रपति ने घरेलू और विदेशी प्रतिभागियों का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि यह सम्मेलन इस्लामी दुनिया में एकता और सहयोग को मजबूत करेगा तथा हिंसा, आतंकवाद और प्रभुत्व (दबदबे) की नीतियों के खिलाफ मिलकर काम करने की प्रेरणा देगा। उन्होंने अली खामेनेई की मौत का जिक्र किया और इसे दुखद लेकिन प्रेरणादायक बताया। पेजेशकियन ने कहा कि ऐसे दिव्य नेताओं के विचार उनकी मृत्यु के बाद भी जीवित रहते हैं और आने वाली पीढ़ियों को न्याय और प्रतिरोध की राह पर प्रेरित करते रहते हैं।

कांगो में छात्रों को ले जा रही नाव नदी में डूबी, कम से कम 20 लोगों की मौत

किंशासा, एजेंसी। मध्य अफ्रीकी देश कांगो में राज्य स्तरीय परीक्षा देकर लौट रहे छात्रों को ले जा रही एक नाव शुक्रवार को नदी में डूब गई। अधिकारियों के अनुसार, इस हादसे में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, यह नाव कसाई प्रांत में संकुरु और कसाई नदियों के संगम क्षेत्र में प्रवेश करते समय डूब गई। कांगो में नाव हादसे आम है। देर रात यात्रा, क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाना, कमजोर सुरक्षा व्यवस्था और दूरदराज के इलाकों में बुनियादी ढांचे की कमी के कारण पिछले कुछ वर्षों में ऐसे हादसों में सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है। कसाई प्रांत के इलेबो क्षेत्र के प्रशासक फ्रांस्वा कबुला ने कहा, '80 लोगों को बचा लिया गया है और 20 शव बरामद किए गए हैं।' हालांकि, हादसे के प्रत्यक्षदर्शी त्शिकुडी जीन ने एसोसिएटेड प्रेस (एपी) को बताया कि नाव में 200 से अधिक लोग सवार थे।

अमेरिकी कांग्रेस की सुनवाई में सीआईए ने विश्वविद्यालयों, अस्पतालों और जेलों के इस्तेमाल की जांच की

वाशिंगटन, एजेंसी। इस हफ्ते हुई कांग्रेस की एक सुनवाई में अमेरिकी खुफिया एजेंसी (सीआईए) के कोल्ड वॉर के दौर के एमके-अल्ट्रा प्रोग्राम की फिर से जांच शुरू हुई। इसमें सांसदों और एक्सपर्ट गवाहों ने आरोप लगाया कि एजेंसी ने दशकों तक इस प्रोग्राम के दायरे को छिपाए रखा और अमेरिका में यूनिवर्सिटी, हॉस्पिटल, जेल और दूसरी जगहों का इस्तेमाल करके बिना जानकारी वाले लोगों पर 'माइंड-कंट्रोल' (दिमाग पर काबू पाने) के एक्सपेरिमेंट किए। फेडरल सीक्रेट्स को सार्वजनिक करने के मामले में 'हाउस ओवरसाइट एंड अकाउंटेबिलिटी कमेटी' की टास्क फोर्स ने इतिहासकार स्टीफन किन्जर और पत्रकार टॉम ओ'नील के बयान सुने। उन्होंने तर्क दिया कि सीआईए प्रोग्राम के अहम पहलू अभी भी छिपे हुए हैं, क्योंकि कई रिकॉर्ड जान-बूझकर नष्ट कर दिए गए थे या उनमें से कई जानकारियां हटा दी गई थीं। सुनवाई की शुरुआत करते हुए टास्क फोर्स की अध्यक्ष अन्ना पॉलिना लुना ने कहा कि एमके-अल्ट्रा प्रोग्राम न तो कोई पॉलिसी की विफलता थी और न ही कोई ऐसा अति-उत्साही कार्यक्रम, जो नियंत्रण से बाहर हो गया हो।

उन्होंने कहा, 'यह सरकार का एक सोच-समझकर और व्यवस्थित तरीके से चलाया गया ऑपरेशन था, जिसमें अमेरिकी नागरिकों, कैदियों, अस्पताल के मरीजों, पूर्व सैनिकों और आम लोगों को उनकी जानकारी या सहमति के बिना एलएसडी,

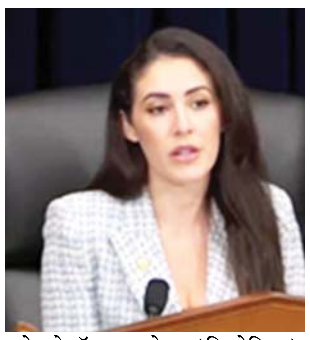

इलेक्ट्रोशॉक, सम्मोहन (हिप्नोसिस), सेंसरी डिप्राइवेशन (इंद्रियों को संवेदना से वंचित रखना) और मानसिक प्रताड़ना का शिकार बनाया गया। लुना ने आरोप लगाया कि तत्कालीन सीआईए निदेशक रिचर्ड हेल्म्स ने 1973 में पद छोड़ने से पहले एमके-अल्ट्रा फाइलों को नष्ट करने का आदेश दिया था, जिसे उन्होंने 'न्याय में बाधा' और 'संघीय अभिलेखों का आपराधिक विनाश' बताया। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि एमके-अल्ट्रा के अतिरिक्त अभिलेखों की खोज की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने और प्रतिनिधि एरिक बर्लिसन ने हाल ही में सीआईए मुख्यालय का दौरा किया था। लुना ने कहा, 'सीआईए वर्तमान में हाल ही में मिले दस्तावेजों को सार्वजनिक करने की प्रक्रिया में है। उन्होंने आगे कहा कि ये रिकॉर्ड एमके-अल्ट्रा के तहत चलाए जा रहे एक जालसाजी कार्यक्रम से संबंधित हैं। पॉडजनर इन चीफ के लेखक किंजर ने गवाही दी कि यह प्रोग्राम अमेरिका और विदेशों में जेलों, क्लीनिकों और सेफ हाउस तक फैला हुआ था। उन्होंने कहा, 'इंसान के दिमाग और शरीर को खत्म करने के तरीकों की तलाश में एमके-अल्ट्रा ने मानव पर अब तक के सबसे खतरनाक एक्सपेरिमेंट किए, जो किसी अमेरिकी सरकारी एजेंसी ने कभी नहीं किए।' उन्होंने कहा कि किसी भी स्टैंडर्ड से वे मेडिकल टॉर्चर के तौर पर सही हैं। उन्होंने कहा कि बचे हुए रिकॉर्ड दिखाते हैं कि एमके-अल्ट्रा में कम से कम 149 सबप्रोजेक्ट्स थे, जिनमें 80 से ज्यादा इंस्टीट्यूशन और 185 नॉन-गवर्नमेंट रिसर्चर शामिल थे। किंजर ने कांग्रेस से डीक्लासिफाइड फाइलों से बाकी बचे हुए बदलावों को हटाने की मांग की। उन्होंने कहा, 'अब 70 साल बीत चुके हैं। यह बात अब वैलिड नहीं रह सकती।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं इस कमेटी से आग्रह करूंगा कि हमारे पास जो डॉक्यूमेंट्स हैं, उनमें सभी खाली जगहों को भरने की कोशिश करे। ओ'नील, जो 'कैओस' के लेखक हैं, ने सांसदों से कहा कि उनका मानना ??है कि पिछली कांग्रेस की जांच में प्रोग्राम का पूरा ब्योरा नहीं दिया गया था। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि कांग्रेस को इस कार्यक्रम की वास्तविक उपलब्धियों के बारे में कभी सच नहीं बताया गया। एजेंसी ने 1977 में कांग्रेस को गुमराह किया था जब उसने एमके-अल्ट्रा को एक असफल कार्यक्रम बताया था। उन्होंने गवाही दी कि उनके शोध में मनोचिकित्सक लुई जोल्योन वेस्ट और सिडनी गॉटलिब, जो एमके-अल्ट्रा का नेतृत्व करने वाले सीआईए वैज्ञानिक थे, के बीच पत्राचार का पता चला, जिसमें एलएसडी, सम्मोहन और अनजाने मानव विषयों से जुड़े प्रयोगों पर चर्चा की गई थी। ओ'नील के अनुसार, उन्हें मिले दस्तावेजों में अनिच्छुक व्यक्तियों से सच्ची जानकारी निकालने और उनमें झूठी जानकारी डालने तथा पहले से वफादार व्यक्तियों के दृष्टिकोण और विश्वासों को बदलने के प्रयासों का वर्णन किया गया है। सांसदों ने गवाहों से बार-बार उन आरोपों के बारे में सवाल किए कि विश्वविद्यालयों, अस्पतालों, जेलों और सैन्य सुविधाओं का इस्तेमाल सीआईए द्वारा वित्त पोषित संगठनों के माध्यम से गुप्त प्रयोग करने के लिए किया गया था। ओ'नील ने लेक्सिंगटन एडिक्शन सेंटर, लैकलैंड एयर फोर्स बेस हॉस्पिटल, होम्सबर्ग जेल, वैकाविल जेल और कई विश्वविद्यालयों सहित उन संस्थानों की पहचान की, जो सुनवाई के दौरान चर्चा किए गए शोध से जुड़े थे। दोनों गवाहों ने पीड़ितों की पहचान करने और अतिरिक्त रिकॉर्ड जारी करने के लिए नए सिरे से प्रयास करने का आह्वान किया। ओ'नील ने बताया कि 1977 की सुनवाई के बाद वादा की गई संघीय जांच कभी पूरी तरह से साकार नहीं हुई, जबकि किंजर ने कांग्रेस से शेष गोपनीय फाइलों की जांच करने और पहले से जारी की गई फाइलों से संपादन हटाने का आग्रह किया।

अमेरिका का 250वां स्वतंत्रता दिवस : पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपतियों ने नागरिकों से लोकतंत्र की रक्षा करने का किया आग्रह

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक प्रशासन से जुड़े चार पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपतियों ने साझा संदेश देते हुए कहा कि अमेरिकी लोकतंत्र अभी भी निरंतर विकसित होने वाली व्यवस्था है और इसकी मजबूती नागरिकों की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर करती है। हालांकि, देश के मौजूदा राजनीतिक माहौल को लेकर चारों नेताओं ने अलग-अलग आकलन पेश किए। पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश, बराक ओबामा, बिल क्लिंटन और जो बाइडेन, सभी ने इस मौके पर अमेरिकियों से डेमोक्रेटिक मूल्यों की रक्षा करने, नागरिक जीवन में हिस्सा लेने और देश के संस्थापकों द्वारा बताए गए एक ज्यादा व्यवस्थित संघ की दिशा में कोशिश करते रहने की अपील की। पूर्व राष्ट्रपति ओबामा ने कहा, 'अमेरिका लगातार आगे बढ़ रहा है। हर पीढ़ी को पिछली पीढ़ी के अधूरे काम को आगे बढ़ाना चाहिए, जो सही है उसकी रक्षा करनी चाहिए, जो गलत है उसे ठीक करना चाहिए और हमारे यूनियन को थोड़ा और बेहतर बनाना चाहिए। 250 साल बाद, यह पहले से कहीं ज्यादा जरूरी है।'

पूर्व राष्ट्रपति बाइडेन ने भी यही बात कही। उन्होंने कहा, 'हमारे डेमोक्रेसी के बारे में कुछ भी सुनिश्चित नहीं है। हमें इसके लिए लड़ना होगा, इसे बचाना होगा और इसे कमाना होगा। बार-बार, साल दर साल। यह कोई बोझ नहीं है। एक अमेरिकी होने का यही मतलब है।'

उन्होंने आगे कहा कि हालांकि अमेरिका अभी तक स्वतंत्रता की घोषणा (डिक्लेरेशन ऑफ इंडिपेंडेंस) में निहित आदर्शों को पूरी तरह हासिल नहीं कर पाया है, लेकिन हमने कभी उन आदर्शों का साथ नहीं छोड़ा है। उन्होंने अमेरिकी नागरिकों से अपील की कि वे यह सुनिश्चित करें कि हम भविष्य में भी कभी उन आदर्शों से पीछे न हटें। वहीं, पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश ने नागरिक जिम्मेदारी और उन स्वतंत्रताओं पर जोर दिया, जिनके बारे में उनका कहना था कि उन्होंने पीढ़ियों से अमेरिका की पहचान और मूल्यों को आकार दिया है। बुश ने एक वीडियो मैसेज में कहा, 'अगले 250 सालों में अमेरिकियों को दर्शक नहीं, बल्कि नागरिक बनना होगा। अमेरिकियों को अपने देश और जिन समुदायों में वे रहते हैं, उनके स्वास्थ्य और भलाई में सक्रिय रुचि लेने की जरूरत है।' उन्होंने वोटिंग को एक शक्तिशाली आजादी करारा दिया और कहा कि इसका हमें सम्मान करना चाहिए। उन्होंने प्रर्थना की आजादी, प्रेस की आजादी और सामुदायिक सेवा की आजादी को ऐसे स्थायी मूल्य बताया जो अमेरिकियों को एकजुट करते रहते हैं। क्लिंटन ने चारों पूर्व राष्ट्रपतियों में से सबसे बड़ा राजनीतिक संदेश दिया, जिसमें उन्होंने आगाह किया कि गहरे विभाजन के एक और दौर के बीच अमेरिका अपनी 250वीं सालगिरह मना रहा है।

हाफिज सईद का बेटा तल्हा संभालेगा लश्कर-ए-तैयबा की कमान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पिछले साल भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा को तहस-नहस कर दिया था। अब खबर आ रही है कि इस आतंकी गुट ने खुद को दोबारा खड़ा करने की कोशिशें तेज कर दी हैं। खुफिया सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, हफ्तों तक चले आंतरिक विवाद और विचार-विमर्श के बाद संगठन ने अपने संस्थापक हाफिज सईद के बेटे तल्हा सईद को नया ऑपरेशनल कमांडर नियुक्त करने का फैसला किया है। लश्कर के पुराने धड़े के दबाव के कारण उम्रदराज हाफिज सईद को पूरी तरह दरकिनार नहीं किया गया है। वह संगठन के मार्गदर्शक और वैचारिक प्रमुख के रूप में अपनी भूमिका निभाता रहेगा। जमीनी अभियानों की पूरी कमान अब तल्हा सईद के हाथों में होगी।

तीन क्षेत्रों के लिए तीन कमांड : भारतीय खुफिया एजेंसियों के हाथ लगी रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की देखरेख में लश्कर ने अपने नेटवर्क का पूरी तरह से ढांचा बदल दिया है। नए प्लान के तहत, लश्कर अब पाकिस्तान के भीतर तीन अलग-अलग क्षेत्रीय ऑपरेशनल कमांड के माध्यम से काम करेगा। बलूचिस्तान विंग, खैबर पख्तूनख्वा विंग और पाक अधिकृत कश्मीर विंग। सुरक्षा विश्लेषकों का कहना है कि पाकिस्तान की सेना और सुरक्षा बल इस समय बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के हमलों से बुरी तरह बेहाल हैं। कई पाकिस्तानी सैनिकों ने अपनी चौकियां छोड़ दी हैं। इस गंभीर स्थिति से निपटने के लिए पाकिस्तानी तंत्र ने अब लश्कर के आतंकियों को अपनी सेना के साथ मिलकर टीटीपी और बीएलए के खिलाफ जंग में झोंक दिया है। क्षेत्रीय कमांड बनाने का मुख्य उद्देश्य स्थानीय आतंकियों को भर्ती करना है। लश्कर का मानना है कि स्थानीय लोग वहां के भूगोल और रसद से बेहतर वाकिफ होते हैं, जिससे हालिया महीनों में खुफिया विफलता के कारण जो नुकसान झेलना पड़ा है उसकी भरपाई की जा सके।

अमेरिका में आजादी के 250 साल का जश्नः ट्रम्प बोले- अमेरिका को कम्युनिज्म नहीं चाहिए

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका ने शनिवार को आजादी के 250 साल पूरे होने का जश्न मनाया। इस मौके पर देशभर में भव्य समारोह आयोजित किए। मुख्य कार्यक्रम वॉशिंगटन डीसी के नेशनल मॉल में हुआ, जहां राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने राष्ट्र को संबोधित किया। बारिश और आंधी-तूफान के कारण कार्यक्रम में देरी हुई, लेकिन मौसम साफ होने के बाद समारोह शुरू हुआ। अपने संबोधन में ट्रम्प ने कम्युनिज्म पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, 'हम अपने देश में कम्युनिस्टों को नहीं चाहते। कम्युनिज्म हमेशा हारता आया है और आगे भी हारेगा। यह अमेरिकी व्यवस्था के बिल्कुल विपरीत है।' ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी सैनिकों ने दुनिया भर में कम्युनिज्म के खिलाफ लड़ाई लड़ी, ताकि यह विचारधारा कभी अमेरिका के भीतर जगह न बना सके। भाषण के बाद नेशनल मॉल में करीब 40 मिनट तक रिकॉर्ड

आतिशबाजी हुई। इस दौरान 8.5 लाख से ज्यादा फायरवर्क्स हुए। व्हाइट हाउस ने इसे अमेरिका के इतिहास का सबसे बड़ा स्वतंत्रता दिवस फायरवर्क शो बताया।

ट्रम्प बोले- हम एक देश और एक परिवार : ट्रम्प ने कहा कि 'हम एक देश हैं, एक परिवार हैं और एक ही झंडे के नीचे खड़े हैं।' उन्होंने कहा कि अमेरिका की ताकत उसकी एकता और साझा मूल्यों में है। ट्रम्प ने कहा कि पिछले 250 वर्षों में अमेरिका ने कई चुनौतियों का सामना किया, लेकिन देश हमेशा एकजुट होकर आगे बढ़ा। उन्होंने लोगों से देश की स्वतंत्रता, लोकतंत्र और राष्ट्रीय एकता को मजबूत बनाए रखने के लिए कहा।

कम्युनिज्म हमेशा हारा है और आगे भी हारेगा : अपने भाषण में ट्रम्प ने कहा कि कम्युनिज्म हमेशा हारने वाली विचारधारा रही है और आगे भी हारती रहेगी।' उन्होंने कहा कि कम्युनिस्ट व्यवस्था अमेरिकी व्यवस्था के बिल्कुल विपरीत है। उनके मुताबिक, अमेरिका की पहचान आजादी, लोकतंत्र और व्यक्तिगत अधिकारों से है, जबकि कम्युनिज्म इन मूल्यों के खिलाफ है। ट्रम्प ने कहा, 'हमारे सैनिकों ने दुनिया भर के युद्धक्षेत्रों में कम्युनिज्म के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उन्होंने यह लड़ाई इसलिए नहीं लड़ी कि वही खतरा फिर अमेरिका के भीतर लौट आए।' ट्रम्प ने कहा कि पिछले ढाई सौ वर्षों से अमेरिका दुनिया के लिए उम्मीद, विश्वास, रोशनी और गौरव का प्रतीक रहा है। ईश्वर की कृपा से हम आगे भी ऐसे ही रहेंगे, बल्कि इससे भी बेहतर बनेंगे। उन्होंने कहा कि 4 जुलाई 1776 से 4 जुलाई 2026 तक अमेरिका ने आजादी की तानाशाही पर जीत, स्वतंत्रता की दमन पर विजय और अमेरिकी भावना की ताकत को दुनिया के सामने साबित किया है। ट्रम्प ने दावा किया कि 'आज हमारा देश पहले से कहीं ज्यादा मजबूत, ज्यादा स्वतंत्र, ज्यादा समृद्ध, ज्यादा सुरक्षित और ज्यादा गर्व से भरा हुआ है।

खतरे में शहबाज शरीफ की कुर्सी, इस सहयोगी पार्टी ने किया बगावत का ऐलान! दी सड़कों पर उतरने की खुली धमकी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की कुर्सी खतरे में नजर आ रही है। हाल ही में पाकिस्तान की सरकार में शामिल पार्टी मानी जाने वाली मुत्तहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) शहबाज सरकार को धमकी दी है कि अगर उनसे किए गए वादे पूरे नहीं किए गए, तो उनकी पार्टी पूरे सिंध में सरकार के खिलाफ आंदोलन शुरू करेगी। एमक्यूएम-पी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार में गठबंधन सहयोगी है। पाकिस्तान के प्रसिद्ध अखबार डॉन के मुताबिक एमक्यूएम-पी ने आरोप लगाया है कि 2022 में हुए 18-सूत्रीय समझौते को अब तक लागू नहीं किया गया। पार्टी का कहना है कि यह समझौता सरकार बनाने से पहले राजनीतिक सहमति का हिस्सा था, जिसमें स्थानीय शासन,

नौकरियों में कोटा प्रणाली और संसाधनों के बंटवारे जैसे अहम मुद्दे शामिल थे।

पूरे सिंध में करेंगे आंदोलनः एमक्यूएम-पी : कराची में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए एमक्यूएम-पी के वरिष्ठ नेता फारूक सत्तार ने इसे अंतिम चेतावनी बताया और कहा, अगर मांगें पूरी नहीं हुई तो पार्टी ऐसा विरोध आंदोलन शुरू करेगी जिसे रोकना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कि पार्टी ने न तो प्रांतीय सरकार में हिस्सेदारी मांगी और न ही अतिरिक्त अधिकार, बल्कि केवल अपने समझौते को लागू करने की मांग कर रही है। सत्तार ने यह भी दावा किया कि समझौते के गारंटर के तौर पर शहबाज शरीफ स्वयं शामिल थे, इसलिए अब केंद्र सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह इसे लागू कराए। उन्होंने कहा कि 18 में से एक भी बिंदु अब तक लागू नहीं हुआ है, जिससे जनता में असंतोष बढ़ रहा है। बढ़ सकती हैं शहबाज शरीफ की मुश्किलें पार्टी ने संविधान के अनुच्छेद 149 का हवाला देते हुए संघीय हस्तक्षेप या जनमत संग्रह की मांग भी उठाई। साथ ही कराची में स्थानीय सरकार व्यवस्था, फर्जी डोमिसाइल और सरकारी नौकरियों में कोटा प्रणाली खत्म करने की मांग दोहराई गई। एमक्यूएम-पी सिंध प्रांत में विपक्ष की भूमिका निभा रही है। पार्टी का कहना है कि कराची और अन्य शहरी क्षेत्रों की समस्याओं को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है, जिससे राजनीतिक तनाव बढ़ता जा रहा है। सरकार की एक सहयोगी पार्टी का इस तरह खुलकर विरोध करना शहबाज सरकार के लिए राजनीतिक चुनौती बन सकता है।

ईरान में खोदी जा रही हजारों कब्रें! खामेनेई के जनाजे में 3,000 लोगों के मौत की आशंका

तेहरान, एजेंसी। ईरान में पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के चार महीने बाद उनका अंतिम संस्कार किया जा रहा है। 4 जुलाई को उनके जनाजे की रस्में शुरू हो गई हैं, जो 9 जुलाई तक चलेगी और इसके बाद उनके शरीर को दफना दिया जाएगा। इसी बीच एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। जिसके मुताबिक, ईरानी सरकार खामेनेई के जनाजे से पहले हजारों कब्रें खुदवा रही है। जानकारी के मुताबिक, जमर्नी के मीडिया हाउस WELT तेहरान से मिली जानकारी के आधार पर एक रिपोर्ट जारी की है। इसमें कहा गया है कि ईरान की सरकार को सुप्रीम लीडर खामेनेई के जनाजे में 1,500 से 3,000 लोगों के मारे जाने की आशंका जताई गई है। इसके चलते ईरान की सरकार ने पर्दे के पीछे इस स्थिति के लिए तैयारियां भी कर ली हैं।

क्यों डरी हुई है ईरानी सरकार : ईरान सरकार ने आशंका जताई है कि अली खामेनेई के जनाजे में देशभर के लोग शामिल होंगे। सरकार के मुताबिक जनाजे में डेढ़ से दो करोड़ लोग शामिल हो सकते हैं। ईरान की सरकार जनाजे में शामिल होने वाले लोगों की संख्या को लेकर डरी हुई है। ईरान में बड़े नेताओं के जनाजे पर भगदड़ और हिंसा का पुराना इतिहास रहा है। सरकार को आशंका है कि खामेनेई के जनाजे में भी भगदड़ और अन्य घटनाएं हो सकती हैं। जिसमें 1,500 से 3,000 लोगों की जान जा सकती है। सरकार ने इन्हीं आशंकाओं के चलते एक हजार से अधिक कब्रों का इंतजाम किया है। तेहरान में नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि, हमने सच में कब्रें तैयार की हैं। जनाजे में अगर भगदड़ या गर्मी के कारण 3,000 लोगों की मौत भी हो जाती है, तो स्थिति को काबू से बाहर नहीं जाने दिया जाएगा। अधिकारी ने कहा कि क्योंकि इतनी भीषण गर्मी और भीड़ के बीच भगदड़ होने की संभावनाएं अधिक है। इसी बीच एक पत्रकार ने दावा किया है, नेशनल क्राइसिस मैनेजमेंट और ईरानी रेड क्रिसेंट ने ईरान के फर्स्ट वाइस प्रेसिडेंट मोहम्मद-रेजा आरिफ के एक सीक्रेट चिट्ठी भेजी है। चिट्ठी में कहा गया है कि जनाजे के दौरान भगदड़ और दूसरी घटनाओं में लोगों की मौत की आशंका के चलते तेहरान के कई कब्रिस्तानों में हजारों कब्रें तैयार की गई हैं। ईरान सरकार के इस डर के पीछे एक बड़ी वजह ईरान में बड़े नेताओं के जनाजे के दौरान लोगों की मौतों का इतिहास भी है। 1989 में जब ईरान के पहले सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खुमैनी का जनाजा निकाला गया था, तब भगदड़ में 8 लोगों की मौत हो गई थी और सैकड़ों लोग बुरी तरह घायल हो गए थे।

बांग्लादेश में ईशनिंदा के आरोपों से अल्पसंख्यकों पर संकटः 6 महीने में 17 मामले, एचआरसीबीएम ने जताई चिंता

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। अल्पसंख्यक अधिकारों के लिए काम करने वाले संगठन ह्यूमन राइट्स कांग्रेस फॉर बांग्लादेश माइनॉरिटीज (एचआरसीबीएम) ने आरोप लगाया है कि देश में ईशनिंदा (ब्लासफेमी) के आरोपों का इस्तेमाल सुनियोजित तरीके से अल्पसंख्यक समुदायों को निशाना बनाने के लिए किया जा रहा है। संगठन के अनुसार, जनवरी से जून 2026 के बीच ऐसे 17 मामले सामने आए हैं, जो एक चिंताजनक और लगातार दोहराए जा रहे पैटर्न की ओर इशारा करते हैं।

एचआरसीबीएम ने हाल ही में सुनामगंज जिले के एक हिंदू युवक दीप्तो राय के मामले का हवाला देते हुए दावा किया कि सोशल मीडिया पर आरोप लगते ही भीड़ इकट्ठा हो जाती है, पुलिस कार्रवाई शुरू हो जाती है और डिजिटल फोरेंसिक जांच पूरी होने से पहले ही आरोपी और उसके परिवार को सामाजिक, आर्थिक और मानसिक दबाव का सामना करना पड़ता है। संगठन का कहना है कि यह केवल कानूनी मामला नहीं बल्कि अल्पसंख्यकों में भय और असुरक्षा का माहौल पैदा करने का तरीका बनता जा रहा है। एचआरसीबीएम ने बांग्लादेश सरकार और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

17 मामलों का किया दावा : ह्यूमन राइट्स कांग्रेस फॉर बांग्लादेश माइनॉरिटीज (एचआरसीबीएम) ने कहा कि जनवरी से जून के बीच ऐसे 17 मामले दर्ज किए गए हैं, जो एक 'खतरनाक पैटर्न' को दर्शाते हैं। संगठन के अनुसार, 'हाल ही में सुनामगंज जिले के ताहिरपुर उपजिला में हिंदू अल्पसंख्यक युवक दीप्तो राय पर लगाए गए ईशनिंदा के आरोप ने इस प्रवृत्ति को फिर उजागर किया है। संगठन ने कहा कि सोशल मीडिया पर आरोप सामने आते ही भीड़ जुट जाती है, पुलिस कार्रवाई करती है, और डिजिटल फोरेंसिक जांच पूरी होने से पहले

ही आरोपी और उसके परिवार पर भारी सामाजिक दबाव बन जाता है। एचआरसीबीएम ने पीड़ित परिवार और प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से कहा कि यह आरोप 'झूठा और आधारहीन' था।

धार्मिक स्थलों को बनाया गया निशाना : एफआईआर का हवाला देते हुए संगठन ने बताया कि मामले में सोशल मीडिया पोस्ट, पुलिस हिरासत, मोबाइल फोन जब्ती और साइबर कानून से जुड़े प्रावधान शामिल हैं, लेकिन गिरफ्तारी के समय यह स्पष्ट नहीं था कि संबंधित सामग्री वास्तव में आरोपी ने पोस्ट की थी या उसका नियंत्रण उसी के पास था। संगठन ने कहा कि इस घटना के बाद आरोपी के परिवार, उनकी आजीविका और स्थानीय धार्मिक स्थल पर भी हमले और दबाव की स्थिति बनी।

अल्पसंख्यकों को बनाया जा रहा निशाना : ह्यूमन राइट्स कांग्रेस फॉर बांग्लादेश माइनॉरिटीज संगठन ने कहा, 'बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों के लिए यह अब कोई अलग-थलग घटना नहीं है, बल्कि एक दोहराई जाने वाली सामाजिक हिंसा की प्रक्रिया बन गई है।' संगठन ने दावा किया कि पिछले वर्ष भी ईशनिंदा के आरोपों में 73 अल्पसंख्यक युवाओं की गिरफ्तारी हुई थी। एचआरसीबीएम ने कहा कि असली समस्या केवल आरोप नहीं है, बल्कि आरोप लगते ही सजा जैसा माहौल बन जाना है जबकि अदालत या फोरेंसिक जांच से पहले ही परिवारों, संपत्तियों और समुदायों को निशाना बनाया जाता है। एचआरसीबीएम संगठन ने बांग्लादेश सरकार, पुलिस, न्यायपालिका, मानवाधिकार आयोग और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से इस स्थिति को 'राष्ट्रीय अल्पसंख्यक सुरक्षा आपातकाल' के रूप में देखने की अपील की।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.